राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या, प्रयागराज, मिर्जापर, गोरखपुर, बरेली, बुंदेलखंड, उत्तराखंड, देहरादून

लखनऊ, शनिवार, 19 अप्रैल 2025

वर्ष 06, अंक 200, पृष्ट 12, मूल्य: 03 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, झारखण्ड, बिहार, मध्य प्रदेश, असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

प्रयागराज में रोजाना चल रहा मौत का खेल, एक सप्ताह में छह हत्याएं!....03

बांग्लादेश ने पाकिस्तान से कहा, '1971 की ज्यादती के लिए मांगे सार्वजनिक माफी, दे मुआवजा'...12

बांग्लादेश- हिंदू प्रिंसिपल को पीटा गया, झूठे आरोप लगाकार इस्तीफा देने पर किया मजबूर

● माइनॉरिटी की सुरक्षा को लेकर भारत को उपदेश देने वाले मोहम्मद यूनुस को अपने यहां क्या चल रहा है, इसका पता ही नहीं. बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ जो कुछ हो रहा है, वह सत्ता की मिलीभगत के बिना संभव नहीं

स्वतंत्र प्रभात

ढाका। बांग्लादेश के एक हाई स्कूल के हिंदू प्रिंसिपल को कथित तौर पर बंधक बनाया गया और बेबुनियाद आरोपों के आधार पर अपने पद से इस्तीफा देने को मजबूर किया गया। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि चटगांव के भटियारी हाजी तोबारक अली चौधरी (टीएसी) हाई स्कूल के कार्यवाहक प्रधानाचार्य कांति लाल आचार्य पर खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और उसके संबद्ध संगठनों के सदस्यों ने त्यागपत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए दबाव डाला।

प्रिंसिपल की बेटी भावना आचार्य ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर आरोप लगाया कि उनके पिता को बिना किसी आरोप के पद छोड़ने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, ÷मेरे पिता कांति लाल आचार्य 35 साल से भटियारी हाजी तोबारक अली हाई स्कूल में पढ़ा रहे हैं। बुधवार को मेरे पिता को बिना किसी सिद्ध आरोप के जबरन कार्यवाहक प्रिंसिपल के पद से हटा दिया गया। मेरे पिता ने क्या अपराध किया है? यह नहीं बताया गया।"

भावना आचार्य ने लिखा, "ताजा घटना से पहले मेरे पिता को स्कूल जाने से मना किया गया। उनसे कहा गया कि अगर वे स्कूल गए तो उन्हें अपमानित किया जाएगा। इसके जवाब में मेरे पिता ने कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है और कोई अपराध नहीं किया है। उन्होंने कहा कि अगर आप मुझे अपने पद से हटने के लिए कहेंगे तो मैं बिना किसी हिचकिचाहट के पद छोड़ दूंगा लेकिन मैं फिर भी स्कूल जाऊंगा लेकिन भागूंगा नहीं। उन्होंने अपने अपराध का सबूत लाने के लिए कहा।"

भावना ने बताया कि उनके पिता को जबरन एक कागज पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा गया। कागज में लिखा था कि वे भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण स्वेच्छा से इस्तीफा दे रहे हैं। उनके मुताबिक, "मेरे पिता ने निडरता से कहा कि उन्होंने कोई भ्रष्टाचार नहीं किया है और वे उस पन्ने पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे, इस्तीफा दे देंगे। इस पर लोगों ने मेरे पिता की पिटाई कर दी। बाद में एक और पर्चा लिखा गया जिसमें कहा गया कि उन्होंने निजी कारणों से इस्तीफा दिया है।" भावना ने निराशा व्यक्त करते हुए आगे कहा, "यह शिक्षक का अपमान है! हम दुनिया के एकमात्र नीच राष्ट्र हैं जो हर स्तर पर शिक्षकों को निशाना बना रहे हैं और उन्हें इस अपमानजनक स्थिति में डाल रहे हैं।"

बांग्लादेश के प्रमुख बंगाली दैनिक प्रथम आलो से बात करते हुए कांति लाल आचार्य ने कहा कि स्कूल में हुई घटना के बाद से वह बीमार पड़ गए हैं, डरे हुए हैं और उनका पूरा परिवार भी उनके लिए चिंतित है। घटना के बारे में पूछे जाने पर उपजिला कार्यकारी अधिकारी फखरुल इस्लाम ने प्रोथोम अलो को बताया कि चटगांव शिक्षा बोर्ड के अधिकारियों ने घटना की जांच के लिए एक समिति गठित की है।

हिंदू प्रिंसिपल को पद छोड़ने पर किया मजबूर

प्रधानाध्यापक की बेटी भावना आचार्य ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर आरोप लगाया कि उनके पिता को बिना किसी आरोप के पद छोड़ने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, मेरे पिता कांति लाल आचार्य 35 साल से भटियारी हाजी तोबारक अली हाई स्कूल में पढ़ा रहे हैं। बुधवार को मेरे पिता को बिना किसी सिद्ध आरोप के जबरन कार्यवाहक प्रधानाध्यापक के पद से हटा दिया गया। मेरे पिता ने क्या अपराध किया है? यह नहीं बताया गया।

कुछ रिपोर्टों में यह भी कहा गया कि शिक्षक पर हमला करने वाले बीएनपी सदस्यों ने दावा किया था कि बांग्लादेश एक इस्लामिक राज्य होना चाहिए, जहां गैर-मुस्लिम प्रधानाध्यापकों की कोई जगह नहीं। पिछले साल अगस्त में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के पतन के बाद से बांग्लादेश में हिंसा और कानून व्यवस्था के लगातार खराब होने का सिलसिला जारी है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर अक्सर अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव बरतने और उन्हें सुरक्षा न देने का आरोप लगाया जाता है।

भारत ने बांग्लादेश की स्थिति पर बार-बार चिंता जताई है और उम्मीद जताई है कि यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार हिंसा के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। इस महीने की शुरुआत में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैंकॉक में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान यूनुस के साथ अपनी बैठक के दौरान हिंदुओं सहित बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया था।

गोवा सतर्कता विभाग ने भाजपा सरकार के अधिकारियों के खिलाफ रोजाना भ्रष्टाचार की शिकायतो का खुलासा किया

हालांकि पिछले पांच वर्षों में उन शिकायतों के आधार पर कोई गिरफ्तारी नहीं की गई है, लेकिन "अधिकारियों पर अवैध रिश्वत मांगने और आधिकारिक शक्ति का दुरुपयोग करने जैसे अपराधों के लिए मामला दर्ज किया गया है

स्वतंत्र प्रभात

कांग्रेस द्वारा गोवा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार पर 304.24 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाने के कुछ सप्ताह बाद, राज्य सतर्कता निदेशालय की रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले पांच वर्षों में, औसतन, प्रतिदिन एक से अधिक सरकारी कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ विभाग में भ्रष्टाचार और कदाचार की शिकायतें दर्ज की गईं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मार्च 2020 से अब तक सतर्कता विभाग में 2,741 शिकायतें दर्ज की गई हैं। हालांकि पिछले पांच वर्षों में उन शिकायतों के आधार पर कोई गिरफ्तारी नहीं की गई है, लेकिन "अधिकारियों पर अवैध रिश्वत मांगने और आधिकारिक शक्ति का दुरुपयोग करने जैसे अपराधों के लिए मामला दर्ज किया गया है।"

टाइम्स ऑफ इंडिया ने कहा, "इस अवधि के दौरान, 15 से अधिक सरकारी अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया था, लेकिन उनमें से अधिकांश को बहाल कर दिया गया।" रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकारियों को निलंबित किए जाने के कारणों में कथित रूप से जाली वेतन प्रमाणपत्रों के साथ विभिन्न बैंकों/सहकारी समितियों से धोखाधड़ी से ऋण प्राप्त करना और धोखाधड़ी से जमीन के भूखंड हड़पना शामिल है। कांग्रेस के आरोप

यह रिपोर्ट कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा के 22 मार्च के बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने भाजपा को "मिनी-अदानियों का गिरोह" बताया था और दावा किया था कि सत्तारूढ़ पार्टी "सरकारी परियोजनाओं में निजी खिलाड़ियों को व्यवस्थित रूप से लाभ पहुंचा रही है"। एक्स पर बयान देते हुए खेड़ा ने कहा था, "प्रधानमंत्री (नरेंद्र) मोदी की तथाकथित 'भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई' 'भ्रष्टाचारियों के लिए लड़ाई' है - गोवा में उनकी अपनी सरकार इस खोखली बात का एक प्रमुख उदाहरण है। सार्वजनिक निधियों में 304.24 करोड़ रुपये का घोटाला, जिसमें निजी खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धी बोली के बिना 20 से अधिक परियोजनाएं दी गईं, ने गोवा के लोगों को लूटा है। 'ना खाऊंगा ना खाने दूंगा' एक मृगतृष्णा है। भाजपा ने गोवा में 'मिनी-अदानियों' का एक गिरोह बनाया है, जो बेहतरीन अनुबंधों को देने में पक्षपात के माध्यम से लाभ उठाते हैं, खरीद नियमावली और केंद्रीय सतर्कता आयोग के हर नियम को खुलेआम ध्वस्त करते हैं।"

इससे कुछ दिन पहले ही गोवा भाजपा के नेता और पहली प्रमोद सावंत सरकार में मंत्री रहे पांडुरंग मडकाइकर ने अपनी ही सरकार पर "केवल भ्रष्टाचार में लिप्त" होने का आरोप लगाते हुए पार्टी छोड़ दी थी।उन्होंने स्थानीय पत्रकारों से कहा था, "लूट चल रही है। कुछ भी नहीं हो रहा है। वे केवल पैसे गिनने में व्यस्त हैं। सभी मंत्री पैसे गिनने में व्यस्त हैं। गोवा में कुछ भी नहीं हो रहा है।"

उन्होंने आरोप लगाया था कि उन्हें भी "छोटे से काम" के लिए "रिश्वत देने के लिए मजबूर" किया गया था। किसी का नाम लिए बिना मडकाइकर ने आरोप लगाया था कि "फाइलों को मंजूरी" दिलाने के लिए राज्य के मंत्रियों को लाखों में भुगतान करना पड़ता है। मुख्यमंत्री सावंत ने आरोपों से इनकार नहीं किया, लेकिन कहा, "उन्होंने मेरे खिलाफ कोई आरोप नहीं लगाया है। उनसे (मंत्री कौन है) पूछिए।"

संक्षिप्त ख़बरें

दबंग नहीं काटने दे रहे गेहूं की फसल, पीड़ित ने एसडीम सहित पुलिस से की शिकायत

शाहजहांपुर। जनपद के थाना जलालाबाद क्षेत्र में दबंगों ने एक पीड़ित किसान के खेत में खड़ी फसल को काटने से मना कर दिया तो पड़ित ने थाने पर शिकायत की जब यहां भी न्याय नहीं मिला तो मजबूरन पीड़ित किसान को उप जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है।ग्राम ग्राम उम्मरपुर निवासी रवींद्र ने उप जिला अधिकारी जलालाबाद को प्रार्थना पत्र देने के बाद शुक्रवार दिन के11:00 बताया कि उसकी खेती अमानुल्लापुर भुडिया, तहसील जलालाबाद, मे है।जमीन उनकी माता जी के नाम है, जिसकी गाटा सं0-21 है जिसका रकबा 20 बीघा है। जिसमें तहसील प्रशासन की देखरेख में गेहूं की फसल बोई गई थी। परंतु गांव के नरेश व सत्यपाल व जुगेन्द्र की नियत खराब हो गई जा जो उनको गेहूं की फसल काटने नहीं दे रहे हैं। पीड़ित ने उप जिलाधिकारी सहित पुलिस विभाग को उनकी गेहूं की फसल कटवाये जाने की मांग की।

नैनी डान्डी क्षेत्र में सरकारी रोडवेज ने मारी महिला को टक्कर परिजनों ने शव को रख के किया चक्का जाम

प्रयागराज। कापेश कुमार विश्वकर्मा निवासी जसरा तातारगंज थाना घूरपुर जनपद. प्रयागराज की मा को सरकारी रोडवेज बस नंबर क्ष्78छ्ह7515 का चालक तेज गति से लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाते हुए शिवकली पत्नी शिव प्रकाश विश्वकर्मा के ऊपर वाहन् चढ़ा दिया जिससे उनकि मौके पर ही मृत्यु हो गई. वही मोके पर हजारों की तादात में जनता मौजूद रही व मौके पर समस्त नैनी थाने की टीम मौजूद रही नैनी थाने द्वारा एफ आई आर दर्ज कर विविध कारवाई की गयी वहि ऐ सी पी साहब ने उनकी मांगों को पूरा करने का अस्वासन दिया।

दबंग बनिका ग्राम प्रधान ने कब्जाई करोडो की सरकारी जमीने तहसील प्रशासन मौन

● क्षेत्रीय् लेखपाल से मिली भगत करके गाटा संख्या 750, 749,863, 1072 व् 1083 भूमि स्थिति् बनिका् की सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा कर करवाए जा रहे पक्के निर्माण

मुख्यमंत्री के आदेशों की

स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो।

लखीमपुर खीरी जनपद खीरी की तहसीलों में अफसर शाही पर नौकरशाही इस कदर हावी देखी जा सकती है कि किसी ने कभी नहीं सोचा होगा लेकिन आज बात उक्त पूर्णता सत्य साबित होती दिखाई पड़ रही है जिसकी बांनगी तहसील सदर लखीमपुर की ग्राम पंचायत बनिका गांव में देखी जा सकती है यहां पर ग्राम प्रधान मनोज कुमार और क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा आपस में साठगाँठ जोड़कर के करोड़ों की सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा करके पक्का निर्माण कराया जा रहा है और लेखपाल साहब मुक़दर्शक बने अवैध पक्का निर्माण होते देख रहे हैं शायद लेखपाल साहब के लिए कम के आदेश हुआ जिला अधिकारी खीरी सहित एसडीएम सदर के आदेश कोई मायने ही ना रखते हो जो ग्राम बनिक में करोड़ों की सरकारी जमीन जिनकी गाटा संख्या क्रमशः 750 749 863 1083 जो नवीन प्रति के नाम दर्ज कागजात हैं और गाटा संख्या 172 में स्कूल की भूमि है और आंगनबाड़ी केंद्र व स्वास्थ्य केंद्र बना है तथा उक्त गाटा संख्या 172 में बच्चे शेष रखवा के रिक्त पड़ी भूमि पर वर्तमान ग्राम प्रधान मनोज ने अवैध कब्जा करके अपने मकान का निर्माण करना शुरू कर दिया इतना ही नहीं कोई कार्रवाई नहीं होने और लेखपाल सहित तहसील प्रशासन से गहरी 60 घाट के चलते उक्त प्रधान ने गाटा संख्या 863 जिसमें आरसीसी केंद्र बना हुआ है इस के बगल में दोनों तरफ लिफ्ट पड़ी जमीन पर प्रधान द्वारा अवैध कब्जा करके मकान का निर्माण शुरू कर दिया गया गाटा संख्या 749 750 जो नवीन प्रति के नाम राजस्व ब्लॉक में दर्ज कर जाता है उक्त गेटों के आशिक भाग पर अन्नपूर्णा भवन बना है शेष

भूमि पर भी ग्राम प्रधान मनोज अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अवैध कब्जा कर मकान तथा चारदीवारी का निर्माण करवा डाला और लेखपाल कानून को सब सोते रहे इनका इतने बड़े अवैध कब्जों की भनक तक नहीं आखिर क्यों क्या लेखपाल साहब क्षेत्र पर जाते ही नहीं या फिर सब कुछ जानने के बाद भी अनदेखा किया जाता रहा तहसील प्रशासन से मिली छूट के चलते ग्राम प्रधान ने नवीन प्रति की जमीन गाटा संख्या 1083 पर भी दबंगई और धमाल के दम पर अवैध कब्जा करके दुकान बनवाए जाने के आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन से लिखित शिकायत करके सरकारी जमीनों पर प्रधान द्वारा किए गए अवैध कब्जे को हटाए जाने की मांग की गई है और दोषी ग्राम प्रधान के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराए जाने की भी गुहार शिकायत करता घरों द्वारा लगाई गई है अब देखना यह है की तहसील प्रशासन द्वारा उक्त बृहद अवैध कब्जे के मामले पर क्या कार्रवाई की जाती है

इस संबंध में जब तहसीलदार लखीमपुर से जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो साहब ने फोन ही नहीं उठाया वैसे भी साहब चंद्र लोगों के ही फोन रिसीव करने के लिए जाने जाते हैं!

इलाहाबाद हाई कोर्ट में छह नए न्यायाधीशों ने ली शपथ

स्वतंत्र प्रभात

इलाहाबाद हाई कोर्ट में शुक्रवार सुबह 10 बजे मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली ने छह नए न्यायमूर्तियों को पद की शपथ दिलाई। सभी अभी तक जिला जज थे। जितेन्द्र कुमार सिन्हा, अनिल कुमार (दशम), संदीप जैन, अवनीश सक्सेना, मदन पाल सिंह एवं हरवीर सिंह ने अतिरिक्त न्यायमूर्ति के रूप में शपथ ली। इस दौरान अन्य न्यायमूर्ति गण तथा बार एसोसिएशन के प्रतिनिधि उपस्थित थे। शपथ ग्रहण समारोह के कारण न्यायिक कार्य दिन में 11 बजे प्रारंभ हुआ। इन छह न्यायमूर्तियों के कार्यभार ग्रहण करने के बाद 160 जजों वाले इलाहाबाद हाई कोर्ट में न्यायमूर्तियों की कुल संख्या 87 हो गई है। इनमें 23 न्यायमूर्ति लखनऊ खंडपीठ के हैं।

86 जस्टिस ही करेंगे न्यायिक कार्य फिलहाल 86 जस्टिस ही न्यायिक कार्य करेंगे। दिल्ली हाई कोर्ट से स्थानांतरित जस्टिस यशवंत वर्मा के न्यायिक कार्य करने पर रोक लगी हुई है। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने इसी

माह के पहले सप्ताह आठ जिला जजों को इलाहाबाद हाई कोर्ट का न्यायाधीश बनाए जाने की संस्तुति की थी। विधि एवं न्याय मंत्रालय ने बुधवार को इनमें छह लोगों की नियुक्ति की अधिसूचना जारी की थी। अभी दो जिला जजों तथा दो अधिवक्ताओं को न्यायमूर्ति बनाए जाने की संस्तुति सरकार के पास लंबित है। जिला जज तेज प्रताप तिवारी (गोरखपुर) तथा अब्दुल शाहिद (प्रतापगढ़) के नाम को हरी झंडी नहीं मिल सकी है। दो अधिवक्ताओं सर्वश्री अमिताभ कुमार राय (लखनऊ) व राजीव लोचन शुक्ला (प्रयागराज) को भी न्यायमूर्ति बनाए जाने की संस्तुति मार्च आखिर में सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने की थी, लेकिन केंद्र सरकार ने उनके नामों पर भी अपनी मंजूरी नहीं दी है। वैसे यदि इन नामों को मंजूरी मिल भी जाती है तब भी न्यायमूर्तियों की संख्या स्वीकृत पदों से काफी कम रहेगी।

पत्नी की जगह पति करता 'काम', 365 दिन में 55 लाख इधर-उधर, 'उसके' खाते में डाले 35 लाख

रीवा जिले में बाणसागर परियोजना में एक बड़ा घोटाला सामने आया है। दुर्गेश गुप्ता नामक महिला कंप्यूटर ऑपरेटर की जगह उसका पति संतोष गुप्ता काम करता था। आरोप है कि उन्होंने मिलकर 55 लाख रुपए का गबन किया। संतोष ने एक मृत कर्मचारी, गिरीश कुमार मिश्रा के खाते में 35 लाख रुपए ट्रांसफर किए। रीवा- मध्य प्रदेश के रीवा जिले में एक बड़ा घोटाला सामने आया है। बाणसागर परियोजना में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर काम करने वाली महिला की जगह उसका पति काम करता रहा। इस दौरान उसने 55 लाख रुपए का घोटाला किया। उसने एक मृत कर्मचारी के खाते में 35 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। रीवा पुलिस ने पति और पत्नी दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। यह घोटाला 3 साल तक चला।

बाणसागर परियोजना के तहत क्योंटी नहर संभाग में यह फर्जीवाड़ा हुआ। दुर्गेश गुप्ता नाम की महिला को कंप्यूटर ऑपरेटर के तौर पर नौकरी मिली थी। लेकिन, उसकी जगह उसका पति संतोष गुप्ता काम करता था। यह बात विभाग को पता नहीं थी। संतोष गुप्ता कई सालों से यह काम कर रहा था। मई 2020 में परियोजना के एक कर्मचारी, गिरीश कुमार मिश्रा का निधन हो गया। उनके वेतन का 1.6 लाख रुपए बकाया था। लेकिन, संतोष गुप्ता ने फर्जी तरीके से 35.53 लाख रुपए मिश्रा के खाते में डलवा दिए। बाद में, उसने वह पैसा अपने

खाते में ट्रांसफर करवा लिया। यह सब विभाग की नजरों से छिपा रहा।

जब उच्च अधिकारियों को इस बारे में पता चला, तो उन्होंने जांच शुरू करवाई। रीवा कलेक्टर ने एक जांच समिति बनाई। जांच में घोटाले की पुष्टि हुई। इसके बाद, समान थाने में शिकायत दर्ज करवाई गई। पुलिस ने संतोष गुप्ता और उसकी पत्नी दुर्गेश गुप्ता के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।साल 2019-20 के बीच में 36.94 लाख रुपए का गबन किया गया। इसी तरह, साल 2020-2021 में 18.43 लाख रुपए का अतिरिक्त गबन सामने आया। संतोष गुप्ता और दुर्गेश गुप्ता दोनों पर आरोप लगे हैं। जांच समिति ने पाया कि संतोष गुप्ता ने कई फर्जी बिल भी बनाए थे। उसने उन बिलों के आधार पर भी पैसे निकाले। इस तरह, उसने अलग-अलग तरीकों से विभाग को नुकसान पहुंचाया। यह मामला सामने आने के बाद, विभाग में हड़कंप मच गया है. अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि इस घोटाले में और कौन-कौन शामिल है।

भ्रष्टाचार: भावलखेड़ा की वरनई ग्राम पंचायत में पहले से ही बने देवस्थानों का प्लास्टर कराकर दो लाख 60 हजार भुगतान

आर.सी.सी रोड पर इंटरलॉकिंग कराए जाने के नाम पर भी हुआ बड़ा भुगतान

स्वतंत्र प्रभात

शाहजहांपुर/जनपद के विकासखंड भावलखेड़ा की ग्राम पंचायत वरनई में कराए गए विकास कार्यों के दौरान भ्रष्टाचार को लेकर ग्राम पंचायत के वार्ड नंबर 1 से निर्वाचित ग्राम पंचायत सदस्य ने मुख्य विकास अधिकारी शाहजहांपुर को प्रार्थना पत्र देते हुए जांच कमेटी गठित कर जांच कराए जाने की मांग की है , ग्राम पंचायत सदस्य देव कुमार ने बताया कि ग्राम पंचायत के नौगवा में राम सुरेश के मकान से देव कुमार के मकान तक आरसीसी रोड पड़ा है जो पूर्व विधायक अवधेश कुमार वर्मा के जमाने में डाला गया था , लेकिन इसी रोड पर ग्राम पंचायत सचिव और ग्राम प्रधान ने फर्जी इंटरलॉकिंग दिखाकर, करीब 3 लाख पचास हजार रुपया पेमेंट करा लिया है साथ ही शिकायतकर्ता ने ग्राम पंचायत में 10 -20 स्ट्रीट लाइट लगाकर स्ट्रीट लाइट के नाम

पर दो लाख 86 हजार रुपए फर्जी पेमेंट का भी आरोप लगाया है शिकायतकर्ता ने कहा कि ग्राम पंचायत में 10 -20 घटिया क्वालिटी की स्ट्रीट लाइट लगाकर ग्राम प्रधान ने घोटाला किया है लगाई गई स्ट्रीट लाइट 2 महीने भी नहीं चली , साथ ही नौगवा में हरदेव राजा, और काकरिया बाबा स्थान निर्माण में, प्रधान पर बड़े घोटाले का आरोप लगा है शिकायतकर्ता ने बताया कि दोनों स्थान पहले से ही बने हुए थे जिन्हें गांव वालों ने चंदा सहयोग से बनवाया था प्रधान ने सिर्फ दोनों स्थानों पर फर्श कराई है और सरकारी रिकॉर्ड में स्थान बनवाने के नाम पर दो लाख 60 हजार रुपया पेमेंट करा लिया, शिकायतकर्ता ने पूर्व प्रधान के द्वारा बनवाए गए नाला निर्माण को दिखाकर ग्राम प्रधान द्वारा दो लाख 83 हजार रुपए निकालने का आरोप लगाया है और कहां है कि नाला पूर्व में ही बना हुआ था ग्राम प्रधान ने कहीं-कहीं पर प्लास्टर करा कर नए नाले का पेमेंट निकाल लिया है साथ ही कई जगह पुरानी नाली मरम्मत कराकर नई नाली का पेमेंट कराया गया है शिकायतकर्ता देव कुमार ने मुख्य विकास अधिकारी से जिला स्तर की जांच कमेटी गठित कर कार्रवाई की मांग की है फिलहाल शिकायत में सच्चाई कहां तक है यह जांच का विषय है इस संबंध में खंड विकास अधिकारी भावलखेड़ा से फोन संपर्क किया गया उनका फोन नहीं उठा ग्राम पंचायत सचिव मनीष यादव ने बताया की मैं अभी हाल ही में चार्ज लिया है मामला मेरे संज्ञान में नहीं है

संक्षिप्त खबरें

राज्य परिवहन निगम ढाबा घाघरा घाट बना लूट का अड्डा

यहाँ डेढ़ से दोगुना कीमत वसूला जाता है

बलरामपुर। राज्य परिवहन निगम घाघरा घाट ढाबे पर यात्रियों से डेढ़ से दो गुना सामान का कीमत वसूल किया जाता है। इससे यात्रियों की जेब पर आतिरिक्त वोझ पड़ता है। बताते चलें कि बलरामपुर गोण्डा आदि स्थानों से दर्जनों रोड बेज की वसें लखनऊ के लिए आती जाती है। इन बसों में बड़ी संख्या में लोग जिलों से राजधानी की यात्रा करते हैं राज्य परिवहन निगम ने यात्रियों की सुविधा और अच्छी तथा सस्ती सेवा के लिऐ घांघरा घाट नदी छोर पर पुर्वी राज्य परिवाहन निगम का ढाबा बना हुआ है। रोड बेज वसें प्रायः यहीं रुकती है और यहाँ राज्य परिवाहन निगम व सरकार को ठेंगा दिखाते हुए भोजन, नाश्ता, ठंडा, चाय विसकिट आदि के दाम आम दुकानों पर चल रहे रेट से डेढ़ से दो गुना अधिक वसूला जाता है ऊपर से यदि कोई मोल भाव व हीला हवाली करता है तो उसे बेइज्जत भी होना पड़ता है यात्रीयों का कहना है कि यह ढाबा नहीं लूट का अड्डा बन गया है ।

बस्ती जनपद में डा0 राजेश पटेल की पहल से बच गई बाल गोबिन्द चौधरी की जान

– जनपद के जाने माने सर्जनों में शुमार हैं डा0 राजेश पटेल

बस्ती। डाक्टर को भगवान का दूसरा रूप कहा जाता है जिसे चरितार्थ कर दिखाया जिला अस्पताल में तैनात सर्जन डाक्टर राजेश पटेल ने जिनकी नेक पहल से बाल गोविन्द चौधरी नामक मरीज की जान बच गयी ।मिली जानकारी के अनुसार बाल गोविन्द चौधरी (उम्र 45 वर्ष) पुत्र श्री राम चरन चौधरी विकास खण्ड वनकटी के धुसवा निवासी जो रोजी - रोटी के चक्कर में मुंबई रहते हैं । वहीं पर इन्हें बीमारी हुई जिसके कारण धीरे - धीरे इंफेक्शन बढ़ने से कमर के निचले हिस्से में प्राइवेट पार्ट सहित सड़ गए थे । गंभीर अवस्था में इन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था जिसका आपरेशन जनपद के जाने - माने सर्जन डा0 राजेश पटेल की टीम के देखरेख में सकुशल संपन्न हुआ और जिंदगी मौत से जूझ रहे बाल गोविन्द की जान बच गयी । इसके पूर्व दर्जनों की संख्या में इस प्रकार की ख्यातियाँ डा0 राजेश पटेल की उपलब्धियों में पहले से ही जुड़ी हुई हैं ।

गुड फ्राइडे हमें दयालुता, करुणा और हमेशा उदार हृदय रखने की प्रेरणा देता है - पीएम मोदी

नई दिल्ली । आज गुड फ्राइडे है। गुड फ्राइडे ईसाई धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है। इसी दिन ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया गया था। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को शांति, करुणा और भाईचारे का संदेश दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में यीशु मसीह के बलिदान को याद करते हुए लिखा, "गुड फ्राइडे के दिन हम ईसा मसीह के बलिदान को याद करते हैं। यह दिन हमें दयालुता, करुणा और हमेशा उदार हृदय रखने की प्रेरणा देता है। शांति और एकजुटता की भावना हमेशा बनी रहे।"बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक्स पर लिखा, "गुड फ्राइडे के अवसर पर प्रभु यीशु मसीह के बलिदान को स्मरण करते हुए उन्हें नमन। प्रभु यीशु मसीह ने अपने जीवन और बलिदान के माध्यम से संपूर्ण मानवता को प्रेम, दया और करूणा के भाव का संदेश दिया था। उनके बताए हुए मार्ग के अनुसरण से समस्त मानव समाज के कल्याण का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।"कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुडफ्राइडे की शुभकामनाएं देते हुए एक्स पर लिखा, "दया, क्षमा, त्याग और सहानुभूति का सार हमारे कार्यों को प्रेरित करता रहे। आइए हम अपने साझा अस्तित्व में मानवता, दया और शांति के मूल्यों को अपनाएं।"कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, "यह गुड फ्राइडे हर दिल को करुणा, दया और प्रेम से भर दे तथा सभी के लिए शांति लेकर आए।"प्रियंका गांधी ने भी अपनी भावनाएं एक्स पर व्यक्त कीं। उन्होंने लिखा, "यह शुभ दिन हम सभी को याद दिलाए कि प्रभु यीशु ने हमें सिखाया है कि प्रेम, करुणा और क्षमा की शक्ति में कभी विश्वास न खोएं।" राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक्स पर लिखा, "गुड फ्राइडे के मौके पर आइए प्रभु यीशु के बलिदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण करें तथा करुणा, मानवता तथा प्रेम के उनके संदेश को आत्मसात करें।"

ई-रिक्शा चालकों ने समस्याओं के समाधान हेतु निकाला जुलूस, सौंपा तीन सूत्रीय ज्ञापन

●जब तक ई रिक्शा चालक के समस्याओं का समाधान नहीं होता है तो हम लोग बड़ा आंदोलन करेंगे धरना देंगे

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले में भारत की जनवादी नौजवान सभाके नेतृत्व में मंगलवार को ई-रिक्शा चालकों और मालिकों ने न्याय मार्ग स्थित कार्यालय से जुलूस निकालकर जिलाधिकारी कार्यालय तक जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने अपनी समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी को संबोधित तीन सूत्रीय ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा। ई-रिक्शा चालकों का प्रमुख आरोप है कि आवंटित जोन में स्टीकर वितरण की प्रक्रिया अत्यंत धीमी है। चालकों का कहना है कि स्टीकर प्राप्त करने में महीने से अधिक का समय लग रहा है, जबकि शहर में बिना स्टीकर के ई-रिक्शा चलाने पर चालान और जुर्माना लगाया जा रहा है, जो उनके लिए उत्पीड़न की स्थिति उत्पन्न कर रहा है। उनका तर्क है कि जब तक 80% ई-रिक्शाओं को स्टीकर वितरित नहीं हो जाते, तब तक ऐसी सख्ती लागू करना अन्यायपूर्ण है।

दूसरी मांग में चालकों ने कहा कि अधिकांश ई-रिक्शा चालक मरीजों, बुकिंग अथवा माल भाड़ा जैसे विशेष प्रयोजनों में भी ई-रिक्शा का प्रयोग करते हैं। ऐसे मामलों में उन्हें जोनल प्रतिबंध से छूट दी जाए और यदि कोई गलत पाया जाए तो उस पर कार्रवाई की जाए। जोन आवंटन की असमानता को लेकर संतोष कुमार यादव ने कहा कि वर्तमान जोन सीमाएं विषमता पूर्ण हैं, जिससे चालकों में आक्रोश है। उन्होंने सुझाव दिया कि इस विषय पर पुलिस प्रशासन, ट्रैफिक प्रशासन और यूनियन के नामित सदस्यों के बीच त्रिपक्षीय वार्ता आयोजित की जाए और वार्ता के आधार पर जोन सीमाओं में आवश्यक संशोधन किया जाए।माकपा नेता शेष मणि ने कहा कि ई-रिक्शा चालक ट्रैफिक व्यवस्था में सहयोग को तैयार हैं, बशर्ते कि उनकी आय के अवसरों पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। ई-रिक्शा के पंजीकरण के मुद्दे पर नवनीत यादव ने मांग की कि जिलाधिकारी संबंधित डीलरों को निर्देशित करें कि बिना पंजीकरण के कोई भी ई-रिक्शा डिलीवरी न किया जाए।जुलूस का नेतृत्व डीवाईएफआई के जिला अध्यक्ष शिव चरण निषाद ने किया। उन्होंने आशा जताई कि जिला प्रशासन ई-रिक्शा चालकों से संवाद स्थापित कर समाधान की दिशा में सकारात्मक कदम उठाएगा। जुलूस में माकपा नेता के.के. तिवारी, ध्रुव चंद, राधेश्याम, राम अधारे, नियाज़ खान, राकेश कुमार सैनिक, शिबू, मकबूल, राहुल, श्रवण कुमार यादव, राहुल भारती सहित दर्जनों ई-रिक्शा चालक शामिल रहे।

रानी आशिमा सिंह ने छात्रों को पुरस्कृत कर उनका हौसला बढाया

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिलेके पूर्व विधायक राजा लक्ष्मेश्वर सिंह को उनके 77 वें जन्म दिन पर याद किया गया। रानी आशिमा सिंह ने पूर्व विधायक के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके योगदान को याद किया। कहा कि वे राजा बाद में पहले किसान थे और बच्चों के प्रति सदैव संवेदशील रहे। जनप्रतिनिधि के रूप में उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। पूर्व विधायक राजा लक्ष्मेश्वर सिंह के पुत्र राजा ऐश्वर्यराज सिंह ने कहा कि पिता के पद चिन्हों पर चलते हुये वे निरन्तर प्रयासरत रहते हैं कि उनके अधूरे सपने पूरे हो। राजा लक्ष्मेश्वर सिंह मेमोरियल सिटी इण्टर नेशनल स्कूल के परिसर में आयोजित कार्यक्रम में 6 कम्पोजिट और प्राइमरी विद्यालय के छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिये कार्यशाला और सहभोज का आयोजन किया गया। रानी आशिमा सिंह ने छात्रों को पुरस्कृत कर उनका हौसला बढाया। छात्रों ने इस मौके पर कौशल प्रदर्शन हेतु स्टाल लगाया। सुर्तीहट्टा स्थित राजा लक्ष्मेश्वर सिंह मेमोरियल रीहैब प्लस विद्यालय में भी छात्रों ने जयन्ती पर राजा लक्ष्मेश्वर सिंह को याद किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से नजराना जमाल, गरिमा त्रिपाठी, नाहिद अख्तर, सीमा श्रीवास्तव, सरिता रूंगटा के साथ ही बड़ी संख्या में छात्र, शिक्षक उपस्थित रहे।

कोटा जाने के भय से आदमतारा कोटेदार ने लिया मेडिकल

ग्रामीणों ने शपथ पत्र पर किया था शिकायत

स्वतंत्र प्रभात

बलरामपुर। पचपेड़वा विकास खण्ड अन्तर्गत आदमतारा गांव निवासी राशन कार्ड लाभार्थियों में हर्ष की लहर दौड़ गई है। इसका मुख्य कारण पूर्व कोटेदार द्वारा विगत तीन वर्ष से लगातार भ्रष्टाचार किया जा रहा था ग्रामवासी कोटा परिवर्तन को अपनी बड़ी जीत के तौर पर देखते हैं। बताते चलें कि आदमतारा गांव में पूर्व कोटेदार द्वारा लाभार्थियों से अंगूठा लगवाकर राशन न देना और उनसे झगड़ा बवाल गाली गलौच करना पेशा वना लिया गया था। कई वर्षों से चले रहे इस अवैध कार्य के विरुद्ध कई बार शिकायत जांच हुआ परन्तु कोई निष्कर्ष नही निकला विगत माह पूर्व राशन कार्ड लाभार्थियों ने सपथ पत्र पर जिलाधिकारी को शिकायत किया इस पर कोटेदार ने अपने आप को बचाने क लिये मेडिकल लगा कर लम्बी छुट्टी लेली इससे एक कार्य हुआ कि कोटा नरयनपुर बेमिहा में सम्बद हो गया । पहले भी गांव के 120 लाभार्थी यही से लगा कर राशन लेते थे। लाभार्थी इसे अपनी जीत मान रहे हैं और वह हर्ष का अनुभव कर रहे हैं। हालांकि पूर्व कोटेदार ने ग्रामीणों के अनुसार फर्जी मेडिकल लगाया है उनके घर में कोई वीमार ही नही है. कुछ खाद्यान्न माफियाओं व आधकारियों द्वारा उन्हें बचाने की साजिश अभी भी की जा रही है।

कांग्रेसियों ने किया ईडी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

अलीगढ़। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र समूह की संपत्तियों को ज़ब्त करने व कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गाँधी एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी के विरुद्ध चार्जशीट लगाये जाने के विरोध में कांग्रेसजनों द्वारा कल पूरे देश में ई0डी0 के खिलाफ़ हुए भारी विरोध व धरना प्रदर्शन की कड़ी में ज़िला एवं महानगर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में ज़िला कलैक्ट्रेट के समक्ष सैंकड़ों कांग्रेसजनों ने भारी विरोध प्रदर्शन कर धरना दिया। धरना प्रदर्शन की अध्यक्षता पूर्व शहर अध्यक्ष सय्यद वसीम अहमद ने की और संचालन वरिष्ठ कांग्रेसी नदीम गफूर ने किया ।

अन्नपूर्णा रसोई के स्थापना दिवस पर हुआ कवि सम्मेलन का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले में कोरोना संकट काल के दौरान गरीबों के लिये लाइफ लाइन बनकर उभरी जय मां अन्नपूर्णा रसोई का सातवां स्थापना दिवस त्रिदेव मंदिरा करूआ बाबा के निकट प्रबंधक राघवेन्द्र मिश्र 'पट्टू' के संयोजन में उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ कवि डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' की अध्यक्षता में आयोजित कवि सम्मेलन के बाद उपस्थित लोगों ने जय मां अन्नपूर्णा रसोई में भोजन किया।प्रबंधक राघवेन्द्र मिश्र 'पट्टू' ने बताया कि जन सहयोग से जय मां अन्नपूर्णा रसोई पिछले सात वर्षो से निःशुल्क भोजन की सेवा उपलब्ध करा रही है। प्रतिदिन दिन में 12 से 2 बजे के मध्य लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जाता है। इस अवसर पर आयोजित कवि सम्मेलन शिवा त्रिपाठी की सरस्वती वंदना से आरम्भ हुआ। डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' की रचना 'आप उन्हें भरपूर प्यार दें, उनके चेहरे को निखार दें, पढ लिखकर जो भटक रहे हैं, उन युवकों को रोजगार दें, सुनाकर वर्तमान विसंगति को स्वर दिया।

संचालन कर रहे विनोद उपाध्याय हर्षित ने कुछ यूं कहा प्यार की हर कड़ी समझते हैं, कृष्ण की बासुरी समझते हैं, सुनाकर वाहवाही लूटी। डा. वी.के. वर्मा की रचना' खुद को खुद से जरा जगा लें, पौध प्यार का आज लगा दें' सुनाकर संदेश दिया। कवि सम्मेलन में सागर गोरखपुरी, डा. अजीत श्रीवास्तव 'राज', डा. राजेन्द्र सिंह 'राही', दीपक सिंह प्रेमी आदि की रचनायें सराही गई। बंश गोपाल मिश्र ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से मजहर आजाद, प्रकाश चन्द्र गुप्ता, राकेश चन्द्र श्रीवास्तव, भावेष पाण्डेय, इमरान अली, राजेश पाण्डेय, महेन्द्र गिरी, जे.पी. उपाध्याय, अनिल पाण्डेय, अनुराग श्रीवास्तव, अरूणेश, सर्वेश, दिनेश कुमार पाण्डेय, अमर सोनी, अनिल कुमार पाण्डेय के साथ ही विभिन्न सामाजिक संगठनों, सरोकारों से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

कमीशन का खेल या एनसीईआरटी फेल, निजी प्रकाशकों की किताबें खरीदने के लिए बाध्य करते निजी स्कूल

अलीगढ़। सरकारी स्कूल आज भी एनसीईआरटी की किताबें ही खरीदते हैं। अब सवाल ये हैं कि क्या निजी प्रकाशकों की किताबें एनसीईआरटी के मुकाबले ज्यादा बेहतर है या निजी स्कूल कमीशन के फेर में उनकी किताबें स्कूलों में लगवाते हैं? शिक्षा व्यवस्था किसी भी देश का भविष्य निर्धारित करती है। लेकिन जब शिक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम में चलाई जाने वाले किताबों पर निजी स्कूल एनसीईआरटी (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद) की बजाय निजी प्रकाशकों की किताबें खरीदने की मनमानी करते हैं तो अभिभावकों का परेशान होना लाजिमी है। देशभर में सीबीएसई (केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड) से संबंधित हर स्कूल के अलग कोर्स और किताबें हैं।इन स्कूलों में पहली से आठवीं कक्षा तक एनसीईआरटी की किताबें लगवाने के बजाय निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें लगवाई जाती है। एनसीईआरटी की किताबों का अधिकतम मूल्य अगर 50 से 150 रूपए हैं तो वहीं निजी प्रकाशकों की किताबें 300 से 600 रूपये तक की होती हैं।

चाकू दिखाकर किशोरी के साथ गैंगरेप, वीडियो बनाकर वायरल करने की दी धमकी

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले में अपराधियों को नहीं है पुलिस का खौफ आए दिन घटनाओं की बाढ़ आ गई है पुलिस तमाम घटनाएं खुलासा करने में नाकाम साबित हो रही है चोरी की घटनाओं को लेकर खुलासा करने में असमर्थता दिखाई दे रहे हैं पुलिस ताजा मामला रूधौली थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक किशोरी के साथ गैंगरेप करने, वीडियो बना लेने, कहीं शिकायत करने पर वीडियो वायरल करने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां के अनुसार उसकी नाबालिग पुत्री गांव के बाहर शौच के लिए गई थी। नहर/ पोखरे के पास उसे अकेली पाकर पहले से मौजूद गांव निवासी नितीश जायसवाल, अजय बरनवाल ने उसके साथ अश्लील हरकत की। उसने चिल्लाने का प्रयास किया तो नितीश ने चाकू निकाल लिया, हत्या करने की धमकी देते हुए डरा धमका कर उसे नहर के बगल ले जाकर उसके साथ दोनो ने बलत्कार किया। उसकी नंगी वीडियो बना लियाा। धमकी दिया कि यदि कहीं शिकायत किया तो वीडियो वायरल कर देंगे। कुछ लोगों को आता देखकर आरोपी उसे छोड़कर भाग निकले। सामूहिक बलात्कार की शिकार उसकी बेटी किसी तरह घर पहुंची और आपबीती बताई। इसके बाद पीड़िता की मां और पिता आरोपियों के घर उलाहना देने पहुंचे तो उनके परिवार वालों ने गाली और हत्या की धमकी देते हुए उन्हे भगा दिया। उग्र होकर उनके घर पहुंचकर घरेलू सामान में तोड़फोड़ किया। तीन फरवरी को हुई इस घटना में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की तो पीड़िता की मां ने बेटी को न्याय दिलाने के लिए न्यायालय की शरण ली। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने गैंगरेप के दोनो आरोपियों, उनके परिवार के छह अन्य सदस्यों के खिलाफ बीएनएस, पाक्सो एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना कर रही है।

बस्ती के छितही नरसिंब गांव में अम्बेडकर प्रतिमा टूटने पर विधायक ने दिया धरना प्रशासन नतमस्तक

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले के सदर विधानसभा क्षेत्र के छितही नरसिंह गांव में कुछ अराजक तत्वों द्वारा बाबा साहब डा. अम्बेडकर की प्रतिमा को खण्डित किये जाने का मामला गुरूवार को तूल पकड़ लिया। ग्रामीणों ने अराजक तत्वों के खिला कार्यवाही की मांग को लेकर धरना शुरू कर दिया। मामले की जानकारी होते ही बस्ती सदर के सपा विधायक महेन्द्र नाथ यादव भी मौके पर पहुंच गये और ग्रामीणों के साथ धरने पर बैठ गये। जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती है तब तक धरना नहीं समाप्त होगा मौके पर पहुंचे तमाम वरिष्ठ अधिकारी एवं जनप्रतिनित उन्होंने नई मूर्ति लगवाने का आश्वासन दिया आखिरकार प्रशासन को बैकफुट पर आना पड़ा। प्रशासन द्वारा बाबा साहब की दूसरी मूर्ति स्थापित करने का आश्वासन दिया तब जाकर धरना समाप्त हुआ। विधायक ने स्वयं बाबा साहब के नाम से अभिलेखों में दर्ज पार्क की बाउण्ड्री कराने का वादा किया। सपा विधायक ने कहा बाबा साहब का अपमान किसी कीमत पर बर्दाश्त नही किया जायेगा। अंबेडकर मूर्तियों पर कहीं काली पॉटी जा रही है तो कहीं तोड़ी जा रही है प्रशासन आंखें मुझे सो रही है कार्रवाई करने के बजाय अपने पीठ तक आ रही है।

अग्निकांड पीड़ितों के सहारे बना 'भगवान भजनाश्रम सेवा ट्रस्ट', राहत सामग्री पाकर खिले चेहरें

●उपजिलाधिकारी ने की संस्था की सराहना, कहा- समाज की ऐसी भागीदारी से ही पूरी होती है पीड़ितों की सहायता

स्वतंत्र प्रभात

राजापुर,चित्रकूट। तहसील राजापुर क्षेत्र के अग्निकांड से प्रभावित गांव भदेहदू और कनकोटा बांगर में शुक्रवार को एक बार फिर मानवता की मिसाल पेश की गई। भगवान भजनाश्रम सेवा ट्रस्ट चित्रकूट के तत्वावधान में समाजसेवियों ने अग्नि पीड़ित परिवारों को ज़रूरत की राहत सामग्री वितरित की। इस दौरान उपजिलाधिकारी हर्षिता देवड़ा भी मौके पर मौजूद रहीं और ट्रस्ट की इस सेवा भावना की सराहना की। एसडीएम ने कहा, "सरकारी स्तर पर सहायता तो दी जा रही है, लेकिन जब समाज के लोग ऐसे पीड़ितों के साथ खड़े होते हैं तो राहत कार्यों की सार्थकता और बढ़ जाती है। यह सेवा कार्य न केवल ज़रूरतमंदों की मदद करता है, बल्कि समाज को जोड़ने का कार्य भी करता है।"ट्रस्ट के प्रबंधक रामावतार यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि, "हमारा ट्रस्ट बीते 50 वर्षों से लगातार दीन-दुखियों, जरूरतमंदों और दैवीय आपदा से पीड़ित लोगों की सहायता करता आ रहा है। यह सेवा कार्य हमारे सहयोगियों के सहयोग से ही संभव हो पाया है।"सहायता सामग्री में चावल, दाल, आटा, शक्कर, नमक, आलू, प्याज, चाय पत्ती, सरसों का तेल, आंवला तेल, साबुन, निरमा और मिट्टी का घड़ा आदि शामिल रहे। इस पुनीत कार्य में अशोक कुमार चौधरी (मालेगांव), महाप्रसाद (अन्नपूर्णा देवी माता, मालेगांव), राजू चौधरी, शंकर प्रसाद यादव समेत कई समाजसेवियों ने तन-मन-धन से सहयोग किया। कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट की ओर से उपजिलाधिकारी हर्षिता देवड़ा को कामतानाथ जी का चित्र भेंट कर उनका सम्मान भी किया गया। उन्होंने प्रारंभ से ही अग्नि पीड़ितों की मदद में निरंतर सक्रिय भूमिका निभाई है। सहायता वितरण कार्यक्रम में जिला न्यायालय के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी एवं जिला उपभोक्ता फोरम के न्यायिक मजिस्ट्रेट रह चुके केशव प्रसाद यादव, समाजसेवी रविंद्र कुमार शर्मा, सभासद शंकर प्रसाद यादव, सुमित यादव, रघुवीर यादव, गज्जू फौजी, मैयादीन कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग व सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने ट्रस्ट के इस प्रयास की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्यों में सहभागिता का भरोसा जताया।

विजयपाल विश्वकर्मा को विश्वकर्मा समाज का अध्यक्ष बनाए जाने पर विश्वकर्मा समाज में दिखा उत्साह

●श्री विश्वकर्मा सेवा संस्थान संस्थान पचपेड़वा बलरामपुर की नई कार्यकारिणी का पुनः हुआ गठन।

स्वतंत्र प्रभात

पचपेड़वा/ बलरामपुर- श्री विश्वकर्मा सेवा संस्थान पचपेड़वा की बैठक शिव कुमार शर्मा जी के निवास स्थान पुरानी बाजार पचपेड़वा मालती निवास पर आयोजित की गई सर्वप्रथम अयोध्या प्रसाद विश्वकर्मा बड़े बाबू द्वारा श्री विश्वकर्मा भगवान के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किये उपस्थित सभी लोगों ने सृष्टि निर्माता श्री विश्वकर्मा भगवान के चरणों में पुष्प अर्पित किए कार्यक्रम का संचालन शिव वरन विश्वकर्मा ने किया कार्यक्रम की अध्यक्षता बालकृष्ण विश्वकर्मा ने किया, शिव कुमार शर्मा द्वारा प्रस्ताव रखा गया कि श्री विश्वकर्मा सेवा संस्थान पचपेड़वा का अध्यक्ष नियुक्त किया जाना है सर्वसम्मत से उपस्थित सभी लोगों ने विजयपाल विश्वकर्मा जी को श्री विश्वकर्मा सेवा संस्थान पचपेड़वा का अध्यक्ष चुना गया शिव कुमार शर्मा प्रबंधक द्वारा श्री विश्वकर्मा सेवा संस्थान पचपेड़वा का नवनियुक्त अध्यक्ष विजयपाल विश्वकर्मा को माला पहनाकर कर बधाई दिए।

उपस्थित सभी लोगों ने नव नियुक्त श्री विश्वकर्मा सेवा संस्थान पचपेड़वा के अध्यक्ष विजयपाल विश्वकर्मा को माला पहनकर बधाई दिए इस अवसर पर धर्मराज विश्वकर्मा, शिव कुमार शर्मा, बालकृष्ण विश्वकर्मा, अयोध्या प्रसाद विश्वकर्मा,राम श्री पति विश्वकर्मा, शिव वरन विश्वकर्मा, चिनके विश्वकर्मा विजय बहादुर विश्वकर्मा, डॉ रामविलास विश्वकर्मा, सुरेश शर्मा, महेश विश्वकर्मा(पंजाबी) वीरेंद्र विश्वकर्मा, हीरालाल विश्वकर्मा, अरुण कुमार विश्वकर्मा, रामनिवास विश्वकर्मा, राम किशुन विश्वकर्मा, ओमप्रकाश विश्वकर्मा, पत्रकार कुशल विश्वकर्मा, आदि लोग उपस्थित रहे।

प्रमाण पत्र वितरण के साथ हुआ रासेयो शिविर का समापन

स्वतंत्र प्रभात

चित्रकूट – महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई के सप्त दिवसीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभाग करने वाले स्वयं सेवकों को शुक्रवार को कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा ने प्रमाण पत्र प्रदान किए। ग्रामोदय विश्वविद्यालय परिसर के रजत जयंती सभागार में आयोजित प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम में कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा ने इस सात दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान संपन्न गतिविधियों और प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस दौरान कुलगुरु ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना सदैव स्वयंसेवकों को निःस्वार्थ रूप से देश सेवा करने का उपदेश देती है। उन्होंने स्वयंसेवकों को देश हित के कार्यों में सदैव अग्रणी रहने के लिए उत्साहित किया। विद्यार्थियों को सदैव कठिन से

कठिन रास्ते पर भी खड़े रहने की सीख देते हुए कुलगुरु ने कहा कि रास्ता कठिन देखकर कभी भी पीछे नहीं हटना चाहिए बल्कि उस रास्ते को सुगम कैसे बनाया जाए, इस पर चिंतन करना चाहिए। इसके बाद राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई के स्वयं सेवकों ने ग्राम दर्शन प्रकल्प में श्रमदान किया। ग्राम दर्शन परिसर में ग्राम्य संस्कृति के सजीव दृश्य को देखा और सामूहिक अल्पाहार में शामिल हुए। इस मौके पर ग्रामीण विकास एवं व्यवसाय प्रबंधन संकाय प्रो अमर जीत सिंह, बीएड पाठ्यक्रम के समन्वयक डॉ श्याम सिंह गौर, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ उमेश कुमार शुक्ला आदि मौजूद रहे।

छोटे मासूम बच्चों के साथ एसएसपी से मिलने पर अड़े दम्पत्ति

अलीगढ़। थाना सिविल लाइन इलाके के एसएसपी कार्यालय के बाहर इंसाफ की मांग करते हुए तीन छोटे मासूम बच्चों समेत दंपति कार्यालय के बाहर फुटपाथ पर बैठ गए मीडिया से बातचीत करते हुए पीड़ित दंपति के द्वारा बताया गया कि उनके द्वारा प्रेम विवाह किया गया है। पीड़ित के अनुसार 2012 में उनकी शादी हुई थी जिसके बाद से ही महिला का चाचा उसकी संपत्ति को हड़पने का प्रयास कर रहा है और उनको जान से मारने की नियत से धमकी दे रहा है। ऑनर किलिंग का आरोप लगाते गए दंपति इंसाफ की गुहार लगाने के लिए एसएसपी कार्यालय के बाहर बैठ गए हैं और जिद पर अड़े हैं कि एसएसपी से मिलकर ही जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रपति द्वारा कमिश्नरेट प्रयागराज के आंकिक शाखा में नियुक्त निरीक्षक(लेखा) सुशील कुमार शर्मा को सम्मानित किया

राष्ट्रपति द्वारा कमिश्नरेट प्रयागराज के आंकिक शाखा में नियुक्त निरीक्षक(लेखा) सुशील कुमार शर्मा को उनके द्वारा विभाग में दीर्घ एवं सराहनीय सेवा के निमित्त प्रदत्त पदक पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज तरुण गाबा द्वारा प्रदान कर सम्मानित किया गया।

नोएडा में साइड नहीं देने पर कार सवार दो आरोपियों ने मारी गोली, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा की थाना सेक्टर-63 पुलिस ने एक सनसनीखेज वारदात का खुलासा करते हुए दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने सड़क पर मामूली विवाद के चलते एक व्यक्ति के साथ गाली-गलौज की और उसके सिर में गोली मार दी। यह घटना शुक्रवार को सामने आई, जब पीड़ित ने थाने में मामला दर्ज करवाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, फॉर्च्यूनर गाड़ी में सवार दो अज्ञात युवकों ने पीड़ित के गांव के एक व्यक्ति से साइड नहीं देने को लेकर झगड़ा किया। इसके बाद देखते ही देखते गोली चला दी। इस वारदात में व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित की शिकायत पर थाना सेक्टर-63 पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज किया।

घटना की गंभीरता देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले और फॉर्च्यूनर वाहन को ट्रेस किया। जांच के दौरान पुलिस ने दो आरोपियों की पहचान की। इनमें विकास कुमार बुलंदशहर का मूल निवासी है, जो फिलहाल नोएडा के सेक्टर-71 में रहता है। वहीं, ललित कुमार अंबेडकरनगर के मालीपुर थाना के खालिसपुर भटोनी का रहने वाला है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से घटना में इस्तेमाल फॉर्च्यूनर गाड़ी, एक लाइसेंसी पिस्टल, 13 जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस और एक लाइसेंस बरामद किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि सेक्टर-63 इलाके में यह घटना हुई थी और इसमें शामिल दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि पीड़ित की हालत स्थिर बनी हुई है। दोनों आरोपियों को जेल भेजा जा रहा है।

आगरा में करणी सेना की जनसभा, सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

आगरा। सनातन हिंदू महासभा के बैनर तले आज आगरा में राणा सांगा जयंती के अवसर पर आयोजित रैली को लेकर शहर में व्यापक तैयारियां की गई हैं। यह कार्यक्रम 'क्षत्रिय सम्मान' विषय पर केंद्रित होगा, समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन द्वारा संसद में हाल ही में दिए गए विवादास्पद बयान के खिलाफ ये प्रदर्शन है। सभा की तैयारी के लिए, अपेक्षित भीड़ को समायोजित करने के लिए लगभग 50,000 वर्ग मीटर कृषि भूमि को साफ कर दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, उपस्थित लोगों से कहा गया है कि वे अपने साथ झंडे और लाठी लेकर आएं। पुलिस ने तीन स्तरीय सुरक्षा योजना लागू की है और उन लोगों को नोटिस जारी किए हैं, जिन्होंने पहले सोशल मीडिया पर राणा सांगा के खिलाफ भड़काऊ टिप्पणियां की थीं।सनातन हिंदू महासभा के बैनर तले आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के लिए आगरा पुलिस ने अनुमति दे दी है। पूरे शहर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है तथा किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए तीन स्तरीय सुरक्षा योजना लागू की गई है। गुरुवार को करणी सेना और क्षत्रिय समुदाय के सदस्यों ने रामी गढ़ी गांव में भूमि पूजन समारोह किया, जो आगामी समागम के लिए उनकी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक तैयारी का प्रतीक था। यह रैली सपा सांसद रामजीलाल सुमन की हालिया संसद सत्र के दौरान की गई टिप्पणी से उठे विवाद के कुछ सप्ताह बाद हो रही है, जिसमें उन्होंने कहा था, "अगर मुसलमानों में बाबर का डीएनए है, तो हिंदुओं में किसका डीएनए है? बाबर को कौन लाया? इब्राहिम लोदी को हराने के लिए राणा सांगा ने बाबर को भारत बुलाया था।"उनकी टिप्पणी से राजपूत समुदाय में आक्रोश फैल गया और भाजपा नेताओं, करणी सेना और विभिन्न हिंदू संगठनों ने सुमन पर राजपूत गौरव और हिंदू भावनाओं का अपमान करने का आरोप लगाया।

फतेहपुर में मस्जिद ध्वस्तीकरण के आदेश पर रोक, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

स्वतंत्र प्रभात

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने फतेहपुर में मस्जिद ध्वस्तीकरण के जिलाधिकारी के आदेश पर रोक लगा दी है. याचिकाकर्ता का दावा है कि मस्जिद 1976 से मौजूद है और उसे ध्वस्त करने का आदेश अनुचित है. अदालत ने राज्य सरकार से जवाब मांगा है और अगली सुनवाई 23 मई को निर्धारित की है। इलाहाबाद हाई कोर्ट में शुक्रवार को फतेहपुर में मस्जिद ध्वस्तीकरण के डीएम के आदेश के खिलाफ याचिका पर सुनवाई हुई. हाई कोर्ट ने अगली सुनवाई तक डीएम के ध्वस्तीकरण आदेश पर रोक लगा दी है। हाई कोर्ट ने याचिका पर राज्य सरकार से तीन हफ्ते में काउंटर एफिडेविट मांगा है. उसके अगले दो हफ्ते के अंदर याची से रिजॉइंडर दाखिल करने के लिए कहा है. याचिका में डीएम द्वारा 22 अगस्त 2024 को पारित ध्वस्तीकरण के आदेश को चुनौती दी गई है. अब इस मामले में 23 मई को सुनवाई होगी।

हाई कोर्ट में वक्फ सुन्नी मदीना मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष हैदर अली की ओर से याचिका दाखिल की गई है. इस पर शुक्रवार को जस्टिस मनीष कुमार निगम की सिंगल बेंच के सामने सीनियर एडवोकेट फरमान अहमद नकवी ने पक्ष रखा. सरकार की ओर से चीफ स्टैंडिंग काउंसिल जे एन मौर्य ने दलीलें दी. याची का कहना है कि 1976 में ग्राम सभा मलवा द्वारा दी गई तीन बिस्वा जमीन पर मस्जिद बनी हुई है।

अब तक उस आदेश पर कोई अमल नहीं हुआ

याची का कहना है कि यह जमीन अब तालाब की भूमि बताई जा रही है. इसी जमीन के एक हिस्से में 6-7 अन्य लोग काबिज हैं, जिन्हें 2021 में हटाने का आदेश हुआ है. मगर, अब तक उस आदेश पर कोई अमल नहीं हुआ है. जबकि जिस जमीन पर मस्जिद बनी हुई है, 26 दिन में सभी कार्यवाही पूरी कर ली गई है. मस्जिद कमेटी को पक्ष रखने का मौका तक नहीं दिया गया।

डीएम ने अपील खारिज कर आदेश दे दिया

उन्होंने कहा कि तहसीलदार ने तालाब की जमीन बताते हुए नोटिस जारी किया. इसके खिलाफ डीएम के समक्ष मस्जिद कमेटी ने अपील दाखिल की. डीएम ने अपील खारिज करते हुए ध्वस्तीकरण आदेश पारित कर दिया है. डीएम के इसी ध्वस्तीकरण के आदेश को इलाहाबाद हाई कोर्ट में चुनौती दी गई है। शादियों से जुड़े एक अन्य मामले में भी हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया. एक मामले में सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा है कि हिंदू महिला और पुरुष की आर्य समाज मंदिर में अगर वैदिक रीति रिवाज से शादी हुई है तो हिंदू विवाह अधिनियम-1955 के तहत वैध है. शादी की जगह मंदिर हो, घर हो या खुली जगह, ये मायने नहीं रखता. इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने एक वो याचिका खारिज कर दी, जिसमें बरेली के हफीजगंज पुलिस थाने में दर्ज दहेज की मांग के मामले को रद्द करने का अनुरोध किया गया था।

पीसीएफ केंद्र बंद होने से दर-दर भटकने को विवश किसानों

स्वतंत्र प्रभात

कछौना, हरदोई। विकासखंड कछौना में नगर के रेलवे स्टेशन के पास उपभोक्ता संघ भवन में कई वर्षों से पीसीएफ केंद्र बंद होने के कारण किसानों को काफी परेशानी हो रही है। जिसके करण खाद बीज के लिए किसान दर-दर भटकने को विवश है।बतातें चलें विकासखंड कछौना के कस्बा के रेलवेगंज में उपभोक्ता संघ भवन में पीसीएफ केंद्र संचालित था।

जिससे किसानों को उनकी उपज धान गेहूं खरीद के लिए केंद्र बनने से उनकी उपज का सही मूल्य मिल जाता था। यह उपभोक्ता संघ भवन किराए पर चल रहा था। उपभोक्ता संघ भवन काफी जर्जर हो गया है। मोहल्ले का पूरा पानी इस परिसर में आने से हमेशा जल भराव बना रहता है। परिसर में झाड़ी होने के कारण कीड़े मकोड़े बने रहते हैं। इस परिसर में शौचालय भी जर्जर हो गया है। बाउंड्री की दीवार टूट चुकी है। जिसके कारण वहां छुट्टा जानवर बने रहते हैं। लाखों रुपए की कीमत का तैयार भवन अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है। इस भवन परिसर में स्थानीय लोगों ने अवैध कब्जा भी कर लिया है। एक व्यक्ति ने कई कमरों का आवास भी बना लिया है। जिम्मेदार नुमाइंदे आंख बंद किए हैं। सरकारी कर्मचारी ने इस केंद्र तक ट्रक न पहुंचने का कारण बताकर इस केंद्र को 3 वर्ष पूर्व बंद करा दिया, जबकि थोड़ा प्रयास करके रास्ता सही करा दिया होता, तब आसानी से केंद्र तक वाहन पहुंच सकते थे। वर्तमान समय में विकासखंड कछौना में चार साधन सहकारी समितियां सक्रिय हैं, काफी संख्या में किसान खाद बीज खरीद केंद्र न होने के कारण दर-दर भटकने को विवश हैं। इस केंद्र को शीघ्र चालू कराने की मांग मण्डल अध्यक्ष भाजपा नवीन पटेल ने शासन प्रशासन से की। जिस पर संयुक्त आयुक्त एवं सहकारिता के अधिकारियों ने समुचित रास्ता सही न होने का कारण बताया है। क्षेत्रीय विधायक रामपाल वर्मा ने पूरे मामले को जिला अधिकारी को अवगत कराया है, उन्होंने शीघ्र केंद्र चालू कराने का आश्वासन दिया है।

सनमानी वैश्य समाज का सामूहिक विवाह समारोह 7 जून को होगा

● 17, 18 मई में को होगा परिचय सम्मेलन

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई। सनमानी वैश्य सेवा समिति रजिस्टर्ड नवीन गल्ला मंडी हरदोई की एक बैठक राम जानकी मंदिर परिसर स्थित हाल में संपन्न हुई जिसमें सनमानी समाज के सामूहिक विवाह समारोह आयोजित करने, समाज की स्मारिका का विमोचन करने तथा संगठन की मजबूती के साथ-साथ समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करने और विवाह समारोह के प्रचार प्रसार का निर्णय लिया गया। बैठक में गत वर्ष का आय - वयय वयौरा भी प्रस्तुत किया गया। नवीन मंडी के अध्यक्ष श्यामा कुमार गुप्ता टीटू की अध्यक्षता में हुई बैठक में सनमानी वैश्य समाज सेवा समिति के पदाधिकारी ने सर्वसम्मति से वर्ष 2025 में सनमानी समाज का सामूहिक विवाह समारोह करने का एकमत से निर्णय लिया । समारोह की तारीख घोषित करते हुए मीटिंग में तय किया गया *कि 7 जून को सामूहिक विवाह समारोह होगा* *परिचय सम्मेलन 17 और 18 में को होगा* इस निर्णय के उपरांत स्मारिका प्रकाशन की जिम्मेदारी समाज के वरिष्ठ अधिवक्ता इंद्रेश्वर नाथ गुप्ता , सेवानिवृत्ति पुलिस उपाधीक्षक चंद्रशेखर गुप्ता,पूर्व पालिकाध्यक्ष दिनेश चंद्र गुप्ता सांडी, समाजसेवी एवं मंडी के पूर्व महामंत्री कैलाश नारायण गुप्ता आदि को सौंप गई मीटिंग में सभी पदाधिकारी से सामूहिक विवाह समारोह के प्रचार प्रसार करने की अपील की गई साथ ही पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई कि यदि कोई समाज का प्रतिभावान बेटा या बेटी हो उसकी सूचना कमेटी को अवश्य दी जाए जिससे उसका सम्मान किया जा सके बैठक में प्रमुख रूप से नवीन मंडी स्थल के महामंत्री संजय गुप्ता, हरि श्याम पीलू जिला पंचायत सदस्य सर्वेंद्र गुप्ता, प्रकाश गुप्ता पूर्व नवीन मंडी अध्यक्ष राजेंद्र कुमार गुप्ता, सुशील गुप्ता, महेश गुप्ता डब्लू ,उमेश गुप्ता, अनिल गुप्ता, मनोज गुप्ता रोहा पार, संदीप गुप्ता, हिमांशु गुप्ता, पूर्व सभासद राजीव गुप्ता समेत वयापार मंडल केपदाधिकारी लगभग पांच दर्जन जिम्मेदार मौजूद रहे।

यूजीसी के कार्यवाहक अध्यक्ष की नियुक्ति यूजीसी अधिनियम का उल्लंघन करती है'- रिपोर्ट

स्वतंत्र प्रभात

उच्च शिक्षा सचिव विनीत जोशी को यूजीसी के कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में अतिरिक्त प्रभार सौंपना अधिनियम की धारा 5(2) के विरुद्ध है, जो संघ या राज्य सरकार के अधिकारियों को पद ग्रहण करने से अयोग्य ठहराती है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा उच्च शिक्षा सचिव विनीत जोशी को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करने के कदम ने यूजीसी अधिनियम, 1956 के उल्लंघन के बारे में सवाल खड़े कर दिए हैं। 11 अप्रैल को एक आदेश के तहत जोशी को यूजीसी अध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था। न्यू इंडियन एक्सप्रेस ने रिपोर्ट किया है कि जोशी को अतिरिक्त प्रभार देने का कदम यूजीसी अधिनियम के अध्याय II, धारा 5(2) के अनुरूप नहीं है, जिसमें कहा गया है- "अध्यक्ष का चयन ऐसे व्यक्तियों में से किया जाएगा जो केंद्र सरकार या किसी राज्य सरकार के अधिकारी नहीं हैं।"

अधिनियम की धारा 6(3) में आगे कहा गया है कि आकस्मिक रिक्ति की स्थिति में यूजीसी उपाध्यक्ष अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे। यूजीसी अधिनियम की धारा 6(3) में कहा गया है, ÷यदि अध्यक्ष के पद में आकस्मिक रिक्ति होती है, चाहे उसकी मृत्यु, त्यागपत्र या बीमारी या अन्य अक्षमता के कारण अपने कार्यों का निर्वहन करने में असमर्थता के कारण, तो वर्तमान में इस पद पर कार्यरत उपाध्यक्ष, धारा 5 की उपधारा (2) में निहित किसी भी बात के होते हुए भी, अध्यक्ष के रूप में कार्य करेगा और जब तक कि किसी अन्य व्यक्ति को पहले अध्यक्ष के रूप में नियुक्त नहीं किया जाता है, वह उस व्यक्ति के पद की शेष अवधि के लिए अध्यक्ष का पद धारण करेगा, जिसके स्थान पर उसे कार्य करना है।"

इसमें यह भी कहा गया है कि जहां अध्यक्ष के पद में रिक्ति होने पर उस समय कोई उपाध्यक्ष पद धारण नहीं कर रहा है, "केंद्र सरकार, धारा 5 की उपधारा (2) में निहित किसी भी बात के होते हुए भी, अध्यक्ष के रूप में कार्य करने के लिए किसी अन्य सदस्य को नियुक्त करेगी और इस प्रकार नियुक्त व्यक्ति छह महीने से अधिक अवधि के लिए अध्यक्ष का पद धारण नहीं करेगा।" यूजीसी के अध्यक्ष का पद एम. जगदीश कुमार के 7 अप्रैल को सेवानिवृत्त होने के बाद रिक्त हो गया था, जिन्होंने फरवरी 2022 में यह पद संभाला था। केंद्र सरकार ने कहा है कि जोशी को अतिरिक्त प्रभार सौंपना पूरी तरह से एक अंतरिम उपाय है।

CM योगी ने आंधी-बारिश से प्रभावित जनपदों में पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अप्रैल माह में तेज गर्मी के बाद अचानक बदले मौसम से किसानों को नुकसान हुआ है। गुरुवार को भी मौसम में अचानक बदलाव देखा गया। कई जिलों में बेमौसम बारिश, वज्रपात और आंधी से हुए नुकसान पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। उन्होंने आंधी-बारिश, ओलावृष्टि, वज्रपात के दृष्टिगत संबंधित जनपदों के अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए। सीएम योगी ने कहा कि अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर सर्वे करें तथा राहत कार्य पर नजर रखें। आपदा से जनहानि और पशुहानि होने की स्थिति में प्रभावितों को तत्काल राहत राशि का वितरण करें और घायलों का समुचित उपचार कराया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में गतिमान गेहूं की सरकारी खरीद के दृष्टिगत मंडियों सहित सभी खरीद केंद्रों पर गेहूं के सुरक्षित भंडारण का पूरा ध्यान रखा जाए। सर्वे कराकर फसल नुकसान का आकलन करते हुए आख्या शासन को भेजें, ताकि इस संबंध में अग्रेतर कार्यवाही की जा सके। जलजमाव की स्थिति होने पर प्राथमिकता पर जल निकासी की व्यवस्था कराई जाए। मालूम हो कि 9 अप्रैल की आधी रात को भी अचानक मौसम खराब हो गया था, जिसके बाद तेज आंधी, ओलावृष्टि के साथ कई जगहों पर आकाशीय बिजली गिरी। इसे देखते हुए सीएम ने अधिकारियों को राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में खराब मौसम, तेज हवा और ओलावृष्टि से अन्नदाता किसानों की फसलों को हुए नुकसान की क्षतिपूर्ति के लिए सर्वे कराने के निर्देश दिए थे।

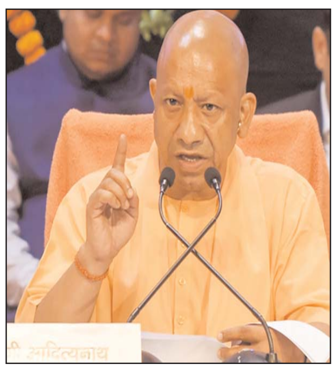

उन्होंने सभी जिलाधिकारियों, एसडीएम और तहसीलदारों को मौके पर जाकर तत्काल सर्वे कराकर संबंधित विभाग को डिटेल उपलब्ध कराने के लिए आदेशित किया, ताकि 24 घंटे में अन्नदाताओं के खाते में क्षतिपूर्ति की धनराशि भेजी जा सके। सीएम योगी ने कहा कि अगर किसी अधिकारी की लापरवाही सामने आती है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सर्वे पूरा होने के बाद फसलों के नुकसान का मुआवजा बीमा कंपनियों के साथ राजस्व विभाग से भी दिया जाएगा। बाढ़, ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश से 33 प्रतिशत से अधिक क्षतिग्रस्त फसलों से प्रभावित अन्नदाताओं को ही मुआवजा दिया जाता है।

कन्याभ्रूण हत्या व लिंगचयन की रोकथाम हेतु एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला

● महिला सशक्तीकरण हेतु प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता।

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। कन्याभ्रूण हत्या व लिंगचयन की रोकथाम हेतु भारत सरकार द्वारा प्रख्यापित गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम-1994 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से एक दिवसीय राज्य स्तरीय अभिमुखीकरण कार्यशाल को जनपद प्रयागराज के "इलाबाद मेडिकल एसोसिएशन स्टेनली रोड, प्रयागराज" में सम्पन्न हुई। कार्यशाला में सुश्री मीरा श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव, भारत सरकार द्वारा आधुनिक तकनीकों के दुरूपयोग की रोकथाम पर बल देते हुए कहा गया कि ऐसे मोबाईल एप्लीकेशन बेस्ड पोर्टेबल उपकरणों पर प्रभावी अनुश्रवण हेतु ठोस रणनीति विकसित कर प्रभावी कार्यवाही किये जाने की आवश्यकता है। डा0 पिंकी जोवेल, सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश शासन/ मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा लिंगानुपात के असन्तुलन के कारण जन्म लेने वाली सामाजिक समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए व्यक्त किया गया कि भारतीय संस्कृति में नारी सशक्तीकरण व नारीवन्दन के महत्व का उल्लेख करते हुए वर्तमान बदलते परिदृश्य में महिला सशक्तीकरण हेतु इस अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता पर बल दिया गया, उनके द्वारा इस हेतु अर्न्तजनपदीय निरीक्षण सम्पन्न किये जाने की आवश्यकता है साथ ही जनता से सहयोग की अपील की है इस अधिनियम के दुरूपयोग करने वालो पर दण्डात्मक कार्यवाही के लिए भी कहा है। साथ ही अन्य राज्यो की सीमा से लगे प्रदेश के सीमावर्ती जनपदों व उन राज्यों के समुचित प्राधिकारियों व मिशन निदेशक के साथ समन्वय स्थापित कर अर्न्तराज्यीय को-आर्डिनेशन समिति का गठन करते हुए आवश्यक कार्यवाही की जायेगी। राज्य नोडल अधिकारी डा0 अश्विनी कुमार द्वारा देश/ प्रदेश के लिंगानुपात (जन्म पर) के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में अधिनियम के क्रियान्वयन की प्रगति के विषय में जानकारी दी गयी । प्रयागराज मण्डल के मण्डलायुक्त श्री विजय विश्वासपन्त द्वारा भी लिंगानुपात के असन्तुलन पर चिन्ता व्यक्त करते हुए अर्न्तजनपदीय निरीक्षण दलों के माध्यम से इकाईयों के निरीक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।

कार्यशाला में डा0 पदमिनी कश्यप, उपायुक्त, पी0सी0पी0एन0डी0टी0 भारत सरकार व डा0 इन्द्रनीलदास, निदेशक, पी0सी0पी0एन0डी0टी0 भारत सरकार, डा0 सुषमा सिंह, महानिदेशक, परिवार कल्याण/ अध्यक्ष, राज्य समुचित प्राधिकरण, पी0सी0पी0एन0डी0टी0 अधिनियम, 1994 उ0प्र0 एवं डा0 अश्विनी कुमार, संयुक्त निदेशक, पी0सी0 पी0एन0 डी0टी0/ राज्य नोडल अधिकारी, उ0प्र0 व राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0 से डा0 रवि दीक्षित,

महाप्रबन्धक, मातृ स्वास्थ्य एवं डा0 सूर्यांशु ओझा, बाल स्वास्थ्य व परिवार नियोजन द्वारा प्रतिभाग किया गया । कार्यशाला में मुम्बई से श्रीमती अनुजा गुलाटी, प्रतिनिधि यू0एन0एफ0पी0ए0 द्वारा विचार व्यक्त किये गये । डा0 आशु पाण्डेय, संयुक्त निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, प्रयागराज मण्डल प्रयागराज के साथ-साथ प्रयागराज जनपद से श्री गौरव कुमार, मुख्य विकास अधिकारी, डा0 ए0के0 तिवारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी व डा0 आर0सी0 पाण्डेय, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी/ जनपदीय नोडल अधिकारी एवं प्रदेश के विभिन् जनपदों से जिलाधिकारियों के प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

कार्यशाला में प्रदेश के समस्त मण्डलों/जनपदों से मण्डलीय/ नोडल अधिकरियों व कर्मचारियों द्वारा भी प्रतिभाग किया गया। जनपदों से आई0एम0ए0, फॉग्सी व रेडियोलॉजी एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ-साथ जनपदीय सलाहकार समिति के सदस्यों द्वारा भी प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम का संचालन पंकज पाण्डेय, जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी, जनपद प्रयागराज द्वारा किया गया।

अखिलेश यादव ने जैन समाज को लेकर साधा भाजपा पर निशाना

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जैन समाज को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा समर्थित एक ऐसा बहुत बड़ा वर्ग है, जो जैनियों से उनका सब कुछ छीन लेना चाहता है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि वर्तमान समय में देश में अल्पसंख्यक होना एक अभिशाप बनता जा रहा है। आज अल्पसंख्यक जैन समुदाय में भय, असुरक्षा और अनिश्चितता की जो भावना व्याप्त है, वह अत्यधिक चिंता का विषय है। जिसकी चर्चा, निंदा और आक्रोशपूर्ण प्रतिक्रिया संपूर्ण विश्व में हो रही है। उन्होंने लिखा कि शांतिप्रिय जैन समाज पर अचानक बढ़ते जा रहे हमलों की कड़ी में मध्य प्रदेश के सिंगोली थाना क्षेत्र में एक मंदिर के प्रांगण में जैन मुनियों पर हुआ हिंसक हमला शारीरिक हमले की श्रेणी में आता है। जबलपुर में भाजपाई और उनके संगी-साथी के बीच लीक हुए टेलीफोनिक ऑडियो में जैनियों के बारे में की गई बेहद दुर्भावनापूर्ण-आपत्तिजनक टिप्पणियां एक वाचिक हमला रही और मुंबई में जैन मंदिर के ध्वस्तीकरण और जैन तीर्थंकरों की मूर्तियों, जिनवाणी व अन्य पूजनीय ग्रंथों और शास्त्रों का निर्वासन और निरादर बेहद गंभीर और घोर निंदनीय कुकृत्य की श्रेणी में आएगा।

अखिलेश यादव ने लिखा कि आखिर ये क्यों होता है कि जहां-जहां भी भाजपा सरकार हैं, वहां-वहां जैनियों के तीर्थस्थलों, मंदिरों, जिनालयों, चैत्यालयों, समाजसेवी संस्थानों और समाज के साथ ऐसी विद्वेषपूर्ण घटनाएं हो रही हैं। भाजपा समर्थित एक ऐसा बहुत बड़ा वर्ग है, जो जैनियों की धार्मिक, सार्वजनिक, व्यापारिक-व्यावसायिक ही नहीं बल्कि व्यक्तिगत संपत्तियों पर भी आंख गड़ाए बैठा है और जैनियों को अल्पसंख्यक ही मानकर उनसे उनका सब कुछ छीन लेना चाहता है। उन्होंने कहा कि चाहे भाजपा शासित गुजरात में 'श्री गिरनार जी' के मंदिर पर कब्जे का प्रकरण हो या फिर 'श्री सम्मेद शिखर जी' पर केंद्र की भाजपा सरकार का आपत्तिजनक हस्तक्षेप। कुछ साल पहले भाजपा राज में ही उत्तर प्रदेश के बागपत-बड़ौत के एक जैन कॉलेज की वह घटना जिसमें जैनियों की पूज्य 'श्रुतिदेवी' की प्रतिमा स्थापित करने का उग्र विरोध भाजपाई संगी-साथियों ने किया था।

मध्य प्रदेश के नीमच में एक बुजुर्ग जैन 65 वर्षीय 'भंवरलाल जैन' को भाजपा सत्ता समर्थित एक प्रभुत्वशाली व्यक्ति द्वारा थप्पड़ मार-मारकर मार डालने की वीभत्स घटना। ये सब कुछ जैन समुदाय के उत्पीड़न के ही मामले हैं। सपा मुखिया ने कहा कि जैन समाज आज भाजपा से पूछ रहा है कि

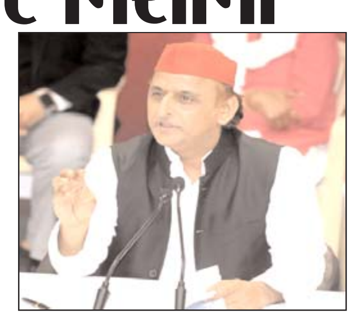

भाजपा की निगाह में हमारा महत्व क्या सिर्फ़ चंदा देने तक सीमित है, हमारे धर्म की और हमारी रक्षा कौन करेगा? जब हम दबाव डालते हैं तो हर बार बाद में माफ़ी मांगने का नाटक किया जाता है। मंदिर को दोबारा बनाने से मूर्तियों, पूजनीय पुस्तकों और जैन समाज-समुदाय का जो अपमान हुआ है, क्या वह वापस आएगा?

अखिलेश यादव ने जैन दर्शन की शिक्षा को अतुलनीय बताते हुए कहा कि सत्ताधारी भाजपाइयों द्वारा की गई ऐसी हतोत्साहित करने वाली घटनाएं जैन समुदाय को चाहकर भी कमजोर नहीं कर पाएंगी, क्योंकि वह अल्पसंख्यक के रूप में उस 90 फीसदी जनसंख्या का हिस्सा हैं, जिनकी 'पीडीए' के समेकित रूप में रक्षा-सुरक्षा और एकजुटता का संकल्प हम सबने लिया है। इस कठिन समय में हम सब जैन समाज के साथ हैं। जैन समाज याद रखे, भाजपाई किसी के सगे नहीं हैं।

यूपी के 46 जिलों में आंधी-बारिश के साथ वज्रपात का अलर्ट, जानें अपने जिले के मौसम का हाल

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश के लगभग 46 जिलों में तेज रफ्तार वाली झोंकेदार हवाओं और गरज-चमक संग बारिश की चेतावनी जारी की है। नए सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ की तीव्रता शनिवार को सूबे के पश्चिमी और पूर्वी दोनो हिस्सों में दिखाई देगी। प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में शनिवार को गरज-चमक संग 50 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी और बारिश के संकेत हैं। वहीं पश्चिमी यूपी के सात जिलों में मेघ गर्जन के साथ वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि ईरान से चला पश्चिमी विक्षोभ प्रदेश के पश्चिमी हिस्से को ज्यादा प्रभावित करेगा। मेघ गर्जन के साथ कहीं-कहीं इन झोंकेदार हवाओं की रफ्तार 60 किमी प्रति घंटे से ज्यादा भी जा सकती है। इस दौरान विभिन्न जगहों पर ओलावृष्टि के भी संकेत हैं। कई जगहों पर धूल भरी आंधी चल सकती है।

यहां है मेघ गर्जन के साथ वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट

अमरोहा, बिजनौर, बरेली, मुरादाबाद पीलीभीत, रामपुर, शाहजहांपुर एवं आसपास के इलाकों में मेघ गर्जन के साथ वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

गरज-चमक संग बारिश की चेतावनी

अंबेडकरनगर, अमेठी, अयोध्या, आजमगढ़, बदायूं, बागपत, बहराइच, बलिया, बलरामपुर, बाराबंकी, बस्ती, चंदौली, देवरिया, गाजीपुर, गोंडा, हापुड़, हरदोई, जौनपुर, कानपुर नगर, लखीमपुर खीरी, लखनऊ, मऊ, मिर्जापुर, पीलीभीत, प्रतापगढ़, प्रयागराज, रायबरेली, रामपुर, भदोही, संभल, शाहजहांपुर, सिद्धार्थनगर, सीतापुर, सोनभद्र, श्रावस्ती, सुल्तानपुर, उन्नाव, वाराणसी व आसपास के इलाकों में गरज-चमक संग बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

झोंकेदार हवाएं चलने की संभावना (30 से 60 किमी प्रति घंटे)

अमरोहा, बिजनौर, बरेली, मुरादाबाद पीलीभीत, रामपुर, शाहजहांपुर, अंबेडकरनगर, अमेठी, अयोध्या, आजमगढ़, बदायूं, बागपत, बहराइच, बलिया, बलरामपुर, बाराबंकी, बस्ती, चंदौली, देवरिया, गाजीपुर, गोंडा, गोरखपुर, हापुड, हरदोई, जौनपुर, कानपुर नगर, कुशीनगर, लखीमपुर खीरी, लखनऊ, महाराजगंज, मऊ, मेरठ, मिर्जापुर, मुजफ्फरनगर, प्रतापगढ़, प्रयागराज, रायबरेली, भदोही, सहारनपुर, संभल, शामली, सिद्धार्थनगर, संत कबीर नगर, सोनभद्र, श्रावस्ती, सुल्तानपुर, उन्नाव, वाराणसी व आसपास के इलाकों में झोंकेदार हवाएं चलने की संभावना है।

आखिर न्यायपालिका को 'सुपर संसद' के रूप में काम करने की इजाजत किसने दी?

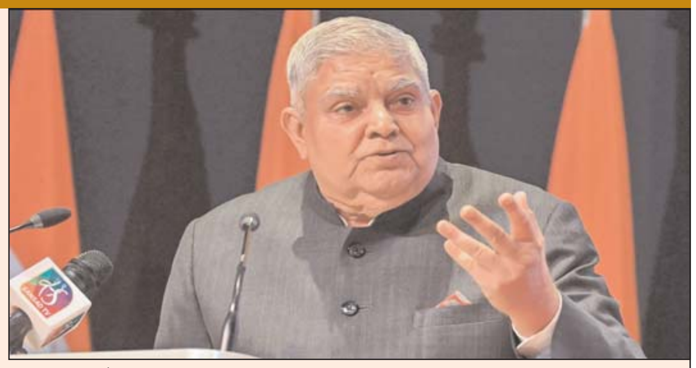

भारतीय लोकतंत्र में विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका, खबरपालिका और समाजपालिका में पारस्परिक टकराव कोई नई बात नहीं है, लेकिन यह जनहित में होना और दिखाई देना चाहिए। लेकिन अब जिस तरह से अपनी नाकामियों और चरित्रहीनता को छिपाने के लिए ये लोग संवैधानिक नियमों का दुरूपयोग कर रहे हैं, वह किसी वैचारिक त्रासदी से कम नहीं है। देश के प्रबुद्ध लोगों को इन संवैधानिक कमियों को पहचानना चाहिए और उसपर अविलंब लीगल सर्जिकल स्ट्राइक करने का दबाव भारतीय संसद और सुप्रीम कोर्ट दोनों पर बनाना चाहिए। इस बात में कोई दो राय नहीं कि राष्ट्रीय संसाधनों के न्यायपूर्ण बंटवारे, विधि-व्यवस्था को बनाए रखने और उसे तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और सबको समान रूप से गुणवत्तापूर्ण जन सुविधाएं मुहैय्या करवाने में हमारी संसद और सर्वोच्च न्यायालय दोनों असफल साबित हुए हैं और इनके ऊलजलूल तर्कों से देश इस्लामिक चरमपंथियों के नापाक मंसूबों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ता हुआ प्रतीत हो रहा है! राष्ट्रपति शासन, आरक्षण विवाद, भाषा विवाद, धर्मनिरपेक्षता आदि सुलगते सवालों पर राष्ट्र का सही मार्गदर्शन करने में भी ये संस्थाएं विफल प्रतीत हो रही हैं। ऐसे में इनकी नकेल कसने के लिए भारतीय संविधान कभी कारगर साबित हो ही नहीं सकता, क्योंकि यह खुद साम्राज्यवादी मानसिकता वाले विरोधाभासों से भरा पड़ा है।

ऐसे में देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की यह टिप्पणी वाजिब है कि न्यायपालिका द्वारा राष्ट्रपति के निर्णय लेने के लिए समयसीमा तय करने, और 'सुपर संसद' के रूप में काम करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है, इसलिए उन्होंने इस विषय को लेकर महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं, जो उनके प्रबुद्ध होने का परिचायक है। देश के विश्वविद्यालयों और अन्य पेशेवर संगठनों को इन पर गौर फरमाते हुए आम राय कायम करने की जरूरत है। उन्होंने ठीक ही कहा है कि सुप्रीम कोर्ट लोकतांत्रिक ताकतों पर 'परमाणु मिसाइल' नहीं दाग सकता!

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने आरोप लगाया है कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद-142 लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ एक परमाणु मिसाइल बन गया है जो न्यायपालिका के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध है। बता दें कि संविधान का अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को अपने समक्ष किसी भी मामले में 'पूर्ण न्याय' सुनिश्चित करने के लिए आदेश जारी करने की शक्ति देता है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया है और कहा है कि, 'हमारे पास ऐसे जज हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यपालिका के काम करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी, क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता है।'

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 17 अप्रैल 2025 दिन गुरुवार को कहा कि हाल ही में जूडिशरी के एक फैसले में राष्ट्रपति को निर्देश दिये जाने की पनपी नई प्रवृत्ति पर ठीक ही सवाल किया कि हम किस दिशा में जा रहे है? हमने इस दिन के लिए लोकतंत्र की कभी उम्मीद नहीं की थी। राष्ट्रपति को समयबद्ध तरीके से निर्णय लेने के लिए कहा जाता है। धनखड़ ने यह टिप्पणी राज्यसभा के ट्रेनीज को संबोधित करते हुए की। उन्होंने ठीक ही कहा कि हम ऐसी स्थिति नहीं बना सकते जहां आप भारत के राष्ट्रपति को निर्देश दें। उन्होंने कहा कि यह निर्देश किस आधार पर दिए जा रहे हैं? संविधान के तहत आपके पास एकमात्र अधिकार अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या करना है। उन्होंने शक्तियों के पृथक्करण पर कहा कि जब सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है, तो सरकार संसद के प्रति तथा चुनावों में जनता के प्रति जवाबदेह होती है। उन्होंने कहा कि समय आ गया है जब विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका फले-फूलें। किसी एक के द्वारा दूसरे के क्षेत्र में हस्तक्षेप चुनौती पैदा करता है, जो अच्छी बात नहीं है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से बड़े पैमाने पर नकदी की बरामदगी से जुड़े मामले में एफआईआर दर्ज न किए जाने पर सवाल उठाया है। उन्होंने ठीक ही कहा कि अगर यह घटना आम आदमी के घर पर हुई होती, तो मामले में रॉकेट की रफ्तार से एफआईआर दर्ज की जाती। जबकि न्यायपालिका की स्वतंत्र जांच या पूछताछ के खिलाफ किसी तरह का सुरक्षा कवच नहीं है। उन्होंने ठीक ही कहा है कि किसी संस्था या व्यक्ति को पतन की ओर धकेलने का सबसे पुख्ता तरीका उसे जांच से सुरक्षा की पूर्ण गारंटी प्रदान करना है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दिल्ली हाइकोर्ट के एक जज के घर मिले कथित कैश की ओर इशारा करते हुए उस पर लीपापोती की नाजायज प्रवृत्ति पर भी सवाल उठाए। धनखड़ ने दो टूक शब्दों में कहा कि हाई कोर्ट के एक जज के घर से मिले कैश से जुड़े मामले में एफआईआर न होना आमलोगों के सवालों के घेरे में है। इसलिए सवाल उठाया कि क्या 'कानून से परे एक श्रेणी' को अभियोजन से छूट है। उन्होंने ठीक ही कहा कि जूडिशरी की स्वतंत्र जांच या पूछताछ के खिलाफ किसी तरह का 'सुरक्षा कवच' नहीं है। एक पत्रकार के रूप मेरी भी व्यक्तिगत राय है कि न्यायिक भ्रष्टाचार की जांच के लिए न्यायिक पुलिस और पत्रकारिता के भ्रष्टाचार की जांच के लिए मीडिया पुलिस का अविलंब गठन किया जाए। प्रशासनिक व्यवस्था के किसी भी क्षेत्र को स्वनियमन बनाने और लागू करने की छूट नहीं दी जाए।

इसलिए यहां पर सवाल उठता है कि आखिर न्यायपालिका को 'सुपर संसद' के रूप में काम करने की इजाजत किसने दी? मेरा स्पष्ट मानना है कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से लेकर मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्राप्त भारी जनसमर्थन का रणनीतिक दुरूपयोग किया, जिससे न्यायपालिका को विधायिका को दुरुस्त करने का मौका मिल गया, जो अनुचित नहीं है। किसी भी राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उपप्रधानमंत्री, राज्यपाल, उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री आदि को वोट बैंक के लिहाज से जनविरोधी या राष्ट्र विरोधी फैसले लिए जाने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। ऐसे में मजबूत व स्वतंत्र न्यायपालिका जरूरी है। लेकिन भ्रष्ट न्यायपालिका कतई नहीं! देश में फैला न्यायिक भ्रष्टाचार हमारी विधायिका की लगभग 8 दशकों की बड़ी लापरवाही है। वहीं, प्रशासनिक भ्रष्टाचार में भी विधायिका का परोक्ष रूप से हिस्सेदार बन जाने की प्रवृत्ति भी अस्वीकार्य है। सारे टकराव की वजह भी यही भ्रष्ट और अनैतिक आचरण है।

मेरा स्पष्ट मानना है कि भारतीय संविधान से नौंवी अनुसूची को हटाकर उसमें शामिल किए गए सभी विषयों की न्यायिक समीक्षा होनी चाहिए, ताकि राजनीतिक मनमानी रूके। वहीं, भारतीय प्रशासन को भी जनहित के प्रति जिम्मेदार बनाए जाने की जरूरत है, अन्यथा उनकी लापरवाहियों के लिए स्पष्ट सजा व जुर्माना का प्रावधान हो, ताकि वो पॉलिटिकल एजेंट की तरह काम करने से बाज आएं। कहना न होगा कि देश में जारी राजनीतिक व प्रशासनिक पक्षपात के चलते ही देश में न्यायपालिका को सब पर भारी पड़ने का मौका मिल गया। विभिन राज्यों में राष्ट्रपति शासन का दुरूपयोग, आरक्षण से जुड़े अभिजात्य वर्गों के हितों को अनैतिक संरक्षण, राष्ट्रपति दया याचिका का राजनीतिक प्रयोग तो महज बानगी हैं, जबकि ऐसे कई उदाहरण हैं जहां संसद ने बहुमत से अल्पमत को कुचला है और देशवासी पददलित हुए हैं। हालांकि, संविधान की नौंवीं अनुसूची के चलते वह भी कई विवादास्पद विषयों पर असहाय नजर आई। इसलिए वक्त का तकाजा है कि सबके व्यक्तिगत विशेषाधिकारों को खत्म कर आम आदमी के प्रति उन्हें जिम्मेदार बनाया जाये। यह काम लोकतांत्रिक दबाव समूह ही कर सकते हैं, क्योंकि विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका अपने पेशेवर विशेषाधिकार को आसानी से छोड़ेंगे, ऐसा मुझे नहीं लगता!

देश में समाप्त होने के कगार पर पहुंचा नक्सलवाद

पिछले छः दशकों से देश में नासूर बनकर उभरा नक्सलवाद अब समाप्त होने की कगार पर पहुंच गया है। देश के गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में घोषणा की है कि 31 मार्च 2026 तक देश में नक्सलवाद को समाप्त कर दिया जाएगा। गृह मंत्री द्वारा की गई यह एक बहुत बड़ी घोषणा है। गत 60 वर्षों से देश नक्सलवाद की समस्या से बुरी तरह पीड़ित रहा है। इस दौरान देश में कई सरकारें आई और चली गई मगर नक्सलवाद का नासूर दिनों-दिन बढ़ता ही रहा था। देश के कई प्रदेशों में तो बहुत बड़े हिस्से में नक्सलवादी अपनी समानांतर सरकार तक चलाते थे। नक्सलवाद प्रभावित जिलों में उनकी हुकूमत चलती थी। वहां केंद्र व राज्य सरकार का कोई असर नहीं दिखता था। नक्सलियों का फरमान ही अंतिम आदेश होता था जिसे लोग मानने को मजबूर थे।

मगर अब परिस्थितियों पूरी तरह बदल चुकी है। केंद्र सरकार की नक्सलवाद से मुक्ति के अभियान की सफलता से नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है। कई बड़े-बड़े नक्सली कमांडर सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में ढेर हो चुके हैं या फिर उन्होंने सरेंडर कर अपनी जान बचा ली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनो कहा कि नक्सलवाद मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत ने वामपंथी उग्रवाद से अति प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटाकर 6 कर दिया है। शाह ने नक्सलवाद को खत्म करने के लिए मोदी सरकार के दृष्टिकोण पर रोशनी डालते हुए और सभी क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देने के लिए देश की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा था कि मोदी सरकार सर्वव्यापी विकास के लिए अथक प्रयासों और नक्सलवाद के खिलाफ दृढ़ रुख के साथ सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध भारत बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। हम 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गृह मंत्रालय के अनुसार भारत में नक्सलवाद से प्रभावित जिलों की कुल संख्या पहले 38 थी। इनमें से सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या अब घटकर 6 हो गई है। साथ ही चिंता के जिलों और अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या में भी कमी आई है। नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित छह जिलों में अब छत्तीसगढ़ में चार जिले बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा झारखंड का पश्चिमी सिंहभूम जिला व महाराष्ट्र का गढ़चिरौली जिला शामिल है। इसके अतिरिक्त चिंता के जिलों की संख्या जिन्हें गहन संसाधनों और ध्यान की आवश्यकता है 9 से घटकर 6 रह गई है। ये जिले आंध्र प्रदेश में अल्लूरी सीताराम राजू, मध्य प्रदेश में बालाघाट, ओडिशा में कालाहांडी, कंधमाल और मलकानगिरी और तेलंगाना में भद्राद्री-कोठागुडेम हैं।

अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या जो नक्सली गतिविधि का भी सामना कर रहे हैं लेकिन कम हद तक 17 से घटकर 6 हो गई है। इनमें छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा, गरियाबंद और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, झारखंड का लातेहार, ओडिशा का नुआपाड़ा और तेलंगाना का मुलुगु जिला शामिल हैं। इन जिलों को उनके पुनर्निर्माण और विकास में सहायता करने के लिए केंद्र सरकार विशेष केंद्रीय सहायता (एससीए) योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करती है। सबसे अधिक प्रभावित जिलों को 30 करोड़ रुपये मिलते हैं। जबकि सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में अंतराल को भरने के लिए चिंता वाले जिलों को 10 करोड़ रुपये आवंटित किए जाते हैं। इन क्षेत्रों की जरूरतों के अनुरूप विशेष परियोजनाओं को भी सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जाता है।

नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के चलते वर्ष 2025 में अब तक केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ों में कम से कम 130 नक्सली मारे गए हैं। इनमें से 110 से ज्यादा बस्तर संभाग में मारे गए जिसमें बीजापुर और कांकेर समेत सात जिले शामिल हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से 105 से अधिक नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और 2025 में अब तक 164 ने आत्मसमर्पण कर दिया है। वहीं इससे पहले वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया गया था 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। अभी तक कुल 15 शीर्ष नक्सली नेताओं को न्यूट्रलाइज किया जा चुका है।

वर्ष 2014 तक कुल 66 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन थे जबकि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में इनकी संख्या बढ़कर 612 हो गई है। इसी प्रकार, 2014 में देश में 126 जिले नक्सलप्रभावित थे लेकिन 2024 में सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या घटकर मात्र 12 रह गई है। पिछले 5 वर्षों में कुल 302 नए सुरक्षा कैंप और 68 नाइट लैंडिंग हेलीपैड्स बनाए गए हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2004 से 2014 तक देश में नक्सलवाद से जुड़ी 16,463 हिंसक घटनाएं हुई थीं। लेकिन पिछले 10 वर्षों में इसमें 53 प्रतिशत कमी आई है। वर्ष 2004 से 2014 तक विभिन्न नक्सली हमलों और नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान 1851 सुरक्षा कर्मियों की जान गई थी। लेकिन पिछले 10 साल में सुरक्षाबलों के हताहत होने की संख्या 73 प्रतिशत घटकर 509 रह गई है। वहीं 2004 से 14 के बीच नक्सली हमलों में 4,766 नागरिकों की मौत हुई थी। 2014 से 2024 के बीच यह आंकड़ा 70 प्रतिशत घटकर 1495 रह गया है।

गृह मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2025 में अब तक 90 नक्सली मारे जा चुके हैं, 104 को गिरफ्तार किया गया है और 164 ने आत्मसमर्पण किया है। वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया गया था, 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था।

पिछले 20 वर्षों में 2,344 सुरक्षाकर्मियों ने नक्सलियों से लड़ते हुए अपनी जान गंवाई है पिछले दो दशकों में अकेले नक्सली हमलों में 6,258 लोग मारे गए हैं। जब देश में नक्सलवाद अपने चरम पर था तब 8 करोड़ लोगों को प्रभावित किया था। जिनमें मुख्य रूप से आदिवासी थे। यह आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में फैले एक लाल गलियारे के साथ 10 राज्यों में फैला हुआ था।

सरकार एक तरफ जहां नक्सलवाद को समाप्त करने की घोषणा कर रही है वहीं दूसरी तरफ शहरी नक्सलवाद जिसे अर्बन नक्सलवाद भी कहा जाता है तेजी से उभर रहा है। यह पारंपरिक ग्रामीण नक्सलवाद से अलग है क्योंकि इसका फोकस शहरों और शहरी इलाकों में होता है। शहरी नक्सली विचारधारा के समर्थक, जिनमें शिक्षाविद, छात्र, सामाजिक कार्यकर्ता और बुद्धिजीवी शामिल होते हैं नक्सलवादी विचारधारा का प्रचार-प्रसार करते हैं। वे विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक माध्यमों से अपनी विचारधारा फैलाते हैं और व्यवस्था के खिलाफ असंतोष को भड़काते हैं।

देश में नक्सलवाद के खिलाफ केंद्र सरकार के समग्र प्रयासों का असर दिखने लगा है। सरकार के प्रयासों का नतीजा है कि अब देश में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या में कमी हो रही है। सरकार ने नक्सलवाद-मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। देश में वामपंथी उग्रवाद से अति प्रभावित जिलों की संख्या में कमी आना इस आंदोलन की समाप्ति के संकेत है।

नक्सलवादी आंदोलनकारियों ने अपनी राष्ट्र विरोधी गतिविधियों से देश को बहुत नुकसान पहुंचाया है। हजारों निर्दोष लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। वहीं बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों ने भी नक्सलवादी विरोधी अभियान में अपनी शहादत दी है। एक समय था जब देश के 10 प्रांतो में नक्सलवादियों की तूती बोलती थी। इन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू पर भी हमला कर दिया था। जगदलपुर में तो नक्सलवादियों ने कांग्रेस के कई बड़े नेताओं की हत्या कर सनसनी फैला दी थी।

मगर अब केंद्र सरकार की नीतियों के कारण एक तरफ जहां इन पर दबाव बढ़ा है वहीं उनके प्रभाव वाले क्षेत्रों में सरकार ने विकास की योजनाएं प्रारंभ कर उनका जन समर्थन समाप्त कर दिया है। कई बड़े नक्सली कमांडरो का एनकाउंटर होने के बाद डर कर बड़ी संख्या में नक्सली सरेंडर कर रहे हैं। जिससे आने वाले समय में नक्सल प्रभावित क्षेत्र में शांति व्याप्त होगी। जो सरकार व आमजन की एक बड़ी जीत होगी।

संपादकीय

समझदारी- एक पेंडिंग अपडेट जो कभी डाउनलोड नहीं होती

[समझदारी आई ही नहीं — उम्र अकेली ही चली आई]

कहते हैं उम्र के साथ समझदारी आती है। लेकिन हमारे यहाँ उम्र सिर्फ़ चश्मे का नंबर, बालों की सफेदी और घुटनों का दर्द लाती है। समझदारी? वो तो बचपन में ही किसी सरकारी योजना की तरह "लॉन्च" होकर गायब हो जाती है। जिम्मेदारी और उम्र का रिश्ता भी अजीब है–कभी दोनों गलबहियाँ डालकर चलते हैं, कभी एक-दूसरे से आँखें चुराते हैं। और इस आँख-मिचौली में जिंदगी बस तमाशबीन बनी तालियाँ बजाती रहती है। ज़रा गुड्डू को देखिए। चौदह साल की उम्र, लेकिन जिंदगी का टाइमटेबल किसी ग्लोबल कंपनी के सीईओ को भी मात दे। सुबह साइकिल पर अखबार बाँटता है, मानो हाई-स्पीड डिलीवरी ड्रोन पर सवार हो, दिन में स्कूल की बेंच घिसता है, , जहाँ टीचर "पढ़ाई करो, जिम्मेदार बनो"का प्रवचन देते हैं और रात को माँ का सिर दबाकर सुलाता है, जैसे 24×7 स्टार्टअप का वन-मैन-आर्मी हो, क्योंकि "बाबूजी ने तो कब का फोन स्विच ऑफ कर लिया"। पूछो तो मासूमियत से कहेगा, "जिम्मेदारी ने पकड़ लिया, भैया।" मानो जिम्मेदारी कोई पुलिसवाला हो, जो बिना वारंट धर दबोच ले। गुड्डू की उम्र में बच्चे जहाँ पबजी खेलते हैं, वहाँ ये जिंदगी का "सर्वाइवल मोड" खेल रहा है।

अब दूसरी तरफ हैं हमारे प्रदीप चाचाजी। उम्र 60 पार, सरकारी नौकरी से रिटायर्ड, पेंशन की गंगा बह रही है। लेकिन जिम्मेदारी? वो तो उनके लिए ÷अननोन कॉलर÷ है, जिसे वो बार-बार रिजेक्ट कर देते हैं। गैस सिलेंडर बुक करना हो तो बीवी को पुकारते हैं–÷सुनो, वो मोबाइल में कुछ कर दो न!÷ यूपीआई, ओटीपी, ऑनलाइन बिल पेमेंट–ये सब उनके लिए एलियन टेक्नोलॉजी है। लेकिन फेसबुक? वहाँ सुबह 6ः30 बजे ÷गुड मॉर्निंग÷ के साथ गुलाब की फोटो और ÷ज़िंदगी दो पल की, जी लो÷ वाला स्टेटस डालने में पीएचडी कर रखी है। व्हाट्सएप पर ÷फॉरवर्डेड मेनी टाइम्स÷ वाले मैसेज की स्पीड देखकर तो लगता है, चाचाजी 5जी नेटवर्क पर चल रहे हैं। जिम्मेदारी इनके दरवाजे तक दस्तक देती है, पर चाचाजी "नॉट होम" का बोर्ड लगाकर अखबार फड़फड़ाते हुए चाय की चुस्कियाँ लेते रहते हैं। यहाँ जिम्मेदारी भी तो ऑनलाइन शॉपिंग की तरह है। किसी को बिना ऑर्डर किए ही थमा दी जाती है, जैसे गुड्डू को। और किसी को बार-बार रिक्वेस्ट करने पर भी "आउट ऑफ स्टॉक" का मैसेज मिलता है, जैसे चाचाजी को। छोटे बच्चों को देखकर जिम्मेदारी का दिल पसीज जाता है–"लो, तुम ही संभाल लो ये बोझ, तुम्हारे बाप-दादा तो रील्स बनाने में व्यस्त हैं।" और कुछ बुजुर्गों को देखकर वो शर्म से पानी-पानी हो जाती है–"इतने साल हो गए, अब भी नहीं संभाल सकते? ठीक है, बच्चों को ही दे देते हैं।" ये जिम्मेदारी भी न, व्यक्ति देखकर आती है। कुछ को गले का हार बनकर गले पड़ती है, और कुछ के लिए वो "रिटर्न पॉलिसी" वाला पैकेज है, जिसे वो तुरंत डिलीवरी बॉय को लौटा देते हैं।

हमारे देश में दो ही चीज़ें टाइम से पहले आती हैं–बालों में सफेदी और जिम्मेदारी। बाकी सब तो सरकारी स्कीम की तरह–घोषणा जोर-शोर से, डिलीवरी अगले जन्म में। लोग जिम्मेदारी से ऐसे भागते हैं जैसे रिश्तेदार की शादी में "नेग" देने से। "अरे, अब इस उम्र में क्या!" मानो जिम्मेदारी कोई फिटनेस चैलेंज हो और उम्र उनका मेडिकल सर्टिफिकेट। कुछ लोग तो जिम्मेदारी को देखकर वैसे ही मुकर जाते हैं, जैसे ऑनलाइन ऑर्डर का सामान देखकर–"ये तो माँगा ही नहीं था!"

जिम्मेदारी के भी अपने टाइप हैं। कुछ जिम्मेदारियाँ "डिज़र्व" की जाती हैं, जैसे गुड्डू अपनी माँ की देखभाल करता है। कुछ को "डेलिगेट" कर दिया जाता है, जैसे चाचाजी सारा काम बीवी पर डाल देते हैं। और कुछ तो जिम्मेदारी को कचरे की पेटी में डंप करने के चैंपियन हैं, जैसे वो पड़ोसी, जो मोहल्ले की मीटिंग में बड़े-बड़े वादे करते हैं, मगर सफाई अभियान का वक्त आए तो "बुखार चढ़ गया" का बहाना मारकर गायब हो जाते हैं।

समाज में जिम्मेदारी का बोझ भी अजीब तरह से बँटता है। बच्चों को स्कूल बैग के साथ-साथ घर का बोझ भी ढोना पड़ता है। जवानों को नौकरी, शादी, बच्चों की परवरिश–सब एक साथ संभालना पड़ता है। और बुजुर्ग? वो तो "हमने तो अपना समय देख लिया" कहकर पार्क में टहलने निकल लेते हैं। फिर भी दुनिया कहती है, ÷उम्र के साथ समझदारी आती है।" अरे भाई, यहाँ उम्र के साथ सिर्फ़ हड्डियों का दर्द, आँखों का धुंधलापन और "वो पुरानी बात याद नहीं आ रही" वाला बहाना आता है। जिम्मेदारी निभाने की नीयत? वो तो जन्मकुंडली में ही नहीं लिखी होती। और सबसे मज़ेदार बात? जिम्मेदारी से भागने वाले लोग दूसरों को "जिम्मेदार बनो" का प्रवचन देने में सबसे आगे होते हैं। जैसे चाचाजी, जो गैस सिलेंडर बुक करना नहीं जानते, लेकिन मोहल्ले के बच्चों को "आजकल की पीढ़ी बेकार है" का लेक्चर देने में कोई कसर नहीं छोड़ते। या वो पिताजी, जो बेटे को "कमाओ, घर चलाओ÷ का मंत्र देते हैं, लेकिन बिजली का बिल जमा करने की बात आए तो "बेटा, तुम्हीं देख लो, हमें तो ये ऑनलाइन सिस्टम समझ नहीं आता।"

जिम्मेदारी और उम्र का ये खेल बड़ा विचित्र है। कुछ लोग इस बोझ को गर्व से ढोते हैं, जैसे गुड्डू, जो अपनी छोटी सी उम्र में परिवार का सहारा बना है। और कुछ लोग इसे फुटबॉल की तरह ठोकर मारते रहते हैं, जैसे चाचाजी, जिनके लिए जिंदगी अब बस चाय की चुस्कियों और फेसबुक स्टेटस तक सिमट गई है। लेकिन सच कहें, जिम्मेदारी कोई उम्र देखकर नहीं आती। वो तो बस मौका देखकर टपक पड़ती है, और फिर आप चाहे चौदह साल के हों या साठ के, आपको उसका सामना करना ही पड़ता है। तो अगली बार जब कोई कहे, "उम्र के साथ समझदारी आती है," तो बस मुस्कुरा दीजिए। क्योंकि यहाँ समझदारी नहीं, सिर्फ़ जिम्मेदारी का जाल आता है, जिसमें फँसने या निकलने का हुनर ही असली समझदारी है।

हंसराज चौरसिया

भड़कने का संवैधानिक अधिकार आपको भीभड़कने का संवैधानिक अधिकार आपको भी

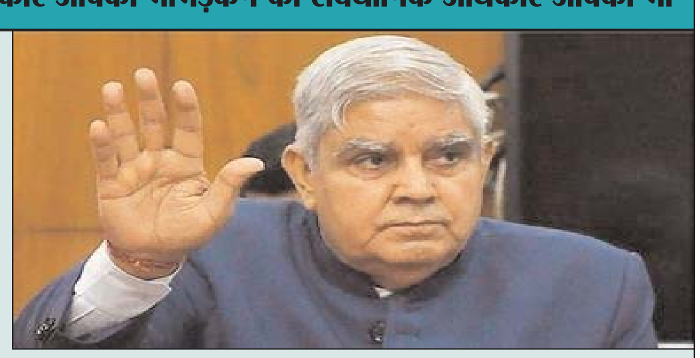

देश के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनकड़ को भड़कता देख कभी-कभी मेरा मन भी भड़कने का करता है ,लेकिन सवाल ये है कि मैं आखिर भड़कूं तो किसके ऊपर भड़कूं ? संविधान ने भड़कने का अधिकार सभी को दिया है ,इसीलिए धनकड़ साहब भी भड़क रहे हैं और ममता बनर्जी भी। योगी आदित्यनाथ भी भड़क रहे हैं और तमाम दूसरे लोग भी। अब आप सोचिये कि यदि संविधान ने आम आदमी को भड़कने का अधिकार न दिया होता तो क्या धनकड़ साहब देश की सबसे बड़ी अदालत के किसी फैसले पर भड़क सकते थे ?

धनकड़ साहब उप राष्ट्रपति बनने से पहले बंगाल के राज्यपाल थे। उन्होंने भड़कना तभी से सीखा। वे जब बंगाल में राज्यपाल थे तब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर दिन-रात भड़का करते थे। उन्हें लगता था कि राज्यपाल का काम केवल और केवल राज्य की सरकार पर भड़कना होता है। धनकड़ साहब हालाँकि वकील हैं, उन्होंने क़ानून पढ़ा है किन्तु जब वे कुर्सी पर होते हैं तो क़ानून-वानून भूल जाते हैं। उप राजयपाल के रूप में भी और राज्य सभा के सभापति के रूप में भी उन्हें भड़कने के अलावा और कुछ याद नहीं रहता। वे विपक्ष कि ऊपर लगातार बरसते हैं बेमौसम बरसात की तरह।

धनकड़ साहबआजकल सुप्रीम कोर्ट पर भड़क रहे हैं। संविधान पर भड़क रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट की ओर से राष्ट्रपति और राज्यपालों को बिलों को मंजूरी देने की समयसीमा तय किये जाने पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भड़क गए है। उन्होंने कहा कि हम ऐसी स्थिति नहीं रख सकते, जहां अदालतें भारत के राष्ट्रपति को निर्देश दें. उन्होंने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 142 के तहत मिले कोर्ट को विशेष अधिकार लोकतांत्रिक शक्तियों के खिलाफ उपलब्ध न्यूक्लियर मिसाइल बन गया है। धनकड़ साहब भूल जाते हैं की यदि हमारे संविधान ने सुप्रीम कोर्ट को कुछ न्यूक्लियर मिसाइल न दिए होते तो ये देश कब का हिन्दू राष्ट्र बन गया होता।

कभी-कभी मुझे लगता है कि इस देश में संविधान को हमारे नेता एक कमसिन लड़की से ज्यादा नहीं समझते और जैसे ही उन्हें मौक़ा मिलता है वे इसे छेड़ बैठते हैं। संविधान से छेड़छाड़ इसके बनने से लेकर आजतक जारी है और जब भी किसी दल को अखंड या प्रचंड बहुमत मिलेगा संविधना के साथ छेड़छाड़ की जाएगी। अब तक संविधान से छेड़छाड़ की कोई 106 घटनाएं हो चुकी है। कानून की शब्दावली में संविधान से छेड़छाड़ को 'संशोधन' कहा जाता है। कांग्रेस ने चूंकि देश पर सबसे ज्यादा समय तक राज किया है इसलिए संविधान से छेड़छाड़ की वारदातें सबसे ज्यादा कांग्रेस के समय में हुई हैं। भाजपा को अभी सत्ता में आये ग्यारहवां साल है इसलिए उसने संविधान के साथ छेड़छाड़ में अभी कांग्रेस का कीर्तिमान तोड़ नहीं पाया है ,हालाँकि भाजपा ने संविधान के साथ सबसे बड़ी छेड़छाड़ अनुच्छेद 370 को हटाकर की है। आप अन्यथा न लें तो हकीकत ये है कि संविधान कलिकाल में एक द्रोपदी है। ऐसी निरीह द्रोपदी का चीरहरण करने का दुस्साहस कोई भी कर लेता है। जरूरत सिर्फ हाथ में सत्ता और सत्ता में भी अखंड,प्रचंड बहुमत का होना है। देश का सुप्रीम कोर्ट जब तब संविधान की द्रोपदी का चीरहरण रोकने के लिए कृष्ण की भूमिका में आता है तो धनकड़ जैसी पुण्य आत्माएं सुप्रीम कोर्ट पर भड़क उठतीं हैं, लेकिन वे उस समय शांत रहतीं हैं जब सुप्रीम कोर्ट सत्ता प्रतिष्ठान के मन माफिक फैसले करता है या निर्देश देता है।

जहाँ तक मेरा ज्ञान है उसके मुताबिक धनकड़ साहब को सुप्रीम कोर्ट पर भड़कने का कोई नैतिक अधिकार है नहीं। वे जिस पद पर बैठे हैं उसकी मर्यादा है। उन्हें अपने पूर्ववर्ती उप राष्ट्रपतियों से इस मर्यादा का पाठ सीखना चाहिए ,लेकिन वे ऐसा नहीं करेंगे। ,क्योंकि धनकड़ साहब अपने आपको भाजपा का देवतुल्य कार्यकर्ता जो मानते हैं [जबकि वे हैं नहीं] धनकड़ साहब कभी आरएसएस की शाखा में प्रशिक्षण लेने नहीं गये । भाजपा में शामिल होने से पहले उन्होंने घाट-घाट का पानी पिया है ,किन्तु आज वे भाजपा के सबसे निष्ठावान कार्यकर्ता है। कोर्ट हो या कोई और जैसे ही भाजपा के खिलाफ कोई टिपण्णी करता है सबसे पहले उदरशूल धनकड़ साहब के पेट में होता है। मुमकिन है कि धनकड़ साहब आजकल में ही सुप्रीम कोर्ट को नए वक्फ क़ानून पर दिए जाने वाले फैसले के लिए भी कोसने लगें।

सुप्रीम कोर्ट पर भड़कने वाले धनकड़ साहब देश को बता रहे हैं कि "भारत में राष्ट्रपति का पद बहुत ऊंचा है और राष्ट्रपति संविधान की रक्षा, संरक्षण एवं बचाव की शपथ लेते हैं,

जबकि मंत्री, उपराष्ट्रपति, सांसदों और न्यायाधीशों सहित अन्य लोग संविधान का पालन करने की शपथ लेते हैं. हम ऐसी स्थिति नहीं बना सकते जहां आप भारत के राष्ट्रपति को निर्देश दें और वह भी किस आधार पर संविधान के तहत आपके पास एकमात्र अधिकार अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या करना है। "धनकड़ साहब भूल जाते हैं कि राष्ट्रपति का पद सचमुच बहुत ऊंचा है किन्तु उसे सचमुच इतना छोटा कर दिया गया है ,क्योंकि राष्ट्रपति अब देश के प्रधानमंत्री को केवल दही- मिश्री खिलाने के अलावा कोई काम नहीं करता/करती है ,संविधान की रक्षा,संरक्षण या बचाव नहीं। राष्ट्रपति ने अपनी भूमिका खुद ही बदल ली है।

बहरहाल मैं माननीय धनकड़ साहब के लिए प्रार्थना करता हूँ कि ईश्वर उन्हें पल-पल होने वाले उदरशूल से मुक्ति दिलाये। धनकड़ साहब उदरशूल से पीड़ित अकेले व्यक्ति नहीं हैं। बहुत से लोग हैं उनकी तरह। लेकिन निसे उदरशूल होना चाहिए वो कभी अपना मुंह नहीं खोलता । न मणिपुर पर ,न बंगाल पर ,न अमेरिका पर ,न चीन पर। उसने बोलना छोड़ ही दिया है जैसे/वो केवल अपने मन की करता है या फिर मन की बात करता है। इस प्रवृत्ति को देशज भाषा में मनमानी भी कहते हैं।

राकेश अचल

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रवि कुमार अवस्थी द्वारा अनवर ऑफसेट एम्- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुद्रित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उम्मान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित **संपादक-राजीव कुमार शुक्ल,** मो0- 7499472288
E-Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

निराश्रित पशुओं के लिए भूसा दान की किया अपील

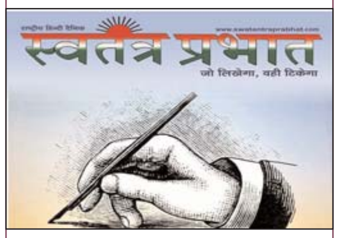

देवरिया। विकास खंड बैतालपुर अन्तर्गत ग्राम बलटिकरा में अस्थाई निराश्रित गौआश्रय स्थल की स्थापना किया गया जिसमें लावारिस गोवंशीय पशुओं का पालन पोषण किया जाता है। पशुधन प्रसार अधिकारी निशाकान्त तिवारी ने विकास खंड के आम जनमानस एवं समाज सेवियों से अपील किया कि इस समय निराश्रित गोआश्रय के लिए अतिरिक्त भूसा की व्यवस्था किया जा रहा है, जिससे वर्ष भर पशुओं का भरण-पोषण आसानी से हो सके। जो भी व्यक्ति, ग्राम पंचायत एवं संस्थाएं स्वेच्छा से भूसा दान करना चाहते हैं वो ग्राम प्रधान प्रतिनिधि भोलू राय एवं ग्राम पंचायत सचिव नन्हे सिंह से सम्पर्क कर अपना योगदान कर सकता है। इस समय प्रदेश सरकार द्वारा निराश्रित पशुओं के भरण-पोषण हेतु 50 रुपए प्रति पशु एक दिन के निर्धारित दर से भुगतान किया जाता है। दान में मिले अतिरिक्त भूसा,चारा एवं धनराशि का उपयोग भी इन पशुओं के भरण-पोषण में किया जाता है।

साइबर अपराध की रोकथाम हेतु लगाये होड़िगं

अलीगढ़। अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन आगरा द्वारा जोन स्तर पर चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन जागृति- 4.0 के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं पुलिस अधीक्षक अपराध पर्यवेक्षण में जनपदीय साइबर क्राइम सैल टीम द्वारा जनपद के महत्वपूर्ण स्थानों जैसे कार्यालय पुलिस अधीक्षक अपराध, पुलिस कैन्टिन पुलिस लाइन परिसर, जिलाधिकारी कार्यालय, एएमयू परिसर, हबिटेट सैन्टर, पुलिस अधीक्षक यातायात कार्यलय, नगर निगम कार्यलय, न्यायिक मजिस्ट्रेट कैम्पस, रेलवे अपर न्यायिक मजिस्ट्रेट कैम्पस,अटल चौक (सेण्टर पॉइंट), मलखान सिंह हास्पिटल कैम्पस, जीआरपी कैम्पस(रेलवे स्टेशन), कार्यालय पुलिस अधीक्षक नगर, धनीपुर मण्डी परिसर, जिला कारागार, पुलिस लाइन सुरक्षा विहार साइबर सैल परिसर में साइबर अपराध की रोकथाम के विषय में होर्डिग लगाए गये एवं आम जनमानस को साइबर अपराध से बचाव के सम्बन्ध में पैम्पलेट वितरित किए गये एवं आमजन को विभिन्न प्रकार साइबर अपराध एवं उनसे बचाव के सम्बन्ध में जानकारी देकर जागरुक किया गया।

वृहद गौसंरक्षण केंद्र निर्माण कार्य में हो रही लापरवाही, जिम्मेदार कौन

बेनीगंज/हरदोई- विकास खंड कोथावां के पिपरी ग्राम पंचायत का है, जहां गौ संरक्षण हेतु बृहद गौशाला का निर्माण उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण एवं श्रम विकास सहकारी संघ लिमिटेड द्वारा (यू पी सी एल डी एफ) से कराया जा रहा है। जो पिपरी ग्राम पंचायत में गोमती नदी किनारे गाटा संख्या 875/3.6800 हैक्टेयर भूमि पर हो रहा है। इसके निर्माण में बगैर किसी लगाम जिस कदर पीला मिक्स दोम ईटों का उपयोग धड़ल्ले से किया जा रहा है जिससे साफ जाहिर होता है कि इसमें स्वयं जांच अधिकारी किसी न किसी प्रकार से लिप्त है। बिना किसी भय के दिनदहाड़े मानकों को ताक पर रख निर्माण कार्य किया जा रहा है। मौके पर स्वतंत्र प्रभात दैनिक पेपर की टीम ने पहुंचकर निर्माण के संबंध में जानकारी की तो मौजूद मजदूरों ने बताया ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा है उनका नाम नंबर मुझे नहीं पताद्य विभागीय अवर अभियंता संपर्क साधना छह उनका फोन नहीं उठा। आखिर अवर अभियंता के लिए गौशाला निर्माण के लिए कैसा मानक निर्धारण किया गया है यह तो वही बताएंगे लेकिन ये सच है कि पीला मिक्स दोम ईट के उपयोग से बनी गौशाला की चहारदीवारी में छुट्टा जानवरों को रोकना मुश्किल ही है। वहीं कोथावां खंड विकास अधिकारी रामकिशोर ने कहा उपरोक्त कार्यदाई संस्था व निर्माण के विषय में मुझे किसी प्रकार की कोई जानकारी नहीं है, उपरोक्त गौशाला का निर्माण जिस संस्था के द्वारा कराया जा रहा है उसका नोडल लोक निर्माण विभाग होता है आप वहां संपर्क करें।

प्राइवेट स्कूलों में शिक्षा के नाम पर मची लूट, गरीब अभिभावकों की टूटी उम्मीदें

ख़जनी ही नही! सभी क्षेत्रों में शिक्षा पर मनमानी वसूली का बन रहा बड़ा मुद्दा

स्वतंत्र प्रभात

खजनी, गोरखपुर — शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाने का दावा करने वाले देश में आज भी गरीब बच्चों के अभिभावक अच्छी शिक्षा से वंचित हैं। खजनी तहसील क्षेत्र में प्राइवेट स्कूलों की मनमानी और शिक्षा के नाम पर हो रही खुली लूट ने गरीब व मध्यम वर्गीय परिवारों की कमर तोड़ दी है। एक ओर वैदिक काल में भारत शिक्षा का वैश्विक केंद्र था, जहाँ नालंदा, तक्षशिला, काशी व मगध जैसे विश्वविद्यालयों में विदेशों से छात्र ज्ञान अर्जित करने आते थे, वहीं आज भारत के छात्र बेहतर शिक्षा की तलाश में विदेश जाने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सरकार ने शिक्षा जैसी बुनियादी आवश्यकता को पूंजीपतियों के हवाले कर दिया है। नतीजा यह हुआ है कि शिक्षा का स्तर गिरा है और यह अब आम आदमी की पहुंच से बाहर होती जा रही है। निजी स्कूलों में किताब, ड्रेस, टाई, बेल्ट, आई कार्ड, प्रवेश फॉर्म, परीक्षा शुल्क, प्रवेश पत्र, आचरण प्रमाण पत्र, टीसी, और परीक्षा केंद्र

निर्धारण के नाम पर मनमाने तरीके से वसूली की जा रही है।

"एक देश, एक शिक्षा, एक बोर्ड"की मांग अब फिर से जोर पकड़ने लगी है। सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि जब तक अमीर-गरीब एक साथ नहीं पढ़ेंगे, तब तक शिक्षा का अधिकार केवल एक खोखला नारा बनकर रह जाएगा।अभिभावकों की मजबूरी यह है कि सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर निम्न है, और प्राइवेट स्कूलों की ऊंची फीस व शोषण के बावजूद वे अपने बच्चों को वहां पढ़ाने को मजबूर हैं। स्थिति यह है कि शिक्षक गाँव-गाँव जाकर स्कूलों के प्रचार-प्रसार में लगे हैं और गरीब अभिभावकों को लुभावने वादों में फंसा रहे हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि स्कूलों ने शिक्षा के मंदिर को व्यापार का अड्डा बना लिया है। अवकाशप्राप्त शिक्षक उमेश राम तिवारी ने कहा, "सरकारी स्कूलों में पढ़ाई नहीं होती। मजबूरी में प्राइवेट स्कूलों में बच्चों का दाखिला कराते हैं, लेकिन वहां भी पढ़ाई कम, शोषण अधिक होता है।" अभिभावकों का आरोप है कि विद्यालय प्रबंधन किताबें, ड्रेस और स्टेशनरी स्कूल से ही खरीदवाने पर जोर देते हैं, वह भी अत्यधिक दामों पर। अगर कोई विरोध करे तो बच्चे को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है। प्रवेश से लेकर रिपोर्ट कार्ड तक हर स्तर पर धन उगाही की जा रही है। कई अभिभावक कर्ज लेकर स्कूल की मांगें पूरी करने को मजबूर हैं। खजनी क्षेत्र के अभिभावकों ने जिलाधिकारी गोरखपुर से मांग की है कि उपजिलाधिकारी खजनी के माध्यम से इस पूरे मामले की जांच कराई जाए और दोषी विद्यालयों पर कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि गरीब बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अधिकार मिल सके।

युवा समाजसेवियों ने किया ग्राम पंचायत अर्जुनपुर की गौशाला का निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात

चित्रकूट- युवा समाजसेवियों ने शुक्रवार को अर्जुनपुर ग्राम पंचायत की गौशाला का निरीक्षण कर गौवंशों का हाल जाना। निरीक्षण के दौरान युवा समाजसेवियों ने पाया कि गौशाला में गौवंश भूख से मर रहे हैं एवं मरे हुए गोवंशों को दूर ले जाकर नहर में फेंक दिया जाता है। इस दौरान एक गर्भवती गौवंश मिली जो पिछले एक सप्ताह से बीमार थी, लेकिन उसका इलाज नहीं करवाया गया। इस पर युवा समाजसेवी प्रियांशु मिश्रा ने कहा कि अर्जुनपुर ग्राम पंचायत में लगातार गौवंशों के साथ अत्याचार हो रहा है, जो कि बिल्कुल असहनीय है। गौमाता को न्याय दिलाने के लिए हैं हम आखिरी सांस तक लड़ेंगे और यदि अर्जुनपुर गौशाला में जल्दी ही सुधार नहीं हुआ तो आगे विरोध प्रदर्शन करेंगे।

इस मौके पर युवा समाजसेवी बिल्लू विधायक, हर्षित पाण्डेय, अनुराग गुप्ता, शिवम चतुर्वेदी, प्रणव भारद्वाज, आनंद पयाशी, विमल त्रिपाठी, सुनील मिश्रा, वंश, अनुज पांडेय, आदित्य पांडेय, विकास पटेल, रवि प्रजापति, नीरज यादव, दिलीप प्रजापति, रामनारायण प्रजापति, अभिषेक

कुशवाहा, संदीप त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

ट्रंप की टैरिफ नीति का असर पड़ेगा पूरी दुनिया पर - प्रो पुरोहित

ट्रंप की टैरिफ नीति का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पर कार्यशाला आयोजित

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग द्वारा शुक्रवार को ÷ट्रंप की टैरिफ नीति का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव÷ विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. एच. सी. पुरोहित संकाय अध्यक्ष प्रबंध अध्ययन संकाय , दून विश्वविद्यालय देहरादून ने ट्रंप की टैरिफ नीति का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पर विस्तार से चर्चा की। एमबीए बिजनेस इकोनॉमिक्स एवं बीकॉम ऑनर्स के विद्यार्थियों के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रोफेसर पुरोहित ने कहा की ट्रंप की टैरिफ नीति सिर्फ व्यापार संतुलन करने से

संबंधित नहीं है, यह विश्व की दो बड़ी आर्थिक महाशक्तियों के वर्चस्व से संबंधित है और इसका प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में अमेरिका और चीन का योगदान 43 प्रतिशत से अधिक है, परंतु इसका सबसे अधिक प्रभाव चीन वियतनाम, मेक्सिको, कंबोडिया और बांग्लादेश जैसे देश पर पड़ने वाला है । इस नीति से अमेरिका चीन की सामरिक शक्ति पर अंकुश लगाने और दुनिया में उसके दबदबे को कमजोर करना चाहता है लेकिन दो आर्थिक शक्तियों के बीच वर्चस्व की इस जंग का असर विश्व में विभिन्न देशों के बीच सप्लाई चैन को बड़े पैमाने पर प्रभावित करेगा।

ट्रंप के इस कदम से वैश्विक स्तर पर मंदी की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है । भारत पर भी इसका असर देखने को मिलेगा क्योंकि भारत में विनिर्माण क्षेत्र के अधिकांश उत्पाद चीन से आयात किए जाते हैं इससे स्पष्ट है कि चीन से आयात होने उपकरण महंगे होने पर यहां निर्मित हो रही वस्तुओं के दाम बढ़ सकते हैं । हालांकि चीन डंपिंग नीति के तहत भारत सहित अन्य देशों के साथ व्यापार बढ़ा सकता है परंतु डंपिंग नीति के सहारे अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में कई तरह की चुनौतियाँ होंगी उन्होंने कहा कि इस नीति का हल आर्थिक विश्लेषण से अधिक राजनीतिक फलक पर ढूंढना होगा और इसमें विश्व व्यापार संगठन को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी इस अवसर पर प्रोफेसर मानस पांडे विभागाध्यक्ष, व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग ने विषय प्रवर्तन एवं मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए आज के परिप्रेक्ष्य में विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला । कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ आशुतोष कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर विभाग के समस्त शिक्षक डॉ राकेश उपाध्याय डॉ निशा पांडे, डॉ अंजनी, डॉ सुशील सिंह, सुश्री दीपांजलि, श्री हर्ष, श्री प्रिंस एवम् विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

विकास खंड रूपईडीह के ग्राम पंचायत कोचवा घुचुवापुर में एक दिव्य और अलौकिक श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

गोण्डा । श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव,भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक चेतना का महासंगम की धर्म की पावन भूमि विकास खंड रूपईडीह के ग्राम पंचायत कोचवा घुचुवापुर में एक दिव्य और अलौकिक आयोजन का शुभारंभ किया जा रहा है। जहां पर 19 अप्रैल 2025 से 26 अप्रैल 2025 तक चलने वाले सप्ताहिक श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में भक्ति, ज्ञान और श्रीकृष्ण की लीलाओं का अमृतवर्षा होगी। कार्य क्रम के आयोजक प्रधान राजेश सोनी ने बताया कि इस पावन आयोजन की शुरुआत 19 अप्रैल 2025 को भव्य कलश यात्रा के साथ होगी, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु माताएं-बहनें मंगल गीत गाते हुए कलश लेकर गांव की गलियों से गुजरेंगी। यह

शोभायात्रा भक्तिभाव, समर्पण और एकता का प्रतीक होगी। कार्य क्रम की मुख्य यजमान माता श्रद्धेया श्रीमती फूल मती तथा कथा वाचक सनातन धर्म के प्रखर प्रवक्ता, वरिष्ठ पीठाधीश्वर एवं पूर्व सांसद पूज्य डॉ. राम विलास वेदांती जी महाराज के अपनी गूढ़ वाणी से श्रीमद्भागवत के गूढ़ रहस्यों को सरल रूप में श्रोताओं तक पहुँचाएंगे, जिससे आत्मा में भक्ति, बुद्धि में विवेक और जीवन

में शांति का संचार होगा।कथा का प्रारंभ रात्रि 7:30 बजे से 11:00 बजे तक किया जाएगा । उन्होंने श्रद्धालुओं से अनुरोध है कि कलश यात्रा एवं कथा के प्रत्येक दिन में सपरिवार पधारकर धर्म लाभ प्राप्त करें और श्रीहरि की कृपा से जीवन को धन्य बनाएं। "जहां भागवत कथा होती है, वहां स्वयं नारायण का वास होता है"।

निर्बल को दुख देकर कोई कभी नही रहता है सुखी - ज्योतिषाचार्य शंख बाबा

स्वतंत्र प्रभात

गोलाबाजार गोरखपुर । गोला क्षेत्र के बाघागड़ा गांव में चल रहे सप्त दिवसीय संगीतमयी श्रीमद् भागवत कथा का बृहस्पतिवार को समापन हुआ। कथा के अंतिम दिन सुमधुर कथा का रशपान कराते हुवे कथा व्यास ज्योतिषाचार्य शंख बाबा उर्फ सत्य प्रकाश ने कहा की जीवन का एक-एक क्षण अनमोल है। इसे व्यर्थ न गवाएं। कुछ पल निकालकर ईश्वर की भक्ति अवश्य करें। इसी में जीव का उद्धार हो सकता है। उन्होंने कहा कि आज के इस भागदौड़ भरे जीवन में आदमी के पास समय नहीं बचा है। लेकिन यदि वह निश्चय कर ले कि उसे इतना समय भगवान की भक्ति में लगाना है तो यह कार्य संभव हो सकता है। यदि दिन में भक्ति संभव

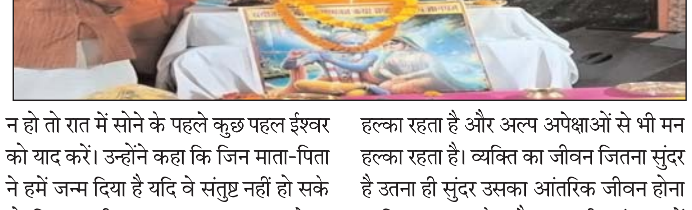

न हो तो रात में सोने के पहले कुछ पहल ईश्वर को याद करें। उन्होंने कहा कि जिन माता-पिता ने हमें जन्म दिया है यदि वे संतुष्ट नहीं हो सके तो कितना भी जप, तप व यज्ञ कर लेना, जीवन कभी सुखी नहीं हो सकता। यदि निर्बल को दुखी कर दिया तो उसकी हाय सर्वनाश कर देगी। सुखी होने का मार्ग आवक की बढ़ोत्तरी नहीं बल्कि आवश्यकताओं की घटोत्तरी है। इच्छाओं पर नियंत्रण यानि सीलिंग ऑफ डिजायर से पूरे समाज को लाभ होता है। उन्होंने कहा कि अल्प द्रव्यों के सेवन से पेट हल्का रहता है और अल्प अपेक्षाओं से भी मन हल्का रहता है। व्यक्ति का जीवन जितना सुंदर है उतना ही सुंदर उसका आंतरिक जीवन होना चाहिए। कथा के दौरान बड़ी संख्या में भक्तजन मौजूद रहे। कथा प्रारंभ से पूर्व आयोजक विजय नारायण शर्मा व रणजीत शर्मा ने व्यासपीठ की आरती उतारी. सभी ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रेम नारायण शर्मा सतीश शर्मा रणधीर शर्मा प्रेम शंकर शर्मा राम सिहासन शर्मा समेत पुरुष महिला आदि श्रोता मौजूद रहे।

आग से सात मड़हे जलकर राख, सारा सामान जला

जौनपुर जफराबाद। क्षेत्र के सुंगुलपुर रसूलपुर गांव की निषाद बस्ती में गुरुवार की देर रात को खाना बनाते समय आग लग गयी।जिसमे सात रिहायशी मड़हे जल कर राख हो गए।इस हादसे में लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। ऊक्त गांव के खेताउ निषाद के घर रात को खाना बन रहा था।उसी समय गैस पाइप लीक हो गयी।जिससे खेताऊ निषाद के तीन और उनके भाई पताउ निषाद के चार मड़हे जलकर राख हो गए। आग में साइकिल और राशन समेत कई सामान जल गए।परिवार के शोर की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों ने मिलकर काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक काफी नुकसान हो चुका था।

"बंदियों के इलाज में भगवान भरोसे, डॉक्टर को मिला 'कर्तव्यनिष्ठा 'का तमगा!"

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर। जिला कारागार में बीमार बंदियों की बदहाली को दरकिनार करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं की 'झूठी चमक' को एक बार फिर चमकाने की कोशिश की गई है। जिला अस्पताल के डॉक्टर प्रभात सिंह को, जिन्हें दो साल से बुधवार-बुधवार जिला जेल भेजा जा रहा है, 'कर्तव्यनिष्ठा' के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। हैरानी की बात ये है कि जेल के भीतर जिन बंदियों को इलाज मिलना चाहिए, वे आज भी मामूली दवाओं और प्रतीक्षा सूची के भरोसे हैं। लेकिन डॉक्टर साहब को सम्मान इस बात का मिल गया कि वे कभी- कभी आकर दो-चार सिरदर्द की गोली बांट जाते हैं। इलाज हो न हो, लेकिन 'समर्पण' का अभिनय जरूर हो रहा है - और उसी का नाम पड़ गया है "मानवता का मिसाल।"

जेल अधीक्षक डॉ. विनय कुमार ने तो कर्तव्यनिष्ठा की नई परिभाषा ही रच दी - दिखावे की हाजिरी और रस्मी इलाज को 'उचित एवं संतोषजनक चिकित्सा' बताकर प्रमाणपत्र थमा दिया। वहीं डॉ. प्रभात सिंह ने भावविभोर होते हुए कहा कि वे 24 घंटे सेवा को तत्पर हैं - हालांकि बंदियों का अनुभव कुछ और ही कहता है। अगर उनकी तत्परता इतनी ही प्रभावशाली होती, तो शायद जेल के भीतर बीमारियों की कतारें कम हो गई होतीं। जेल प्रशासन और जिला अस्पताल के इस मिलन समारोह ने एक बात तो साफ कर दी - प्रशंसा पत्र अब सेवाओं की गुणवत्ता के लिए नहीं, बल्कि चेहरे की चमक बढ़ाने के लिए बांटे जा रहे हैं।

राष्ट्र सेवा का सपना संजोये युवाओं को कार्यशाला में मिलेगा मार्गदर्शन

● जनपद स्तर पर प्रतिभाओं को संवारने की प्रभावी पहल

स्वतंत्र प्रभात

देवरिया। जिला समाज कल्याण अधिकारी जैसवार लाल बहादुर ने बताया कि जिलाधिकारी दिव्या मित्तल की विशेष पहल पर 20 अप्रैल रविवार को प्रातः 9 बजे से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान परिसर में मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यशाला में आईएएस, पीसीएस बनने का सपना संजोने वाले सभी युवा प्रतिभाग कर सकते हैं। यह कार्यशाला पूर्णतया निःशुल्क है। कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं और छात्र-छात्राओं को मार्गदर्शन प्रदान करना है, जो आईएएस, पीसीएस तथा अन्य प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। यह कार्यशाला न केवल छात्रों को परीक्षा की बेहतर रणनीति, उत्तर लेखन कौशल, समय प्रबंधन, मानसिक संतुलन और आत्मविश्वास के निर्माण जैसे विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान करेगी, बल्कि उन्हें जनपद के वरिष्ठ अधिकारियों से सीधे संवाद का अवसर भी प्रदान करेगी।

जिलाधिकारी दिव्या मित्तल, मुख्य विकास अधिकारी प्रत्यूष पांडेय,ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/ एसडीएम सदर श्रुति शर्मा, धीरेन्द्र यादव तथा हरिशंकर लाल (पीसीएस) सहित अन्य अधिकारीगण शामिल रहेंगे व अपने-अपने प्रशासनिक अनुभवों, परीक्षा तैयारी की व्यक्तिगत यात्रा और चुनौतियों के समाधान की दिशा में दिए गए सुझावों के माध्यम से प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करेंगे। कार्यशाला के दौरान उपस्थित छात्र-छात्राएँ अपनी तैयारी से जुड़ी जिज्ञासाओं को सीधे अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत कर सकेंगे, जिससे उन्हें सही मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यह संवाद प्रतिभागियों में आत्मविश्वास का संचार करेगा तथा उन्हें उचित अध्ययन पद्धति और अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे समस्त युवाओं से अनुरोध है कि वे समय से कार्यशाला स्थल पर पहुँचकर इस महत्वपूर्ण अवसर का लाभ उठाए।

स्कार्पियो सवार चार बदमाश मैक्स पिकप और मोबाइल छीनकर फरार

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर जफराबाद- स्थानीय थाना क्षेत्र के बाईपास पर गुरुवार की रात को स्कार्पियो सवार चार बदमाशों ने पिकप चालक से पिकप तथा उसका मोबाइल की छिनैती कर ली ।वे छिनैती कर भाग निकले।पुलिस को जानकारी होते ही खोजबीन में जुट गई। वाराणसी के फूलपुर क्षेत्र के पिंडरा निवासी नखड़ू उर्फ मोहम्मद अली पुत्र महबूब अली अपनी पिकप से नंदनी कम्पनी करखियाव फूलपुर से सोनपापड़ी लेकर शाहगंज के मनोज शाह के दुकान पर गया था।वह जब वहां से लौट रहा था तभी जफराबाद कस्बे के बाईपास पर सुनहरे कलर की एक स्कार्पियो सवार बदमाशों ने पिकप को ओवरटेक करके रुकवा लिया।उसके बाद उस मे सवार चार बदमाशों ने कहा कि तुम अपने पिकप से मेरे स्कार्पियो को टक्कर मार कर आ रहे हो।उसने बोला कि आपका आरोप गलत है।इसी बात पर उन लोगों में से एक बड़े बाल व काले पगड़ी वाले लड़के ने नखड़ू से मोबाइल और पिकप की चाभी छीन लिया।उसके बाद वही बड़े बाल का लड़का पिकप लेकर भाग निकला।आगे आगे स्कार्पियो थी।पीछे पीछे पिकप लेकर चले गए।नखड़ू ने पास के मुहल्ले में जाकर किसी व्यक्ति के फोन से 112 डायल करके पुलिस को सूचना दिया। 112 डायल पुलिस ने थानाप्रभारी को बताया। वे मय फोर्स मौके पर पहुंच गए।पुलिस रात से ही बाजारों में लगे सीसीटीवी फुटेज से बदमाशों को तलाशने में जुट गयी है।थानाप्रभारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के पूरे बाजारों व अन्य स्थानों पर खंगाला जा रहा है।

मोटरसाइकिल की भिड़ंत में सभासद पुत्र की मौत,चार गम्भीर रूप से घायल

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर- जफराबाद स्थानीय थाना क्षेत्र के चकताली गांव के पास गुरुवार की रात को तेज रफ्तार दो मोटरसाइकिल की आमने-सामने टक्कर हो गयी।जिसमे दोनों मोटरसाइकिल पर सवार पांच लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये।घायलों में कजगाव नगर पंचायत के सभासद के पुत्र की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। चार अन्य घायलों में से तीन को वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। नगर पंचायत काजगांव राजेपुर वार्ड की सभासद सरोज देवी पत्नी राजकुमार के पुत्र अभिषेक जायसवाल अपने दुकान पर काम करने वाले मोहम्मद कैफ के साथ गुरुवार की रात 9:30 बजे शहर की तरफ से घर लौट रहे थे।ऊक्त गांव के पास नगर पंचायत काजगांव के ही पुरानी बाजार निवासी तीन युवक तेज रफ्तार पल्सर बाइक से शहर की तरफ जा रहे थे। दोनो बाइकों की आमने सामने टक्कर हो गयी।दोनों बाइक पर सवार पांचों लोग बॉइक से गिर कर घायल हो गए।पल्सर सवार युवक तो किसी प्रकार वहां से हट गए। वही सभासद के पुत्र अभिषेक जायसवाल व मोहम्मद कैफ बेहोशी हालात में पड़े रहे।स्थानीय यादव बस्ती के लोगों ने उनके घर सूचना दिया।दोनो को जिला चिकित्सालय ले जाया गया।जहां पर अभिषेक की मौत हो गयी।मोहम्मद कैफ को रेफर कर दिया गया।उसका किसी निजी चिकित्सालय में उपचार चल रहा है।उधर पल्सर सवार तीन अन्य युवकों को एम्बुलेंस से जिला चिकित्सालय लाया गया।उन्हें भी ट्रामा सेंटर बीएचयू रेफर कर दिया गया। इस मामले में मृतक अभिषेक जायसवाल के भाई की तहरीर पर पुलिस ने पल्सर सवार अज्ञात लोगों के विरुद्ध तहरीर दिया है।थानाप्रभारी जफराबाद जयप्रकाश यादव ने बताया कि तहरीर प्राप्त हुई है। अभियोग पंजीकृत कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

राष्ट्रगान का अपमान करने पर दो शिक्षक निलम्बित

अलीगढ़। एक विद्यालय में प्रार्थना सभा में राष्ट्रगान के दौरान एक शिक्षक खड़ा नहीं होने और कुर्सी पर बैठा रहने की वीडियो वायरल होने पर उच्चाधिकारियों से शिकायत की गई। जांच में शिकायत सही मिलने पर प्रधानाध्यापिका और शिक्षकों ने भी इसकी पुष्टि की। इस पर बीएसए ने शिक्षकों को निलंबित कर दिया है। दरअसल शिक्षक गुलजार अहमद राष्ट्रगान के समय कुर्सी पर बैठे रहे थे। इसकी शिकायत उच्चाधिकारियों से की गई। वीडियो भी भेजा गया। इसकी जांच बीईओ लोधा ने की। जांच में वह प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए। प्रधानाध्यापिका और स्टाफ ने बताया कि गुलजार अहमद विद्यालय के अन्य कार्यों में भी सहयोग नहीं करते हैं। राष्ट्रगान के दौरान खड़े नहीं होते हैं। विद्यालय में शैक्षिक पंचांग का शत प्रतिशत अनुपालन नहीं किया जा रहा है। बीईओ की जांच आख्या पर बीएसए डॉ. राकेश कुमार सिंह ने सहायक अध्यापक को निलंबित कर प्राथमिक विद्यालय नाथपुर अतरौली में संबद्ध कर दिया है।

कस्बा आर्य नगर बाजार में पुलिस वाहन चेकिंग अभियान 16 दोपहिया वाहनों से 25,000 हजार रूपए का ई-चालान काटा गया

स्वतंत्र प्रभात

गोंडा । कस्बा आर्य नगर बाजार में पुलिस वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया जहां पर 16 दोपहिया वाहनों से 25,000 हजार रूपए का ई-चालान काटा गया तथा आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए साथ ही कस्बे में पैदल गश्त कर सुरक्षा बढ़ाई ।कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उप निरीक्षक अवनीश शुक्ला के नेतृत्व में एक विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में हेड कांस्टेबल विनोद कुमार पांडे, हेड कांस्टेबल राकेश कुमार गौतम, कांस्टेबल सत्येंद्र यादव तथा कांस्टेबल पुनीत सिंह ने सक्रिय भूमिका निभाई।टीम द्वारा आर्य नगर बाजार में पैदल गश्त कर किया तथा बाजार क्षेत्र में पुलिस की उपस्थिति का सकारात्मक प्रभाव डाला। इस दौरान यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 16 दोपहिया वाहनों से 25,000 का ई-चालान किया गया।यह कार्रवाई न केवल नियमों के पालन को लेकर गंभीरता को दर्शाती है, बल्कि आम जनता में सुरक्षा की भावना को भी मजबूत करती है।स्थानीय नागरिकों ने भी पुलिस की इस तत्परता की सराहना की है।

संक्षिप्त खबरें

पशु शाला में लगी आग, तीन मवेशीयों की जलकर मौत, दो मोटरसाइकिल जलकर हुई खाक

नायब तहसीलदार ने घटनास्थल का लिया जायजा

शाहजहांपुर। जनपद के तहसील जलालाबाद क्षेत्र के गांव नौसारा में आज बृहस्पतिवार को पशु शाला में अचानक आग लग गई। जिससे वहां अफरा तफरी का माहौल

बन गया। जानकारी के अनुसार राजीब सिह,चिरंजीव सिह,अरविन्द सिह पुत्र महेंद्र सिंह गुर्जर निवासी ग्राम नौसारा ग्राम पंचायत लहसडी जानवर बांधने का बग्गर है। आज बृहस्पतिवार को दिन में 4 बजे के लगभग अचानक आग लग जाने से 3 मवेशी जलकर मर गए और 4 मवेशी घायल हुए हैं, अग्निदुर्घटना में 2 मोटर साइकिल जल कर राख हो गयी है। सूचना पर मौके पर नायब तहसीलदार अनुराग दुबे व लेखपाल अखिलेश वर्मा 5 बजे मौका मुआयना करने पहुंचे है। नायब तहसीलदार अनुराग दुबे ने बताया की पशु चिकित्सक को मौके पर बुलाया गया है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पर पशु हानि का मुआवजा सरकार की तरफ से मिलेगा दिलाया जाएगा। ग्रामीणों ने बाल्टी से पानी डालकर आग पर काबू पाया।

ग्राम प्रधान सहित क्षेत्र पंचायत सदस्य सुबोध कुमार कनौजिया रहे मौजूद

बंडा शाहजहांपुर/ ब्लॉक बंडा क्षेत्र के गांव ढुकुरी बुजुर्ग पूर्व माध्यमिक विद्यालय में खंड शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार की उपस्थिति में स्कूल चलो अभियान की शुरुआत करते हुए एक रैली और गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस दौरान प्रधानाध्यापक वीरपाल की उपस्थिति में वार्षिक उत्सव वार्षिक परीक्षा फल वितरण विदाई समारोह भी आयोजित हुआ कार्यक्रम का संचालन सुनील कुमार एआरपी द्वारा किया गया सर्वप्रथम खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया तत्पश्चात बच्चों को परीक्षाफल पुरस्कार वितरण व प्रवेशित बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य वीरपाल क्षेत्र पंचायत सदस्य बांदा ब्लाक से ब्लॉक प्रमुख पद के प्रत्याशी रहे सुबोध कुमार कनौजिया खंड शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार ग्राम प्रधान चेतराम शैलेंद्र सिंह चौहान अरविंद कुमार वीरपाल सिंह यादव विजयपाल अमित कुमार सावन कुमार अश्विनी कुमार सुमंगला देवी आदि उपस्थित रही।

कपड़ा गांव में आयोजित निशुल्क सिविर में 200 लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराई

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। शुक्रवार को सीतापुर आंख अस्पताल द्वारा निशुल्क मोतियाबिंद शिविर का आयोजन ग्राम कपरहा विकासखंड क्षेत्र कुंभी गोला में किया गया। संपन्न हुआ। शिविर का शुभारंभ उप जिलाधिकारी गोला विनोद गुप्ता के द्वारा फीता काटकर किया गया । इस मोतियाबिंद शिविर का आयोजन क्षेत्र के समाजसेवी देवेंद्र भदौरिया (एडवोकेट) व कपरहा के पूर्व प्रधान राजेश शुक्ला ने किया गया इस शिविर में लगभग 200 मरीजों ने नेत्र परीक्षण कराया जिसमें 15 मरीज मोतियाबिंद से पीड़ित निकले जो कि ऑपरेशन के लिए सीतापुर आंख अस्पताल ले जाए गए।इस अवसर पर क्षेत्र के अनुराग शुक्ला बबलू ,लल्ला शुक्ला, विकी शुक्ला, सत्यपाल विश्वकर्मा,रोहित कुमार, धीरेंद्र सिंह सहित क्षेत्र के तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अनियंत्रित ट्रक तालाब में घुसा,बड़ा हादसा होने से टला

अलीगढ़। थाना टप्पल क्षेत्र में जट्टारी के पास दिल्ली में आजादपुर मंडी के एसएस आढ़त से ट्रक में सेब भरकर उड़ीसा जाते समय तड़के करीब साढ़े चार बजे ट्रक की अचानक स्टेरिंग जाम होने के कारण अनियंत्रित तालाब में घुस गया। जिसमें एक बड़ा हादसा होने से बाल-बाल बच गया और ट्रक के चालक और परिचालक ने कूदकर जान बचाई। कस्बा जट्टारी स्थित अलीगढ़-पलवल मार्ग पर दिल्ली आजादपुर मंडी के एसएस आढ़त से ट्रक में सेब भरकर उड़ीसा ले जा रहा था। कि तड़के करीब साढ़े चार बजे ट्रक की अचानक स्टेरिंग जाम हो गई, ओर अनियंत्रित होने के कारण ट्रक तालाब में घुस गया।

गन्ने की सिंचाई कर रहे युवक पर किया बाघ ने हमला गंभीर रूप से घायल महानगर में भर्ती

● क्षेत्र में फैली दहशत पुलिस बा वन विभाग की टीम मौके पर कर रही निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात

बरेली/गन्ने की सिंचाई कर रहे 35 वर्षीय अरविंद कुमार पुत्र सुखलाल निवासी ग्राम बिहारीपुर अब्दुल रहमान पर आज दिनदहाड़े बाघ ने हमला कर दिया जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है क्यों की घायल की पुकार सुनकर खेतों में गेहूं की कटाई कर रहे ग्रामीणों ने शोर मचाकर किसी तरह बाघ के चंगुल से अरविंद को बचाया गया। इसकी सूचना गांव में पहुंची गांव से सैकड़ो की संख्या में लोग लाठी भाला आदि लेकर पहुंच गए इसी दौरान घटना की सूचना क्यों लड़िया के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह को दी गई जितेंद्र कुमार सिंह ने शीघ्र मौके पर पहुंचते ही घटना की सूचना वन विभाग एवं अन्य अधिकारियों को दी इधर पुलिस ने घायल को उपचार के लिए महानगर भेज दिया गया है।

इधर अप्सरा नदी के तट पर बसे गांव बिहारीपुर अब्दुल रहमान में वन विभाग की टीम ने ग्रामीण एवं पुलिस के सहयोग से बाघ की तलाश शुरू कर दी है इस घटना को लेकर पूरे क्षेत्र में देहशत फैल गई है क्योंकि इस नदी के पास में ही दो विद्यालय भी संचालित हैं इनमें1तो एस एस टी इंटर कॉलेज दूसरा ब्राइट फ्यूचर इसके साथ ही अप्सरा नदी के बांध से ही होकर कई ग्रामों के बच्चे क्यों लड़कियों के विभिन्न विद्यालयों में पढ़ने आते हैं।

इन सभी के लिए अब खतरे की घंटी बन गई है इसलिए क्षेत्र में दहशत का माहौल व्याप्त है समाचार लिखे जाने तक वन विभाग

की टीम हमला करने वाले बाघ का सुराग लगाने में असफल रही है ऐसी स्थिति परिजन में अपने बच्चों को विद्यालय भेजने से भी परहेज करेंगे।

पश्चिम बंगाल के हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर राष्ट्रीय बजरंग दल ने किया प्रदर्शन, दिया ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात

शाहजहांपुर। जनपद के तहसील जलालाबाद मे राष्ट्रीय बजरंग दल के सभी कार्यकर्ता आज शुक्रवार को दिन के 11:00 बजे रोडवेज में एकत्रित हुए वहां से पश्चिम बंगाल सरकार और इस्लामिक आतंकवाद मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए तहसील परिसर में पहुंचे, तत्पश्चात राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार पैगाम हैदर को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से संगठन ने मांग की कि. पश्चिम बंगाल में की जा रही हिंदुओं की नृशंस हत्या करने वाले इस्लामीक आतंकवादियों पर सख्त कार्यवाही की जाए।पश्चिम बंगाल में तत्काल राष्ट्रपति शासन लागू हो।.पश्चिम बंगाल में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों को भारत से खदेड़ा जाए।भारत में आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे अवैध मदरसों पर ताला डाले जाने की मांग की। ज्ञापन में प्रांत मंत्री अर्पित भामाशाह एडवोकेट,अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष हरिओम कौशल, राष्ट्रीय बजरंग दल जिला अध्यक्ष सुमित गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप, ब्लॉक उपाध्यक्ष किशन गोस्वामी,नगर महामंत्री पंकज गुप्ता, कार्यकर्ता सुमित गुप्ता,पंकज यादव, ब्लॉक उपाध्यक्ष प्रशांत तिवारी, जिला उपाध्यक्ष अभितेष कुशवाहा, पिंटू गुप्ता, कृष्ण नारायण, रविंद्र पाल सागर सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे !

सरायन नदी किनारे बाघिन को पकड़ने के लिए बनाये मचान, वनस्टाफ़ ने की काबिंग

स्वतंत्र प्रभात

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। दक्षिणी खीरी महेशपुर वन रेंज क्षेत्र के ग्राम अजान,इमलिया,घरथनिया ,मूडाजवाहर,मूड़ा अस्सी में बाघिन के लगातार हो रहे हमले से क्षेत्र के ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। इसके लिए इमलिया गांव के बाहर सराय नदी के किनारे बाघ पकड़ने के इंतजाम वन विभाग ने किए।गुरुवार को बनाए गए दो मचानों का निरीक्षण करने पहुंचे डा. मुदित गुप्ता कोऑर्डिनेटर डब्ल्यू.डब्ल्यू .एफ. व दबीर हसन, डॉ.दयाशंकर मोहम्मदी रेंजर निर्भय प्रताप शाही, डिप्टी रेंजर सुरेंद्र पाल गौतम, वन दरोगा माया प्रकाश वर्मा, विजय सिंह, रोहित श्रीवास्तव, मित्र पाल सिंह तोमर, पंकज कुमार, अखिलेश सिंह, प्रज्वल कुमार, नरेंद्र कुमार वनरक्षक व समस्त वनस्टाफ़ ने नदी के किनारे बाघिन प्रभावित क्षेत्र का बारीकी से निरीक्षण किया।ग्यातव्य हो कि पिछले दिनों खेत की जुताई करने गये किसान मुन्ना लाल को बाघिन ने हमला कर घायल कर दिया था। इसके बाद घायल के परिजनों तथा तमाम ग्रामीणों ने बाघ को पकड़ने के लिए गोला सिकन्दराबाद मार्ग को जाम करने के दौरान पुलिस और ग्रामीणों में झड़प की घटना के बाद वन विभाग की टीम काफी सक्रिय हो गई है। अजान इमलिया गांव के बाहर सरायन नदी के किनारे वनकर्मी लगातार कांबिंग कर बाघिन के हर मूमेंट पर नजर रखे हैं। मोहम्मदी रेंजर निर्भय प्रताप शाही के निर्देशन में दो वॉच टावर बनाए गए हैं। ट्रेंकुलाइज एक्सपर्ट डॉक्टर दया शंकर भी सुबह और शाम बाघिन प्रभावित इलाके का भ्रमण कर रहे हैं। डीएफओ संजय बिस्वाल ने बाघिन से ग्रामीणों को खतरा होने का हवाला देते हुए प्रधान मुख्य संरक्षण से ट्रेंकुलाइज करने की अनुमति मांगी है। साथ ही गोला विधायक के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मिला था। बाघिन की अधिक मौजूदगी वाली जगह सराय नदी के किनारे दो मचान बनाये गये हैं। बाघिन पकड़ने वाली टीम का नेतृत्व कर रहे डिप्टीरेंजर रामनरेश वर्मा का मानना हैं कि गस्त और मचान बाघिन को ट्रेंकुलाइज करने में सफल हथियार साबित होंगे। क्योंकि ग्रामीणों के बीच बाघिन की मौजूदगी से हमले का डर बना हुआ है। क्षेत्र के किसान कृषि कार्यों के लिए खेतों को जाने से डर रहे हैं। इधर तमाम ग्रामीणों का कहना है कि पिछले साल सितम्बर अक्टूबर नवंबर में वन विभाग ने बाघिन को पकड़ने के लिए सर्च अभियान चलाया था। जिसमें कानपुर चिड़ियाघर व पीलीभीत टाइगर रिजर्व डॉक्टरों को बुलाया गया, पिंजरा सहित थर्मल ड्रोन कैमरे ,व प्रशिक्षित हथिनी सुलोचना और डायना की सेवाएं भी ली गई। लेकिन कामयाबी हासिल नहीं मिली थी। लाखों रुपए खर्च हो जाने के बावजूद भी वन विभाग के हाँथ बाघिन नहीं आयी थी। हाल की घटना के कारण ग्रामीणों में खासा रोष व्याप्त है।

अपर जिला अधिकारी ने मौके पर अवैध खनन में लगे ट्रैक्टर ट्रॉली को किया सीज

● ताबड़तोड़ कार्यवाही से खनन माफियाओं में मचा हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात

शाहजहांपुर। जनपद शाहजहांपुर में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार ने माफियाओं के विरुद्ध मोर्चा खोल रखा है शिकायत मिलते ही मौके पर पहुंच कर कार्रवाई करते नजर आ रहे हैं इस प्रकार की कार्रवाई से क्षेत्र के नागरिकों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। विगत दिनों अपर जिलाधिकारी अरविंद कुमार ने अवैध रूप से 600 कुंतल गेहूं तथा एक ट्रक पकड़ कर कार्रवाई की थी। इस घटना के बाद तहसील पुवायां क्षेत्र में एक किसान की शिकायत पर मौके पर पहुंच गए जानकारी के अनुसार उक्त किसान गंगासरा का निवासी. एडीएम वित्त एवं राजस्व ने एसडीएम पुवायां चित्रा निरवाल को भी मौके पर बुलाया और खनन की मिट्टी ले जा रहे ट्रैक्टर ट्राली को सीज कर दिया।

किसान की शिकायत पर एडीएम वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार ने पुवायां थाना पुलिस और एसडीएम चित्रा निर्वाल को क्षेत्र के गंगसरा में एक किसान के खेत से जबरन अवैध खनन किए जाने की सूचना दी. अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार की सूचना पर एसडीएम पुवायां चित्रा निर्वाल तो मौके पर पहुंच गई, लेकिन पुवायां थाना पुलिस सूचना मिलने के 1 घंटे बाद तक मौके पर नहीं पहुंची। हालांकि एसडीएम चित्रा निर्वाल सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची. अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने खेत की मेड पर बैठकर जांच पड़ताल शुरू कर दी. अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार के निर्देश पर एसडीएम चित्रा निर्वाल ने खेत मालिक के खेत से खोदी गई मिट्टी की नाप जोख करवाई. खास बात यह रही कि इस

कार्यवाही के दौरान पुलिस की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। इस दौरान अचानक की गई ताबड़तोड़ कार्यवाही से खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया। एडीएम वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार ने बताया कि खेत मालिक नारायण लाल की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई थी.खनन माफिया जबरन किसान के खेत से मिट्टी खोद रहे थे.जिसका संज्ञान लेकर कड़ी कार्रवाई की गई है,आगे भी अगर इस तरीके की कोई शिकायत मिलती है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी.अवैध खनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जान का दुश्मन साबित हो रहा एन.एच.पर बना अवैध कट

● अब तक सैकड़ो जिंदगियां निकल चुका है यह नियम विपरीत बना एन.एच. पर कट

स्वतंत्र प्रभात

लखीमपुर खीरी मामला कस्बा मैगनगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत लडैती देवी पेट्रोल पंप के सामने का है।जहां राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर अवैध रूप से एक कट चल रहा है जिसके चलते आए दिन हादसों के मामले सुर्खियां बनते ही हैं, और लोगों को असमय काल के गाल में समाना पड़ रहा है।सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार मैगलगंज कस्बा अंतर्गत लखनऊ बरेली राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर एन.एच.आई के नियमों के विपरीत एक कट बनाया गया है जिसके चलते अब तक सैकड़ो जाने जा चुकी हैं।लेकिन विभागीय जिम्मेदारों की कुंभकर्णी नींद खुलने का नाम ही नहीं ले रही है। लोगों की जुबानी सत्य माने तो इस कट की वजह से कई माताओ की गोदे सुनी हो चुकी हैं और कई बच्चों के सर से उठ चुका है पिता का साया, तथा कई महिलाओं की मांग सूनी हो चुकी है। आखिर जिम्मेदार कहां सोए हुए हैं उन्हें यह सब हादसे क्यों नहीं दिखाई सुनाई पड़ रहे हैं। आखिर किसके शह पर एन.एच. 30 पर चल रहा अवैध कट अहम सवाल बना हुआ है। लोगों का मानना है कि यदि यह कट बंद कर दिया

जाए तो काफी हद तक होने वाले हादसों पर विराम लग सकता है। लेकिन विभागीय जिम्मेदार इस ओर कोई ध्यान देना उचित नहीं समझ रहे हैं।आखिर ऐसी क्या मजबूरी है? इस यक्ष प्रश्न का जवाब कहीं ढूंढे नहीं मिल पा रहा है।

गोला खुटार 170 राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवैध कब्जा किए जाने के आरोप

● पी डब्ल्यू डी लखीमपुर खीरी के जिम्मेदारों के मिली भगत से कोरैया- बांकेगंज मोड पर अवैध कब्जा कर हो रहा पक्का निर्माण, जिम्मेदार साधे मौन

स्वतंत्र प्रभात

लखीमपुर खीरी मामला लोक निर्माण विभाग खीरी के अंतर्गत गोला खुटार 170 राष्ट्रीय राजमार्ग के निकट कोरैया -बांकेगंज मोड पर पीडब्ल्यूडी की जमीन पर अवैध तरीके से कब्जा कर उस पर पक्का निर्माण कर दिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। क्षेत्रीय लोगों का आरोप है यह सारा खेल विभागीय जिम्मेदारों के संरक्षण में होने के चलते कोई कार्रवाई अमल में नहीं लाई जा रही है। सूत्र बताते हैं कि उक्त अवैध निर्माण के बाद हौसले बुलंद कथित भूमफिया लोगों ने ग्राम दतेली तक प्लाटिंग करके सड़क तक पटवाई कराकर प्लाटिंग चिन्हिकरण सहित तमाम अवैध कब्जा कर लिए जाने की जानकारी चर्चा का विषय बनी है।

क्या है पूरा मामला-

लोक निर्माण विभाग खीरी के जिम्मेदार विभागीय अफसर के संरक्षण में अवैध कब्जा कर पक्का निर्माण कर लिए जाने का मामला चर्चा का विषय बना है। लोगों का आरोप है कि गोला- खुटार 170 राष्ट्रीय राजमार्ग के निकट बांकेगंज मोड पर सड़क की जमीन पर अवैध तरीके से निर्माण कर लिया गया। उक्त मामले पर कोई कार्यवाही न होने से हौसले बुलंद अन्य दबंगों ने भी उसी तर्ज पर ग्राम दतेली तक प्लाटिंग करके सड़क तक पटाई करकर तमाम अन्य दबंगों ने अवैध कब्जे का अभियान जैसा चला रखा है। सूत्र बताते हैं कि विभागीय जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते दबंगों ने राष्ट्रीय मार्ग पीलीभीत- बस्ती के निकट ग्राम दतेली से गोला के बीच प्लाटिंग कर रखी है।

दबंगो का अब तो उसमें भवन निर्माण जोड़ों पर चल रहा है।कुछ लोगों द्वारा भवन निर्माण कराया भी जा चुका है.।लेकिन साहब कहां सो रहे हैं मालूम नहीं, इस मामले की भनक उनके कानों तक पहुंची है कि नहीं।ग्रामीण एवं जानकार लोगों की जुवानी जानकारी के अनुसार यह सारा खेल लोक निर्माण विभाग के जिम्मेदार अफसर की सह और संरक्षण में चल रहा है। और इसका उनको शेयर भेजा जाता है उक्त मामले की जांच कराए जाने को लेकर शासन प्रशासन को लिखित शिकायत प्रेषित कर मामले की जांच कराकर जांच में दोषी पाए जाने वाले लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई किए जाने तथा अवैध कब्जा हटवाये जाने की मांग की गई है।

मेला चैती के सांस्कृतिक मंच पर हुआ अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

चैती मेला में आज

छोटी काशी के ऐतिहासिक मैला चैती के सांस्कृतिक मंच पर 19 अप्रैल को समापन समारोह में वालीवुड सिंगर अलताफ रजा एण्ड पार्टी द्वारा रंगारंग कार्यक्रम।

स्वतंत्र प्रभात

गोला गोकर्णनाथ। छोटी काशी में ऐतिहासिक मेला चैती के सांस्कृतिक मंच पर चौदहवें दिन अखिल भारतीय कवि सम्मेलन क्षेत्रीय भाजपा विधायक अमन गिरी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजपा अवध प्रांत कमलेश मिश्रा उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू सहित कई अतिथियों द्वारा देव संचालित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष अवध प्रांत कमलेश मिश्रा ने काव्य प्रेमियों को संबोधित करते हुए कहा कि," राष्ट्रवादी कवियों की अलख के कारण आज योगी-मोदी सरकार बनी है। कवियों की लेखनी से बडे-बडे परिवर्तन हुए है। कार्यक्रम अध्यक्ष मा0विधायक अमन गिरि ने कहा कि,हमारा ऐतिहासिक मेला चैती क्षेत्र की प्रतिभाओं को निखारने का काम करता है। नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने कहा कि,हम सौभाग्यशाली है जो चैती मेला के माध्यम से भारतीय संस्कृति, संस्कार तथा परम्पराओं के संरक्षण के लिए कार्य कर सकते है। ऐतिहासिक मेला चैती के सांस्कृतिक मंच पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में कवियों ने विभिन्न विधाओं के रंग बिखेरे- जिसमें शशिकांत यादव शशि ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए सुनाया- तोला से मन भर तोला है, पारा पानी में घोला है।

सब कीड़े बाहर बिकते हैं, चुटकी भर तो सच बोला है। इनके साथ प्रयागराज की डॉ. वन्दना शुक्ला ने - प्यार के फंदे को आप बुन लीजिए, अन्य का दुःख भी तो थोड़ा सुन लीजिए। आपके मार्ग में फूल बिछ जाऐंगे, गैर की राह के शूल चुन लीजिए।।दिल्ली की कल्पना शुक्ला ने- इतिहास हमारा प्रांजल है गौरवशाली है वर्तमान।देने को हम तैयार खड़े आने वाला हर इम्तिहान।।

बनारस की दिव्या मीरा ने श्रंगार रस बिखेरा-

आंसुओं के सभी आचमन याद है,प्रेम में जो छुए वो गगन याद है। एक दूजे की पावन कहानी लिए साथ फेरों के सातों वचन याद हैं। बस्ती के महेश श्रीवास्तव ने कहा- औकात से बाहर हैं जो उनको बता दो तूफान है तुफान तो दिया भी दिया है।। इसी के साथ प्रयागराज की डॉ. वन्दना शुक्ला, इटावा के डॉ. कमलेश वर्मा ने,राजस्थान उदयपुर के राव अजात शत्रु ने, दिल्ली के कवि अरुण जैमिनी ने ,बाराबंकी के प्रियांशु गजेंद्र ने मध्य प्रदेश के भोपाल से आए कवि डॉ. अनुसपन ने, इटावा के गौरव चौहान ने,मध्य प्रदेश उज्जैन के पं महेंद्र ने, लखनऊ के प्रमोद द्विवेदी ने अपनी रचनाएं सुन कर श्रोताओं की वह वाही लूटी।

बर्बरता से मौत के घाट उतारे गए रवि की बेसहारा बहन मधू का सहारा बने डॉक्टर कौशल वर्मा

● दान में दिया दहेज का सामान, सामान से भरी पिकप पहुची तो परिवारजनों ने जताया आभार

स्वतंत्र प्रभात

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। नगर के मोहल्ला कुमार टोला में दो साल पूर्व हुए बहुचर्चित रवि वर्मा उर्फ रिंकू हत्याकांड के पीड़ित परिवार के लिए एक बार फिर सनशाइन हॉस्पिटल गोला के संचालक डॉक्टर कौशल वर्मा मददगार साबित हुए हैं।दरअसल रिंकू वर्मा की बहुत ही बर्बर तरीके से सिर कुचल कर पड़ोसियों ने घर से खींच कर हत्या कर दी थी। तब डॉक्टर कौशल वर्मा, पटेल संस्थान की टीम एवं सामाजिक लोगों नें पीड़ित परिवार को आर्थिक, सामाजिक, प्रशासनिक मदद पहुचाई थी। भविष्य में मृतक की बहन मधु देवी की शादी में भी डॉक्टर ने भारी मदद का ऐलान किया था। 17 अप्रैल 2025 को मधू की शादी का सुनहरा पल आया। बारात पिपरिया गंगा के निवासी राजेंद्र प्रसाद वर्मा के पुत्र शिवांशु के साथ तय हुई थी। जिसका कार्यक्रम मधू के जीजा गोला विधानसभा के ग्राम गुलरिया नौसर जोगी निवासी पंकज वर्मा के यहां से सम्पन्न हुई है। जिसमें पहुंचकर डॉक्टर कौशल वर्मा ने दहेज का बहुत सारा सामान,सोफा सेट,मिक्सर,51 वर्तन,कूलर, डिनर सेट,कई साड़ियां और कपड़े दान किए हैं। साथ ही मधू की मां चंपा देवी को नगद धनराशि देकर मदद पहुंचाई है। जिस पर पीड़ित परिवार एवं तमाम रिश्तेदारों ने खुशी जाहिर की है।

इस मौके पर पटेल संस्थान के अध्यक्ष संजील वर्मा, पूर्व अध्यक्ष पारस वर्मा व ज्ञानचंद वर्मा, पूर्व छात्र संघअध्यक्ष अनुज सिंह,भाजपा बिजुआ मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह, अभिषेक वर्मा,आनन्द अर्क वंशी एड, मैनेजर प्रतीक मिश्रा, अविनाश गुप्ता, सुमित वर्मा,ओमप्रकाश वर्मा समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

एसडीएम ने गौशाला, आयुर्वेदिक अस्पताल का किया निरीक्षण

ग्राम खंडहर में विकास कार्य सफाई, अस्पताल अमृत सरोवर का किया निरीक्षण अस्पताल में डॉक्टर मिले गैर हाजिर।

शाहजहांपुर। जिले के जलालाबाद एसडीएम दुर्गेश यादव ने शुक्रवार को सुबह साढ़े दस बजे बताया कि बीते दिन ग्राम खंडहर का निरीक्षण किया। एसडीएम ने निरीक्षण के दौरान पाया कम्युनिटी टायलेट जर्जर अवस्था था। गंदगी के कारण प्रयोग योग्य नहीं था। ग्राम की सड़को पर बिछाई जा रही इंटर लॉकिंग को भी देखा।उसके बाद ग्राम में स्थित गोशाला का निरीक्षण किया।गोवंशो की जानकारी गोपालक बीर पाल से ली,गौशाला 34 गोवंश मिले।भूसा हरा चारा के बारे में जानकारी ली।गोवंशो को दिए जाने बाला दाना चोकर नहीं मिलने पर नाराजगी जताई और गोपालको को चोकर दाना गोवंशो को उपल्ब्ध कराने के निर्देश दिए।एसडीएम ने बीडीओ रवि कुमार सिंह बात करके सफाई कर्मियों के बारे जानकारी की तब पता चला एक सफाई कर्मी के सहारे सफाई व्यस्था चल रही थी बीडीओ को सफाई कर्मी बढने का निर्देश दिया।एसडीएम दुर्गेश यादव ने विकास खंड के ग्राम पंचायत डहार ब कटियुली में पहुंचकर ग्रामों में स्थित आयुर्वेदिक अस्पताल का निरीक्षण किया जिसमें दोनों अस्पताल बंद पाया गया अस्पताल में तैनात डॉ पुष्पेंद्र पांडे व ऋतिक गुप्ता अनुपस्थित मिले। ग्राम डहार में ग्राम पंचायतघर बंद मिला। ग्राम अमृत सरोवर तलब का निरीक्षण किया अमृत सरोवर सूखा देख कर खंड विकास अधिकारी को तालाब में पानी भरवाने का निर्देश दिया।ग्राम की सफाई बिकास कार्य को देखा ग्राम की केयर टेकर आरती ने एसडीएम की शिकायत करके बताया 8 माह की सैलरी नहीं मिली है।बीडीओ रविकुमार सिंह ने बताया सफाई ग्राम खंडहर में एक सफाई कर्मी है उसे बढ़ाकर तीन किए जाएंगे।एसडीएम दुर्गेश यादव ने बताया दो ग्रामों के आयुर्वेदिक अस्पताल कटियुली, डाहर के निरीक्षण के दौरान डाक्टर अनुपस्थित मिले है जिसकी रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेज दी गई है ग्रामों से समस्याओं की शिकायतें आ रही थी।

संक्षिप्त खबरें

कनेक्शन धारक के द्वारा पैसे न दिए जाने पर लाइनमैन ने फोड़डाला मीटर

पीड़ित उपभोक्ता ने जनसुनवाई के माध्यम से लगाई न्याय की फरियाद।

अहिरोरी/हरदोई – थाना बघौली क्षेत्र के ग्राम पंचायत अठौआ मजरा परनुआ निवासी ब्रजकिशोर ने 22 मार्च 2025 को जनसुनवाई के माध्यम से विद्युत विभाग से शिकायत की थी। इनका आरोप है कि गांव के ही गुमानी लाइनमैन के द्वारा 28 मार्च को सुबह मेरे घर के बाहर लगा विद्युत बिजली का मीटर फोड़कर लाइन काट दी। लाइनमैन के द्वारा 100 रुपए प्रतिमाह मांग कर रहा था। विद्युत उपभोक्ता ने कहा कि मेरा कनेक्शन है मैं पैसे किस बात के दूं विद्युत उपभोक्ता के द्वारा पैसे न दिए जाने के चलते मीटर फोड़ दिया गया खंभे से जुड़ा केबिल भी लाइनमैन अपने साथ ले गया। परेशान विद्युत उपभोक्ता ने अभी तक कई शिकायतें की है लेकिन कोई सकारात्मक सुनवाई नहीं हुई है कनेक्शन धारक की मांग है उपरोक्त मामले पर विधिक कार्रवाई की जाए। मामले पर लाइनमैन गुमानी का कहना है मेरे द्वारा विद्युत मीटर नहीं फोड़ा गया है ना हीं मेरे द्वारा पैसे मांगे गए हैं हालांकि कनेक्शन की केवल मैंने खोली थी केबिल को मैंने दोबारा जाकर जोड़ दीया है। मामले पर अवर अभियंता विद्युत उपकेंद्र इटौली अमर सिंह भारती ने बताया मामला मेरे संज्ञान में आया है मैंने कनेक्शन धाराक को बुलवाया भी था और विद्युत मीटर लाइनमैन के द्वारा नहीं तोड़ा गया है अगर मीटर टूटा है उसको लगवा दिया जाएगा बकाया विद्युत बिल जमा कर दें और इनका मीटर जल्द लगवा दिया जाएगा।

पूर्व विधानसभा प्रत्याशी राजवर्धन सिंह राजू और उनकी पत्नी पर दर्ज़ हुई धोखाधड़ी की एफआईआर

बोले राजवर्धन, कार्यवाही राजनीति प्रेरित, लाइसेंस का मामला 1997 का

हरदोई– एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां समाजसेवी और पूर्व विधानसभा प्रत्याशी राजवर्धन सिंह राजू और उनकी पत्नी श्रीमती वी सिंह के खिलाफ धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज की गई है। यह एफआईआर शहर कोतवाल विजय नारायण शुक्ल द्वारा दर्ज कराई गई है। शिकायत के अनुसार, दंपति पर आरोप है कि उन्होंने फर्जी और कूटरचित दस्तावेज एवं शपथ पत्र (एफिडेविट) बनवाकर अपने आपराधिक मामलों को छुपाते हुए शस्त्र लाइसेंस प्राप्त किया। यह कार्य न सिर्फ कानून की दृष्टि से गंभीर अपराध है, बल्कि शस्त्र लाइसेंस प्रक्रिया की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े करता है। मामले की जांच की जिम्मेदारी निरीक्षक माबूद रज़ा को सौंपी गई है। पुलिस ने इस मामले में गहन जांच प्रारंभ कर दी है और जल्द ही आरोपितों से पूछताछ की प्रक्रिया भी शुरू की जा सकती है। इस प्रकरण से क्षेत्र में राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है और लोग पूरे मामले व पुलिस की कार्रवाई पर नज़र रखे हुए हैं। इस पूरे प्रकरण पर राजवर्धन सिंह राजू ने कहा कि मामला राजनीति प्रेरित है। लाइसेंस 1997 का है, मुक़दमा अब दर्ज़ हुआ है। कहा, लाइसेंस पत्नी के नाम से है, उन पर तो कोई मुक़दमा नही है, जो सच्चाई थी, वही लाइसेंस लेते हुए दी गई। बाकी, कहीं कोई दिक्कत है तो उसकी जांच करें, दोषी पाए जाने पर कार्यवाही करें।

आरटीओ से चंद कदमों की दूरी पर ही चल रहा अवैध बसों का खेल

अलीगढ़। परिवहन निगम के समानांतर डग्गामार सिंडीकेट ने अपना 'भ्रष्टाचार निगम' बना लिया है। इसमें सिंडीकेट, प्रवर्तन इकाई के चुनिंदा अफसर एवं पुलिस लिखे वाहन अवैध रूप से बसों से सवारी ढ़ो रहे है। यह अवैध बस अड्डा आरटीओ से महज चंद कदम की दूरी पर थाना बन्नादेवी क्षेत्र के कठपुला के नीचे में चल रहा है। वहीं शहर के कई स्थानों जैसे जमालपुर, बरौला जाफराबाद ओवरब्रिज, एमएयू सर्किल पर अवैध बसों का संचालन किया जा रहा है, लेकिन विभागीय अधिकारी कुम्भकर्णी नीद में सो रहे हैं।

खनन इंस्पेक्टर की सतर्कता- बिना नंबर प्लेट की गाड़ी पकड़ी, चालान के बाद रहस्यमय ढंग से हुई रवाना

स्वतंत्र प्रभात

सोनभद्र, ओबरा। चोपन रोड पर कमला पेट्रोल टंकी के पास आज एक अप्रत्याशित घटना घटी। खनन विभाग के एक जागरूक निरीक्षक ने बिना नंबर प्लेट की एक संदिग्ध गाड़ी को पकड़ा, लेकिन पड़ताल के उपरांत उसे चालान कर दिया गया। सूत्रों के अनुसार, खनन निरीक्षक अपने नियमित क्षेत्र निरीक्षण में थे। इसी दौरान कमला पेट्रोल टंकी के समीप खड़ी एक ऐसी गाड़ी उनकी नजरों में आई, जिस पर नंबर प्लेट अनुपस्थित थी। जब निरीक्षक ने पूछताछ की, तो गाड़ी के चालक ने दावा किया कि वाहन चालू हालत में नहीं है, इस प्रकार उसने निरीक्षक को भ्रमित करने का प्रयास किया।

हालांकि, निरीक्षक को ड्राइवर के कथन पर संदेह हुआ और उन्होंने एक मिस्त्री को बुलाकर गाड़ी की तकनीकी जांच कराने का निर्णय लिया। इस बीच, चालक ने चालाकी दिखाते हुए मिस्त्री को भी यह विश्वास दिला दिया कि गाड़ी को चालू करना संभव नहीं है। इस परिस्थिति में, निरीक्षक ने नियमों का पालन करते हुए गाड़ी का चालान कर दिया और अपने अगले निरीक्षण स्थलों की ओर प्रस्थान कर गए।लेकिन इस घटनाक्रम में एक चौंकाने वाला मोड़ तब आया, जब निरीक्षक के घटनास्थल से रवाना होने के कुछ ही समय बाद, वही बिना नंबर प्लेट वाली गाड़ी अचानक स्टार्ट हो गई और तेजी से वहां से चली गई।स्थानीय निवासियों ने इस कार्रवाई पर अपनी राय व्यक्त की है। कुछ लोगों ने बिना नंबर प्लेट की गाड़ी के विरुद्ध की गई कार्रवाई की प्रशंसा की है। आम नागरिकों का कहना है कि नंबर प्लेट न होने के कारण दुर्घटना की स्थिति में वाहन की पहचान करना अत्यंत कठिन हो जाता है, जिससे आम जनता को असुविधा होती है। वे उम्मीद जता रहे हैं कि प्रशासन इस प्रकार के नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कदम उठाएगा।यह ध्यान देने योग्य है कि पेट्रोल पंप के आसपास दो छोटे बच्चों के स्कूल स्थित हैं, जिसके कारण ऐसी संदेहास्पद गाड़ियों की आवाजाही से बच्चों के मन में भय का वातावरण बना रहता है। इस घटनाक्रम को हाल ही में प्रकाशित उन खबरों के परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है, जिनमें अवैध खनन और बिना नंबर प्लेट की गाड़ियों के इस्तेमाल पर चिंता व्यक्त की गई थी। खनन विभाग के उच्च अधिकारियों ने इस मामले पर गंभीरता से ध्यान दिया है और जांच की बात कही है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया है कि भविष्य में ऐसे मामलों में और अधिक सतर्कता बरती जाएगी ताकि कानून तोड़ने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

भाभी के हत्यारे देवर को पुलिस ने किया गिरफ्तार, भेजा न्यायालय

कोन/ सोनभद्र– स्थानीय थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम निंगाई में बीते दिनों पारिवारिक विवाद ने गंभीर मोड़ ले लिया था। देवर देवरानी के बीच रानी के बीच चल रहे झगड़े को रोकने गई भाभी मालवंती की मौत हो गई थी। घटना में आरोपी सुनील कुमार पासवान ने भाभी पर लाठी डंडे से हमला कर दिया था जिसमें भाभी की मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी सुनील पुत्र रामनरेश पासवान मौके से फरार हो गया था। जिसके क्रम में कोन पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को आरोपी को बुध बाजार के आगे पुलिया के पास से गिरफ्तार कर लिया।और वहीं आरोपी के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपी को न्यायालय भेज दिया गया।

प्रथम दिन पृथ्वी एवं वातावरण एवं मिट्टी पर प्रायोगिक अध्ययन किया

स्वतंत्र प्रभात

मीरजापुर। प्रकृति मीडिया शाला रीजनल ट्रेनिंग वर्कशाप मे मास्टर रिसोर्स पर्सन अध्यापको ने प्रथम दिन पृथ्वी एवं वातावरण एवं मिट्टी पर प्रायोगिक अध्ययन किया। राष्ट्रीय कॉउंसिल फॉर साइंस एंड एंड एंड टेक्नोलॉजी कम्युनिकेशन (डी ऐस एस टी) भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा समर्थित संस्था साइंस सेंटर ग्वालियर मध्यप्रदेश द्वारा पांच दिवसीय प्रकृति मीडिया शाला वर्क शॉप का आयोजन सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी भोपाल द्वारा आयोजित की गयी।कार्यशाला के पहले दिन 18 अप्रैल का उद्घाटन यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉक्टर आर एन तिवारी एवं सचिव संध्या वर्मा ने किया।इस कार्यशाला मे कुल 25 मास्टर रिसोर्स पर्सन विभिन्न राज्यों के प्रतिभागिता की।उत्तर प्रदेश से पांच प्रतिभागियों ने प्रतभागिता की।इस कार्यशाला मे भौतिक विज्ञान प्रवक्ता सुशील कुमार पाण्डेय ने प्रतिभागिता की।पहले दिन राजस्थान से आये विशेषज्ञ डॉक्टर सुनील दुबे ने पृथ्वी एवं वातावरण पर व्याख्यान दिया।उन्होंने जियो लोकेशन टांगिंग के माध्यम से वातावरण के अध्ययन का मोबाइल एप्प के माध्यम से प्रयोगिक प्रदर्शन कराया। कार्यशाला के दूसरे विशेषज्ञ डॉक्टर शेखर ने मिट्टी के कलर,स्वायल होरिजिन, मिट्टी की सरचना, मिट्टी टेक्सचर आदि का इको यूरेका किट के माध्यम से फील्ड मे प्रायोगिक अध्ययन कराया गया।

मक्के की खेती को देख कृषि मंत्री हुए प्रसन्न

स्वतंत्र प्रभात

सीखड़, मीरजापुर। प्रदेश के कृषि रक्षा अनुसंधान विभाग के कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने शुक्रवार को सीखड़ विकास खंड के रामगढ़ कला में किसानों के क्लस्टर माध्यम से की गई मक्का की खेती का मुआयना किया और कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार मक्का की खेती को बढ़ावा दे रही है। प्रदेश में करीब दो लाख हेक्टेयर में मक्के की खेती की जा रही है जिससे प्रदेश में मक्का उत्पादन में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि सीखड़ विकास खंड के किसान काफी प्रगतिशील है यहां पर लगभग 525हेक्टेयर में त्वरित मक्का विकास के तहत किसानों द्वारा खेती किया गया है। मैं उस क्लस्टर माध्यम को देखने आया हूं। उन्होंने सरकार द्वारा मिलने वाले अनुदान के बारे में किसानों को विस्तार से बताया और कहा कि प्रदेश खाद्यान्न और फलों सब्जियों के पैदावार के मामले में काफी तरक्की किया है और बड़े पैमाने पर इनका निर्यात कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मक्का उत्पादन करने के लिए किसानों को प्रोत्साहन हेतु 13 जनपदों में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अन्तर्गत कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। कृषि मंत्री ने उपस्थित किसानों की समस्या सुनी और उनके निदान हेतु उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। वहीं चुनार विधायक अनुराग सिंह ने किसानों की सराहना की। उक्त अवसर पर संयुक्त कृषि निदेशक मीरजापुर मंडल अशोक उपाध्याय, संयुक्त कृषि निदेशक उर्वरक अश्विनी मिश्रा,उप कृषि निदेशक विकेश पटेल,उप जिलाधिकारी राजेश कुमार वर्मा, सहायक विकास अधिकारी कृषि रोहित सिंह,नायब तहसीलदार कल्पना सिंह , राजस्व निरीक्षक ताड़केश्वर मिश्र,खण्ड विकास अधिकारी राजीव शर्मा, ग्राम प्रधान हरिओम सिंह पटेल, किसान सोहन सिंह, कृषी विभाग कर्मचारी लालबहादुर सिंह,डा विजेन्द्र सिंह, कृषी विभाग और अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारी सहित सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रीय किसान भाई उपस्थित रहे।

अपशब्दों के प्रयोग से आकाश प्रदूषित होता है

हंस दूध और पानी अलग करता है तो परमहंस जगत और ब्रह्म के भेद को बताता है

● डॉ भवदेव पाण्डेय शोध संस्थान में कथा के दौरान आचार्य के उद्गार

स्वतंत्र प्रभात

मिर्जापुर। शब्दों का स्थल आकाश है। जहां भगवान की कथा एवं भजन होता है, वहां आकाश निर्मल हो जाता है जबकि निंदा, अपशब्दों के इस्तेमाल से आकाश में प्रदूषण बढ़ता है। यह कथन है नगर के तिवराने टोला स्थित डॉ भवदेव पाण्डेय शोध संस्थान में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के दौरान आचार्य डॉ ब्रह्मानंद शुक्ल के। उन्होंने कहा कि जब आकाश निर्मल होता है तब वहां बादल बनते हैं तथा वर्षा होती है। डॉक्टर शुक्ल ने कहा कि कृष्ण के काल की यही स्थिति थी। डॉक्टर शुक्ल ने भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला को ब्रह्म एवं जीव के बीच सामंजस्य की लीला बताते हुए कहा कि भगवान गोपिकाओं का वस्त्र उनका अंग देखने के लिए नहीं बल्कि उनकी अज्ञानता दूर करने के लिए वस्त्रों की चोरी की।

कथा के क्रम में डॉक्टर शुक्ल ने कहा कि जब जहां कहीं परमानन्द को आना होता है तो वहां आनन्द का वातावरण बनने होने लगता है। डॉ शुक्ल ने कहा कि सृष्टि में आनन्द ही आनन्द है, जो इसको जान लेता है, वह दुःख का रोना नहीं रोता है। डॉक्टर शुक्ल ने सलाह दी कि यदि तन-मन को स्वस्थ तथा आनन्दमय बनाना हो तो सूर्योदय के पूर्व सो के उठ जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सूर्योदय के समय जो सोता है वह सौ प्रतिशत आनन्द खो देता है। सुबह की हवा को उन्होंने अमृत-वायु एवं वीर-वायु की संज्ञा दी। कथा के दौरान डॉक्टर शुक्ल में यशोदा और नन्द की व्याख्या करते हुए कहा कि यश देने वाली मां यशोदा है जबकि आनन्द के प्रतिनिधि नन्द बाबा है।

डॉक्टर शुक्ल ने श्रोताओं को श्रीकृष्ण की विविध लीलाओं की कथा सुनाई तथा कहा कि संसार को मुसाफिरखाना है। एक न एक दिन यहां से रवाना हो जाना है। अतः हर हालत में सत्कर्म में ही लगना चाहिए। डॉक्टर शुक्ल ने हंस और परमहंस की व्याख्या की तथा कहा कि हंस दूध और पानी अलग करता है तो परमहंस जगत एवं ब्रह्म के भेद को बताता है। प्रारंभ में आचार्य की आरती उपस्थित जनसमूह द्वारा की गई।

गायत्री शक्तिपीठ में हुआ समरसता एवं सद्भाव गोष्ठी का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

चित्रकूट – गायत्री शक्तिपीठ में शुक्रवार को समरसता एवं सद्भाव संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न अखाड़ों के महंतों व राष्ट्रीय स्वयं सेवक के पदाधिकारियों ने विचार व्यक्त किए। गोष्ठी में संतोषी अखाडा के महंत रामदास महराज ने कहा कि सनातन धर्म समरसता का धर्म है। महारानी मीरा ने रविदास को तथा कबीर ने रामानंदचार्य को गुरु बनाया। हमें प्रत्येक प्राणियों मे ईश्वर को देखना चाहिए। कामतानाथ प्रमुख द्वार के महंत डॉ मदन गोपाल ने कहा कि प्रत्येक मनुष्य में कोई न कोई विशेषता है, हमें ऐसे राष्ट्र का निर्माण करना चाहिए जिसमें किसी में कोई भिन्नता न रहे। गायत्री शक्तिपीठ के व्यवस्थापक डॉ रामनारायण त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और गायत्री परिवार सनातन धर्म को सींचने का कार्य कर रहे है। गायत्री परिवार गांवों में संस्कार देने का कार्य कर रहे है।

इस मौके पर यज्ञ वेदी अखाड़ा के महंत सत्यप्रकाश दास, नदी के हनुमान मंदिर के महंत महेंद्र दास, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघ चालक रामाधार मिश्रा, जिला कार्यवाहक अतुल सिंह, ब्रह्माकुमारी प्रमुख बहन दुर्गेश, कमलकांत उपाध्याय, आशीष सिंह, राजकुमार, कार्यक्रम संयोजक सिद्धार्थ आदि मौजूद रहे।

विल्ली स्टेशन पर अंधेरा, अधूरा विकलांग शौचालय, पानी की कमी और बंद सामान्य शौचालय यात्रियों के लिए नारकीय अनुभव

स्वतंत्र प्रभात

सोनभद्र, ओबरा। ओबरा के अंतर्गत विल्ली स्टेशन पर व्याप्त घोर अंधेरा, विकलांग शौचालय का अधूरा निर्माण कार्य, पीने के पानी की अनुपलब्धता और सामान्य शौचालयों पर ताला लगे रहने से यात्रियों और स्थानीय लोगों का जीवन दूभर हो गया है। स्टेशन के कुछ हिस्सों में नाममात्र की रोशनी है, जबकि उत्तरी दिशा के कई महत्वपूर्ण क्षेत्र अंधकार में डूबे रहते हैं।उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के ओबरा क्षेत्र स्थित विल्ली स्टेशन की यह गंभीर समस्या यात्रियों के लिए कष्ट का कारण बनी हुई है। स्थिति यह है कि कुछ स्थानों पर बिजली के खंभों पर बल्ब तो लगे हैं, लेकिन अधिकांश क्षेत्रों में बिजली के खंभे अकेले किनारे पर निष्क्रिय पड़े हैं, जिसके चलते उन इलाकों में रात के समय भयावह अंधेरा छा जाता है।उचित प्रकाश व्यवस्था न होने के कारण विल्ली स्टेशन असामाजिक तत्वों और नशाखोरों का सुरक्षित ठिकाना बनता जा रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, अंधेरे का फायदा उठाकर स्टेशन से कोयला चोरी की घटनाएं भी आम हो गई हैं, जिससे रेलवे को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।इसके अतिरिक्त, विल्ली स्टेशन पर दिव्यांग यात्रियों के लिए शौचालय का निर्माण कार्य कई महीने पहले शुरू किया गया था, लेकिन वर्तमान में वह खटाई में पड़ा है। निर्माण कार्य ठप होने से दिव्यांग यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, महिला और पुरुष यात्रियों के लिए बने सामान्य शौचालयों पर अक्सर ताला लटका रहता है, जिससे यात्रियों को खुले में शौच आदि के लिए मजबूर होना पड़ता है। स्टेशन पर पीने के पानी की पर्याप्त व्यवस्था भी नहीं है, जिससे यात्रियों, खासकर गर्मी के मौसम में, भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

विल्ली स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या दो और तीन पर जब यात्री उतरते हैं, तो पूरे स्टेशन पर अंधेरा छाया रहता है, जिससे यात्रियों को अपने सामान की सुरक्षा की चिंता सताती रहती है। साथ ही, जंगली जानवरों और विषैले जीवों का खतरा भी मंडराता रहता है। शौचालय की सुविधा उपलब्ध होने के बावजूद, उनमें ताला लगे रहने और पानी की कमी के कारण यात्रियों को खुले में शौच करने और प्यासे रहने के लिए विवश होना पड़ता है, जो स्वच्छता, स्वास्थ्य और मानवीय गरिमा के विरुद्ध है।स्थानीय नागरिकों और यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से इस गंभीर समस्या पर तत्काल ध्यान देने और ठोस कार्रवाई करने की पुरजोर गुहार लगाई है। उनकी प्रमुख मांगें हैं कि स्टेशन पर पर्याप्त और प्रभावी प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, अधूरे पड़े विकलांग शौचालय के निर्माण कार्य को तुरंत पूरा किया जाए, सामान्य शौचालयों से ताले हटाए जाएं और स्टेशन पर पीने के पानी की सुलभ व्यवस्था की जाए। इसके साथ ही, स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद किया जाए ताकि अंधेरे के कारण बढ़ रही आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके और यात्रियों को एक सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण मिल सके।

आकांक्षी जनपद और आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम विकास लक्ष्यों की प्रगति पर ज़ोर

स्वतंत्र प्रभात

सोनभद्र। गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी सोनभद्र की अध्यक्षता में आकांक्षी जनपद एवं आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के अंतर्गत महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि और सामाजिक विकास से जुड़े विभिन्न संकेतकों की प्रगति पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में जनपद और ब्लॉक स्तर के संबंधित विभागों के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने आकांक्षी जनपद कार्यक्रम के तहत निर्धारित सभी लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से प्राप्त करने पर ज़ोर दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और कृषि से संबंधित जिन संकेतकों में वर्तमान प्रगति राज्य के औसत से कम है, उनमें प्राथमिकता के आधार पर सुधार लाया जाए और राज्य के औसत से बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित किया जाए।गर्भवती महिलाओं को नियमित रूप से पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने, बच्चों के संपूर्ण टीकाकरण और उनके पोषण स्तर में सुधार पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। जिलाधिकारी ने आईसीडीएस विभाग को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कोई भी पात्र गर्भवती महिला पोषण से वंचित न रहे। इसके साथ ही, कुपोषण के संकेतकों पर विभागीय कार्य योजना के अनुसार निरंतर कार्य करने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया गया कि वे रोस्टर के अनुसार 30 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में उच्च रक्तचाप और मधुमेह की नियमित जांच करें और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली, उचित भोजन और आवश्यक उपचार के लिए प्रेरित करें।बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभागों को गणित और भाषा विषयों में छात्रों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने और छात्र-शिक्षक अनुपात वाले विद्यालयों की संख्या में वृद्धि करने के लिए शिक्षकों की नियुक्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। परीक्षा परिणामों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्कूलों में विशेष कक्षाएं और साप्ताहिक मूल्यांकन पर बल दिया गया। कक्षा 8 से उत्तीर्ण सभी छात्रों को उनके नजदीकी राजकीय और माध्यमिक विद्यालयों में दाखिला सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया ताकि कोई भी छात्र उच्च शिक्षा से वंचित न रहे। इसके अतिरिक्त, छात्रों के सीखने के स्तर को बेहतर बनाने के लिए उपचारात्मक शिक्षण और ब्रिज कोर्स संचालित करने पर भी ज़ोर दिया गया।कृषि विभाग को मिट्टी स्वास्थ्य कार्ड के वितरण, फसल बीमा योजना के कवरेज और सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली में सुधार के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने और लक्ष्य-आधारित कार्य योजना बनाने के लिए कहा गया। मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण में उन किसानों को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया जिनकी भूमि का परीक्षण दो वर्ष से अधिक समय पहले किया गया था।सामाजिक विकास और आधारभूत संरचना से जुड़े अन्य संकेतकों पर भी बैठक में चर्चा हुई और सभी संबंधित विभागों को अगली समीक्षा बैठक तक संतोषजनक प्रगति सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया।जिलाधिकारी महोदय ने अंत में कहा कि जनपद सोनभद्र में आकांक्षी कार्यक्रमों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है, जिससे नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और उनके जीवन स्तर में सकारात्मक सुधार हो सके।

गोरखपुर पुलिस की बड़ी कामयाबी- फर्जी पासपोर्ट बनाने वाला वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

गोरखपुर– गोरखपुर पुलिस ने अवैध पासपोर्ट बनाने के मामले में वांछित अभियुक्त देवेंद्र यादव को गिरफ्तार कर एक बड़ी सफलता हासिल की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव ग्रोवर के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।पुलिस अधीक्षक उत्तरी के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी चौरीचौरा के पर्यवेक्षण में थाना झंगहा के प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में उपनिरीक्षक रविंद्र सिंह तोमर और उनकी टीम ने अभियुक्त देवेंद्र यादव, पुत्र राम दरश, निवासी ग्राम बौठा, थाना झंगहा, को गिरफ्तार किया।

क्या है मामला?

देवेंद्र यादव पर आरोप है कि उसने जालसाजी कर कूटरचित दस्तावेजों के जरिए माता-पिता, निवास स्थान और जन्मतिथि की जानकारी बदलकर फर्जी पासपोर्ट बनवाया। इस मामले में थाना झंगहा में मुकदमा संख्या 169/2025 के तहत धारा 419, 420, 467, 468, 471 भादवि और 12 पासपोर्ट अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया था।गिरफ्तारी करने वाली टीम- वरिष्ठ उपनिरीक्षक राजेश यादव उपनिरीक्षक रविंद्र सिंह कांस्टेबल अशोक कुमार यादव पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। गोरखपुर पुलिस की इस कार्रवाई को फर्जीवाड़े और दस्तावेजों में हेरफेर करने वालों के खिलाफ कड़ा संदेश माना जा रहा है।

पुलिस का संदेश– गोरखपुर पुलिस ने स्पष्ट किया कि इस तरह के अपराधों में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

शादी के बंधन में बंधी अरविंद केजरीवाल की बेटी हर्षिता, जमकर नाचे पूर्व सीएम, जानें कौन है दूल्हा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की बेटी हर्षिता केजरीवाल शुक्रवार को शादी के बंधन में बंध गई। यह कार्यक्रम कपूरथला हाउस में आयोजित किया गया। इससे पहले 17 अप्रैल को संगीत सेरेमनी शांगरीला होटल में हुआ था। वहीं 20 अप्रैल को रिसेप्शन होगा। उनकी शादी संभव जैन से हुई, जो आईआईटी दिल्ली में हर्षिता के बैचमेट रहे हैं। दोनों ने एक स्टार्टअप भी शुरू किया है, जिसके दोनों हिस्सेदार हैं।

पंजाब के सीएम भगवंत मान जमकर थिरके

हर्षिता केजरीवाल 29 साल की हैं और आईआईटी दिल्ली से पढ़ाई की है। उनका छोटा भाई पुलकित केजरीवाल भी जेईई में सफलता हासिल की है। उनकी शादी के कार्यक्रम में पंजाब के सीएम भगवंत मान भी अपनी पत्नी के साथ शामिल हुए। उनका एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें वह जमकर थिरक रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

डीपीआरओ ने लापरवाह सफाईकर्मी को किया निलम्बित

कौशाम्बी। जनपद विकास खण्ड कौशाम्बी क्षेत्र के अन्तर्गत चक एलई रोशन में तैनात सफाईकर्मी राम नारायण को निलम्बित कर दिया गया है। आरोप है कि अपने ग्राम पंचायत में सफाई नहीं करता है और ग्राम पंचायत में उपस्थिति न होते हुए भी उपस्थिति पंजिका में हस्ताक्षर करता है। बिना किसी सूचना के अपने कार्यस्थल से गायब रहता है। इसके अलावा बिना पूर्व सूचना या अवकाश के अपने कार्य स्थल में न रहकर मंझनपुर कचहरी परिसर में अधिकांश समय व्यतीत करता है। लगातार मिल रही शिकायत के बाद जांच कराते हुए डीपीआरओ अनिल कुमार सिंह ने आरोपित सफाईकर्मी राम नारायण पाल निवासी गांव बैगवा फतेहपुर को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया है। जिसकी सूचना समाचार पत्रों के माध्यम से सर्वसाधारण को अवगत कराया गया है।

खेल-खेल में कार हुई लॉक, दम घुटने से 11 साल के बच्चे की मौत

सहारनपुर। जिले में दर्दनाक घटना सामने आई है। खेल-खेल में कार लॉक हो गया और उसमें बैठे बच्चे की दम घुटने से दर्दनाक मौत हो गई. बच्चे की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। जानकारी के मुताबिक, थाना फतेहपुर इलाके के गांव गंगाली निवासी सुनील का 11 वर्षीय बेटा अंश गांव के ही जनहित पब्लिक स्कूल में पढ़ता था। अंश गुरुवार की दोपहर को छुट्टी के बाद स्कूल से घर पहुंचा. अंश खाना खाने के बाद घर से बाहर खेलने चला गया. परिवार वालों का ध्यान अंश पर इसलिए नहीं गया क्योंकि दो दिन बाद उसकी बड़ी बहन को देखने के लिए आने वाले थे, जिसकी तैयारी में सभी जुटे थे। वहीं, शाम तक अंश परिजनों को दिखाई नहीं दिया तो उसकी तलाश शुरू कर दी. देर शाम तक उसका पता नहीं चला. इसके बाद थाने में सूचना दी गई. रात साढ़े नौ बजे तलाशी के दौरान बाहर खड़ी कार में अंश का शव मिला, उसका शरीर अकड़ गया था. इसके बाद फोरेंसिक टीम को बुलाया गया. जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। एसपी देहात ने बताया कि खाना खाने के बाद अंश कार में बैठा तभी कार लॉक हो गई. तेज धूप के चलते कार के अंदर गैस बनने से बच्चे का दम घुट गया। हालांकि, इस दौरान बालक ने अपने बचाव में काफी प्रयास किया, लेकिन कार के शीशे बंद होने के कारण उसकी आवाज बाहर नहीं आई। उसने बाहर निकलने की काफी कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सका. अंश दो बहनों का इकलौता भाई था. हादसे के बाद गांव में शोक की लहर है। एसपी देहात सागर जैन ने बताया कि कार में दम घुटने से बच्चे की मौत का मामला सामने आया है. पुलिस कई पहलुओं पर मामले की जांच कर रही है।

विश्व धरोहर दिवस पर 'हमारी विरासत' विषयक पर प्रदर्शनी का आयोजन

प्रयागराज। विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर आज क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई, प्रयागराज एवं क्षेत्रीय अभिलेखागार इकाई के संयुक्त तत्वावधान में 'हमारी विरासत' विषय पर आधारित छायाचित्र एवं अभिलेख प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज के पूर्व कला संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर हेरम्ब चतुर्वेदी द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में मल्हार (चंदौली), बनरसिहा कला (महराजगंज), चुनार किला (मिर्जापुर), शैलोत्कीर्ण प्रतिमाएं (देवगढ़, ललितपुर), सीतापुर की कल्पा देवी इष्टिका मंदिर, आस्तिक बाबा इष्टिका मंदिर, छतर मंजिल पैलेस, फरहत बख्श कोठी (लखनऊ) तथा बटेश्वर मंदिर (आगरा) जैसे महत्त्वपूर्ण पुरातात्विक स्थलों से प्राप्त धरोहरों को प्रदर्शित किया गया। इसके साथ ही, अभिलेख प्रदर्शनी में प्रयागराज के नगरीय विकास से संबंधित महत्त्वपूर्ण दस्तावेजों का प्रदर्शन भी आकर्षण का केंद्र रहा। मुख्य अतिथि प्रो. चतुर्वेदी ने प्रदर्शनी के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी न केवल हमारी प्राचीन संस्कृति और सभ्यता से परिचित कराती हैं, बल्कि युवा पीढ़ी एवं शोधार्थियों के लिए भी अमूल्य जानकारी का स्रोत हैं। स्वागत एवं अभिनंदन क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी डॉ. सुभाष चंद्र यादव द्वारा किया गया, जबकि कार्यक्रम का संयोजन प्राविधिक सहायक श्री राकेश कुमार वर्मा ने किया। इस अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग की डॉ. गार्गी चटर्जी एवं डॉ. सुचित्रा मजूमदार सहित श्री श्याम सुंदर पटेल, श्री नवल कृष्ण, श्री बृजमोहन, श्री अंगद पटेल, संस्कृति विभाग से श्री हरिश्चंद्र दुबे, डॉ. शाकिर तालाब, श्री शैलेंद्र यादव, शुभम, सुजाता केसरी, निर्भय प्रजापति, राजू यादव, हरीश एवं श्वारिका सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। गौरतलब है कि इसी क्रम में दिनांक 19 अप्रैल 2025 को विश्व धरोहर विषयक एक क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें विद्यार्थियों की सहभागिता अपेक्षित है।

प्रयागराज में रोजाना चल रहा मौत का खेल, एक सप्ताह में छह हत्याएं!

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। संगम नगरी में एकबार फिर से अपराध का ग्राफ तेजी से बढ़ा है। लूट, छिनैती व मारपीट की घटनाएं तो आम बात हो गई। अब रोजाना हत्या की वारदातें भी सामने आने लगी है। पिछले एक सप्ताह में छह लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया। कहीं पारिवारिक विवाद, तो कहीं पुरानी रंजिश में कत्लेआम हो रहा है। भले ही पुलिस हत्यारोपियों को पकड़ने में सफल हुई हैं, लेकिन प्रयागराज में कानून व्यवस्था बेपटरी होने लगी है। मार्च महीने के अंतिम सप्ताह 29 तारीख की रात बमरौली स्थित मध्य वायु सेना परिसर के अंदर आवासीय कॉलोनी में सीडब्ल्यूई एसएन मिश्रा की गोली मारकर हत्या ने पुलिस को बड़ी चुनौती दी थी। एयरफोर्स के अतिसुरक्षित परिसर के अंदर गोली मारकर हत्यारोपी आसानी से फरार तक हो गया था। हालांकि इस घटना के बाद भी पुलिस ने बेपटरी होती कानून व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया। इसी का परिणाम है कि अप्रैल में भी हत्या की घटनाएं बढ़ गई हैं। बीते 9 से 15 अप्रैल की बातें करें, तो मात्र एक सप्ताह के अंदर छह लोगों की हत्या कर दी गई।

कोरांव नगर पंचायत के शहीद आरके तिवारी नगर में 15 अप्रैल की रात 45 वर्षीय राजेश प्रजापति को उसके ही बेटे बाबूलाल ने ईंट से कूंच कर निर्मम हत्या कर दी। 14 अप्रैल को थरवई थानांतर्गत जगदीशपुर पूरे चंदा गांव में जमीन बंटवारे के विवाद में तीन भाइयों ने मिलकर 28 वर्षीय वीरू को बेरहमी से पिटाई कर दी। सिर पर लोहे की रॉड से गहरा चोट लगने से दो दिन बाद वीरू ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। इसी दिन नैनी कोतवाली के एडीए मुक्ता विहार कॉलोनी में अधिवक्ता राजेश पांडेय की 45 वर्षीय पत्नी सुमित्रा पांडेय को उनके देवर, देवरानी व परिवार के अन्य सदस्यों ने इतना पीटा की मौत हो गई। मौसम विहार कॉलोनी राजरूपपुर में दवा व्यवसायी विवेक दुआ ने पारिवारिक विवाद में अपने ही बेटे 21 वर्षीय अंश दुआ को गोली मार दी। हालांकि अंश की जान बच गई।पिछले एक सप्ताह में हुई हत्याएं

16 अप्रैल- नैनी कोतवाली क्षेत्र के मुरादपुर अरैल निवासी बग्घी संचालक मोहसिन की हत्या।

15 अप्रैल- धरवई थानांतर्गत जगदीशपुर पूरे चंदा गांव में वीरू की भाइयों की पिटाई से हुई मौत।

15 अप्रैल- कोरांव के शहीद आरके तिवारी नगर में राजेश प्रजापति की बेटे ने ईंट से कूचकर की हत्या।

14 अप्रैल- नैनी के एडीए मुक्ता विहार कॉलोनी में सुमित्रा पांडेय की देवर व देवरानी की पिटाई से मौत।

13 अप्रैल- करछना थाना के इसौटा गांव में दलित देवीशंकर की हत्या कर शव जलाने का प्रयास।

09 अप्रैल- खीरी थानांतर्गत बहरइचा गांव में किसान चंद्रकांत मिश्रा की गोली मारकर हत्या।

भ्रष्टाचार के आरोप में पंचायत सचिव हुआ निलम्बित

स्वतंत्र प्रभात

कौशाम्बी। मंझनपुर विकास खण्ड क्षेत्र के अम्बावा पश्चिम गांव में पशुपतिनाथ श्रीवास्तव की निजी भूमि पर इंटरलॉकिंग लगाकर 2 लाख 93 हजार रुपए का भुगतान सरकारी खजाने से किए जाने के मामले में ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव का दोष जांच के दौरान उजागर हो गया है जिला विकास अधिकारी ने पंचायत सचिव श्रवण कुमार मिश्रा को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया है और उन्हें खंड विकास अधिकारी चायल कार्यालय से सम्बद्ध कर दिया है पशुपतिनाथ श्रीवास्तव के निजी भूमि में सरकारी धन से इंटरलॉकिंग लगाए जाने के मामले में 5 फरवरी 2023 को ग्राम पंचायत की खुली बैठक में 3 लाख 26 हजार रुपए की कार्य योजना प्रस्तावित हुई थी मामले की शिकायत के बाद इस प्रकरण में दो वर्ष से अधिक का समय बीत गया है जांच के नाम पर बार-बार दोषी ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव को जांच अधिकारियों ने बचाने का प्रयास किया जिससे सरकारी रकम के दुरुपयोग में तत्काल कार्रवाई नहीं हो सकी और तत्काल कार्रवाई न होने से जिम्मेदारों की भूमिका पर भी बड़े सवाल खड़े हैं दुरुपयोग की गयी सरकारी धन की अभी तक दोषियों से रिकवरी नहीं हुई है जिससे पंचायत सचिव को निलंबित किए जाने के बाद भी इस संपूर्ण प्रकरण पर जिम्मेदारों की भूमिका पर बड़े सवाल खड़े हैं सरकारी धन के दुरुपयोग के इस मामले में लगातार आरोपियों को बचाने का प्रयास दो वर्ष से हो रहा था पशुपतिनाथ श्रीवास्तव की निजी भूमि पर इंटरलॉकिंग लगाए जाने के मामले में पंचायत सचिव को निलंबित किए जाने के बाद जिला विकास अधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी सिराथू को जांच अधिकारी नियुक्त किया है अब आगे देखना यहां है कि सरकारी धन के दुरुपयोग के इस मामले में दोषियों से सरकारी धन की रिकवरी कब होती है या फिर जांच के नाम पर सरकारी धन के दुरुपयोग का यह मामला केवल लीपापोती और अभिलेख तक सीमित रहेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने नासिक दरगाह की तोड़फोड़ पर लगाई रोक, बॉम्बे हाईकोर्ट से मांगी रिपोर्ट

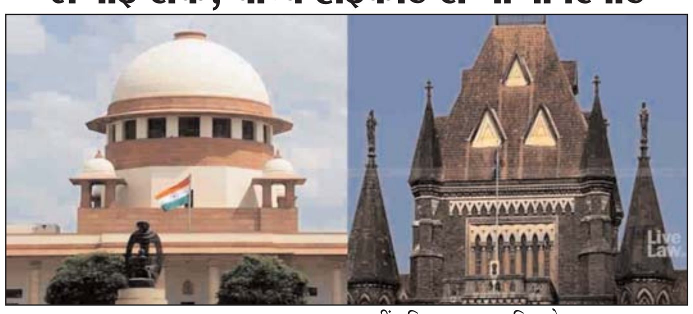

स्वतंत्र प्रभात

सुप्रीम कोर्ट ने हजरत सातपीर सैयद बाबा दरगाह को ढहाने संबंधी नासिक नगर निकाय के नोटिस पर अंतरिम रोक लगा दी है और दरगाह की याचिका को सूचीबद्ध न करने पर बंबई उच्च न्यायालय से रिपोर्ट मांगी है।नासिक के काठे गली में स्थित दरगाह के खिलाफ नगर निकाय की कार्रवाई कथित तौर पर 15 और 16 अप्रैल की मध्यरात्रि में की गई थी। न्यायालय में सुनवाई 16 अप्रैल को हुई।

न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जॉयमाला बागची की पीठ ने इस बात का संज्ञान लिया कि याचिका सात अप्रैल को उच्च न्यायालय के समक्ष दायर की गई थी, लेकिन उस पर सुनवाई नहीं हुई।दरगाह प्रबंधन का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता नवीन पाहवा ने दावा किया कि तमाम प्रयासों के बावजूद मामला उच्च न्यायालय में सूचीबद्ध नहीं किया गया, जिसके बाद उच्चतम न्यायालय ने यह ''असाधारण कदम'' उठाया। पीठ ने आदेश दिया, ''इस बीच, जैसा कि अनुरोध किया गया है, प्रतिवादी संख्या एक-नासिक नगर निगम द्वारा जारी एक अप्रैल 2025 के नोटिस पर रोक रहेगी।'' पीठ ने मामले की सुनवाई 21 अप्रैल के लिए स्थगित कर दी।।

पीठ ने 16 अप्रैल के अपने आदेश में कहा, ''हमने वरिष्ठ अधिवक्ता के इस विशिष्ट बयान के मद्देनजर यह असाधारण कदम उठाया है कि मामले को सूचीबद्ध करने के लिए हर दिन प्रयास किए गए थे। हम इस बयान को लेकर अनिश्चित हैं कि उच्च न्यायालय ने बार-बार अनुरोध किए जाने के बावजूद मामले को सूचीबद्ध नहीं किया होगा। यह एक गंभीर बयान है और वकील को इस तरह के बयान के परिणाम की जिम्मेदारी लेनी चाहिए और इसे समझना चाहिए।''

नगर पालिका में फर्जी रजिस्ट्रेशन बना भ्रष्टाचार का जरिया

● करोड़ों रुपए की ठेकेदारी कर गोलमाल कर रहे है जिम्मेदार जांच हुई तो सलाखों के पीछे होंगे जिम्मेदार

फर्जी तरीके से ठेकेदारों ने कराई नगर पालिका में ठेकेदारी का रजिस्ट्रेशन

जांच में उजागर होने के बाद गिरफ्तार कर जेल भेजने के बजाय बचाने की कवायद हुई शुरू

स्वतंत्र प्रभात

कौशाम्बी। जनपद के नगर पालिका परिषद मंझनपुर में ठेकेदारों के द्वारा फर्जीवाड़े का मामला एक बार फिर बड़ा खुलासा हुआ है हालांकि ठेकेदारों के पीछे नगर पालिका की सरकारी मशीनरी कम दोषी नहीं है फर्जी अभिलेखों के जरिये ठेकेदारों को रजिस्ट्रेशन देकर करोड़ों का ठेका दे दिया गया है जिससे सही ठेकेदारों को रजिस्ट्रेशन नहीं मिल सका और अच्छे लोगों को सरकारी कार्यों को करने का मौका छीन लिया गया क्या जिससे घटिया क्वालिटी के निर्माण हुए जांच के दौरान ठेकेदारों के फर्जीवाड़े का सब कुछ खुलासा हो चुका है लेकिन अभी तक ठेकेदारों पर मुकदमा लिखा करके उनकी गिरफ्तारी करते हुए उनके रजिस्ट्रेशन को ब्लैक लिस्टेड कर करोड़ो के दिये गए ठेके को अवैध घोषित कर कार्यवाही क्यों नहीं की गई है। जिससे नगर पालिका पर भी बड़े सवाल खड़े हो रहा है नगर पालिका में रजिस्ट्रेशन के समय ही फर्जीवाड़ा शुरू हो गया फर्जी एफडीआर फिक्स डिपॉजिट की रसीद लगाकर ठेका लेने वाले ठेकेदारों के कारनामे खुलने पर भी मुकदमा दर्ज करके गिरफ्तारी नहीं कराई गई है ठेकेदारों के पास जमानत धनराशि जमा करने की औकात नहीं थी तो इनको ठेका कैसे दे दिया गया ठेकेदारों के फर्जी वाड़े का खुलासा होने के बाद उनको गिरफ्तार करने के बजाय नगर पालिका के ठेकेदारी में फर्जीवाड़ा करने वाले फ्राड ठेकेदारों को बचाने की कवायद शुरू है

कौशाम्बी में टेण्डर प्रक्रिया में भष्ट्राचार का बड़ा खेल नगर पालिका मंझनपुर का फर्जीवाड़ा सामने आया है नगर पालिका मंझनपुर की टेण्डर प्रक्रिया एक बार फिर संगीन सवालों के घेरे में है। हाल ही में ठेकेदारों द्वारा लगाई गई फर्जी एफडीआर (फिक्स डिपॉजिट रसीद) की जांच में जो खुलासे हुए हैं, उन्होंने स्थानीय प्रशासन की साख को चौपट कर दिया है। आरोप है कि नगरपालिका में अपने करीबी ठेकेदारों को अनुबन्ध दिलाने के लिये दबाव बनाया गया जिससे भ्रष्टाचार की इस गन्दगी को बढ़ावा मिला इस मामले की गम्भीरता को देखते हुए पहले भी टेण्डर प्रक्रिया विवादों में रही है, लेकिन इस बार स्थिति बेहद चिन्ताजनक है। ठेकेदारों ने क्लोन एफडीआर का इस्तेमाल कर टेण्डर हथियाने की नापाक कोशिश की है, जिससे यह सवाल उठता है कि क्या नगर पालिका का प्रशासन इस भ्रष्टाचार की आड़ में अपनी आंखें मूंदे धृतराष्ट्र की भूमिका में बैठा रहा?

इसके अलावा चौंकाने वाली बात यह है कि जब जांच में दोषियों का पता चला, तब भी प्रशासन ने उन्हें क्लीन चिट दे दी। नगर वासियों के अनुसार, यह सब अनैतिकता और भ्रष्टाचार का प्रत्यक्ष प्रमाण है। स्थानीय जनता अब उच्च-स्तरीय जांच की मांग कर रही है और इस मामले में सख्त कार्यवाही की आवश्यकता महसूस कर रही है नगरवासियों का कहना है कि भ्रष्टाचार के इस मामले को न केवल खामोशी से सुनना चाहिये, बल्कि इसकी गहराई से जांच करने की भी जरूरत है। क्या प्रशासन इस गन्दगी को मिटाने की दिशा में ठोस कदम उठायेगा, या फिर यह वाकया भी अतीत में खो जाएगा? इस मामले में सफाई एवं जवाबदेही की दिशा में ठोस कार्यवाही का होना अनिवार्य है।

समय आ गया है कि नगर पालिका मंझनपुर में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ एक सख्त आवाज उठाई जाये। यह सब देखकर यह स्पष्ट होता है कि यदि प्रशासन ऐसे ही लापरवाह बना रहा, तो यह नगर पालिका मंझनपुर की सम्पूर्ण स्वच्छता, पारदर्शिता और विकास पर एक बड़ा सवाल खड़ा कर देगा। सामने क्या आयेगा, यह तो समय बताएगा, लेकिन जनता अब और चुप नहीं बैठने वाली है।

वक्फ कानून- इन 5 पांच प्रमुख याचिकाओं पर होगी 5 मई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

● तब तक नए प्रावधानों पर रोक।

स्वतंत्र प्रभात

वक्फ कानून को चुनौती देने वाली 70 से ज्यादा याचिकाओं में से सिर्फ 5 मुख्य याचिकाओं पर ही अब सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। बाकी याचिकाओं को इंटरवेंशन माना जाएगा। अगली सुनवाई 5 मई को होनी है। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ कानून पर अंतरिम रोक लगा दी है। इस तरह कह सकते हैं कि फिलहाल यह कानून ठंडे बस्ते में चला गया है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि जब तक यह मामला कोर्ट के सामने लंबित है, तब तक सरकार इस कानून के किसी भी हिस्से को लागू करने की कोशिश न करे। मामले की अगली सुनवाई 5 मई 2025 को होगी, जिसके बाद नया आदेश आ सकता हैं।

वक्फ बाय यूजर जारी रहेगा- सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि जो संपत्तियां वक्फ को दी गई हैं, उनका डीनोटिफिकेशन नहीं होगा और न ही उनका दोबारा रजिस्ट्रेशन होगा। कलेक्टरों को अतिरिक्त काम नहीं- कलेक्टर अपना रूटीन का काम करते रहेंगे, उन्हें वक्फ कानून से संबंधित कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। वक्फ बोर्ड और काउंसिल का पुनर्गठन रुका- वक्फ बोर्ड और वक्फ काउंसिल के पुनर्गठन पर भी अंतरिम रोक लगा दी गई है। यानी, अभी जो व्यवस्था है, जिसमें गैर-मुस्लिम सदस्य नहीं हो सकते, वही जारी रहेगी।

सुप्रीम कोर्ट में वक्फ मामले की सुनवाई के लिए वे पांच लीड याचिकाएं कौन सी होंगी इसका फैसला हो गया है। बृहस्पतिवार को मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि इस मामले में अभी तक बहुत सी याचिकाएं (70 से ज्यादा) दायर हो चुकी हैं और लगातार दायर हो रही हैं। इस कारण लगातार दायर होने वाली याचिकाओं के चलते सुनवाई में दिक्क हो सकती है, इसलिए याचिकाकर्ताओं को मिलकर पांच याचिकाएं को चुन लेना चाहिए जो लीड याचिका मानी जाएंगी और मुख्य सुनवाई उन्हीं पर होगी। बाकी याचिकाओं को इंटरवेंशन या इमप्लीडमेंट एप्लीकेशन माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट द्वारा देर रात जारी ऑर्डर में जिन पांच याचिकाओं का जिक्र किया गया है, वे इस तरह हैं-।

1.अरशद मदनी, 2. मुहम्मद जमील मर्चेंट, 3. मुहम्मद फजलुररहीम, 4. शेख नूरुल हसन, 5. असदुद्दीन ओवैसी।

इन पांच याचिकाओं को चुनने का फैसला किस तरह हुआ है, यह अभी तक यह स्पष्ट नहीं है।लीड याचिकाएं तय हो जाने का एक अर्थ यह भी हुआ है कि पांच मई को जब मामले की अगली सुनवाई होगी तो मुख्य रूप से इन्हीं के वकील अदालत में बहस करेंगे। हालांकि बाकी याचिकाएं को इंटरवेंशन का दर्जा दिया गया है तो उनके वकील भी जरूरत पड़ने पर दखल दे सकेंगे। अभी तक इस मामले में जो सुनवाई चली है उसमें मुख्य रूप से सलमान खुर्शीद, कपिल सिब्बल, अभिषेक मनु सिंघवी, राजीव धवन, हफ्जा अहमदी ने बहस में भाग लिया था। अब इनमें से कई मुख्य भूमिका में नहीं होंगे। जो पांच लीड याचिकाएं तय हुई हैं उनमें उपरोक्त वकीलों से राजीव धवन का नाम है जो मुहम्मद जमील मर्चेंट के वकील हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, '110 से 120 फाइलें पढ़ना संभव नहीं हैं। ऐसे में सिर्फ 5 मुख्य आपत्तियों पर ही सुनवाई होगी। सभी याचिकाकर्ता मुख्य बिंदुओं पर सहमति बनाएं। नोडल काउंसिल के जरिए इन आपत्तियों को तय करें।' हालांकि बेंच ने 10 याचिकाएं लिस्ट कर लीं। इसके अलावा तीन नोडल वकील नियुक्त करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वे तय करें कि कौन बहस करेगा। 5 मई अंतरिम आदेश के लिए होगी। कोर्ट ने मामले का कॉज टाइटल भी बदलकर 'इन रि- वक्फ अमेंडमेंट एक्ट' कर दिया।।

सीजेआई संजीव खन्ना और जस्टिस पीवी संजय कुमार, जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच इस मामले पर सुनवाई कर रही है। केंद्र की ओर से स्त्र तुषार मेहता जबकि कानून के खिलाफ कपिल सिब्बल, राजीव धवन, अभिषेक मनु

सिंघवी, सीयू सिंह दलीलें रख रहे हैं। इन लीड याचिकाओं के अलावा अदालत ने तीन नोडल काउंसिल नियुक्त किए हैं। इनमें से एक हैं एडवोकेट एजाज अहमद जो याचिकाकर्ताओं की तरफ से नोडल काउंसिल होंगे। एडवोकेट कनु अग्रवाल सरकार की तरफ से नोडल काउंसिल होंगे। इसके अलावा एडवोकेट विष्णु शंकर जैन इंटरवेंशन करने वालों की तरफ से नोडल काउंसिल होंगे।

गुरुवार की सुनवाई के बाद कोर्ट ने केंद्र सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए 7 दिन का वक्त दिया है। सरकार के जवाब के बाद याचिकाकर्ताओं को 5 दिन में जवाब देना होगा। अगली सुनवाई 5 मई को दोपहर 2 बजे होगी। केंद्र सरकार ने कोर्ट को आश्वस्त किया कि 5 मई तक किसी भी वक्फ संपत्ति (वक्फ बाय यूजर संपत्ति, पहले से पंजीकृत या अधिसूचना के जरिये घोषित) से कोई छेड़छाड़ नहीं की जाएगी। उन्हें डी-नोटिफाई भी नहीं किया जाएगा, न ही केंद्रीय वक्फ परिषद और वक्फ बोर्डों में किसी

माता-पिता ने 14 साल की बेटी को 3 लाख रुपए में बेचा

● 4 महीने बाद बेटी भागकर आई तो घर पर नहीं रखा।

स्वतंत्र प्रभात

यूपी के कौशांबी जिले में मानव तस्करी का मामला सामने आया है. यहां माता-पिता ने अपनी 14 वर्षीय बेटी को हरियाणा के व्यक्ति को बेच दिया. व्यक्ति ने उसे हरियाणा ले जाकर 4 महीने तक बंधक बनाया और जबरन शारीरिक संबंध बनाए.किशोरी जब आरोपी की चंगुल से छूटी तो वह वापस घर भाग आई. पीड़िता का आरोप है कि आरोपी जबरन उसे वापस ले जाना चाहता है. मामले में शिकायत मिलने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दिया है।

मामला कोखराज थाना क्षेत्र की है. यहां की रहने वाली एक किशोरी को उसी के माता-पिता ने हरियाणा के संदीप त्यागी नामक व्यक्ति को 3 लाख रुपए में बेच दिया. इसके बाद संदीप त्यागी उसे हरियाणा ले गया और वहां उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। किशोरी का कहना है कि लगभग चार महीना तक उसे वहां पर बंधक बनाकर रखा गया. किसी प्रकार वह आरोपी के चंगुल से छूटकर वापस घर भाग आई. उसे घर पर देखकर माता-पिता ने वापस जाने के लिए कहा. इसके बाद वह अपनी मौसी के यहां भाग गई और पूरे मामले

की शिकायत पुलिस से की।

पीड़िता का आरोप है कि आरोपी उसे जबरन हरियाणा ले जाना चाहता है और जाने से मना करने पर जान से मारने की धमकी देता है. पुलिस ने पीड़िता के शिकायती पत्र के आधार पर माता-पिता और खरीददार के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है ।बताया जा रहा है कि लड़की के माता-पिता ने आर्थिक तंगी के चलते ये कदम उठाया. क्षेत्राधिकारी कौशाम्बी अभिषेक सिंह कोखराज थाना क्षेत्र की एक नाबालिग लड़की द्वारा थाने में शिकायती पत्र दिया था कि उसको उसके ही माता-पिता द्वारा दूसरे राज्य के उम्रदराज व्यक्ति के पास बेच दिया गया था। पीड़िता का आरोप है कि उसने उसके साथ गलत काम किया. इस मामले में शिकायती प्रार्थना पत्र के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है. आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा टीमों का गठन किया गया है. जल्द ही उनकी गिरफ्तारी की जाएगी और सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

भूमि कब्जा कराने का ठेका लेने वाली पुलिस रच रही साजिश

● पुलिस की तानाशाही से क्षेत्र की जनता है परेशान

स्वतंत्र प्रभात

कौशाम्बी। योगी सरकार के भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था न्याय प्रियता और पीड़ित को त्वरित न्याय दिए जाने के निर्देश पर पुलिस तानाशाही करके मनमानी तरीके से कानून व्यवस्था को चलाना चाहते हैं।विवाद उत्पन्न कराकर दूसरे के खेत पेड़ पर कब्जा कराने का ठेका लेने वाली शमसाबाद चौकी पुलिस के कारनामे से इलाके में न्याय व्यवस्था का गला घोटा जा रहा है। न्याय के लिए आम जनता परेशान है। शमसाबाद चौकी पुलिस तानाशाही का आलम यह है कि अब वह कोतवाल मंझनपुर की भी बात मानने को कतई तैयार नहीं है। दूसरे के खेत और पेड़ पर कब्जा कराने का चौकी पुलिस ठेका ले लिया है। ठेका के चलते कब्जा करने वाले लोगों को चौकी पुलिस रोकने का निर्देश नहीं दे रहे हैं। जबकि खेत और पेड़ कब्जा करने वाले को कोतवाली में पकड़ कर लाने का निर्देश चौकी इंचार्ज को कोतवाल ने दिया था। लेकिन धीरे-धीरे 3 दिन बीत गया है लेकिन आरोपी को पकड़कर चौकी इंचार्ज कोतवाली नहीं लेकर आए हैं। जिससे चौकी इंचार्ज की मनसा का अन्दाजा लगाया जा सकता है। आरोपी खुलेआम क्षेत्र में घूम रहा है। चौकी इंचार्ज के लगातार सम्पर्क में है लेकिन चौकी इन्चार्ज कोतवाल के निर्देश पर उसे तीन दिन बाद भी पकड़कर कोतवाली नहीं लाए है।

जानकारी के मुताबिक यदुवीर पुर गांव निवासी पत्रकार महेन्द्र मिश्रा के खेत के बाहर पड़ोसी गांव के व्यक्ति ने झोपड़पट्टी डाल दिया है। कब्जा करने का प्रयास कर रहा है। मामले की शिकायत 2 महीने पूर्व महेन्द्र मिश्रा ने कोतवाली पुलिस से की थी लेकिन चौकी इंचार्ज की लचर व्यवस्था से मामले का निस्तारण नहीं हो सका। इसी जमीन के बगल में महेन्द्र मिश्रा का महुआ का पेड़ है। जिसमें इस समय महुआ का फूल गिर रहा है। महुआ के फूल को कब्जा करने वाला व्यक्ति जबरिया महुआ बिन रहा है। महेन्द्र मिश्रा जब महुआ की फूल बिनने से उसे मना करते हैं। तो दलित

का फायदा उठाते हुए महेन्द्र मिश्रा के साथ गाली गलौज किया जाता है। मारपीट करने की कोशिश की जाती है और अनुसूचित जाति की धारा में फर्जी फसाने का प्रयास किया जाता है। जिससे महेंद्र मिश्रा विवाद से बच रहे हैं।मामले की शिकायत 3 दिन पूर्व फिर उन्होंने मंझनपुर कोतवाल से की जिस पर मंझनपुर कोतवाल ने फोन करके चौकी इंचार्ज को निर्देशित किया कि आरोपी को पकड़ कर कोतवाली ले आओ दोनों पक्षों के सामने दोनों पक्ष की बात सुनते हैं ,लेकिन 3 दिन बीत गए चौकी इंचार्ज आरोपी को पकड़कर कोतवाली नहीं ला सके हैं। जिससे उनकी लचर व्यवस्था और भ्रष्टाचार का अन्दाजा लगाया जा सकता है। चौकी इंचार्ज विवाद उत्पन्न करा करके धन वसूली में लगे हैं। जिससे पूरी पुलिस शर्मसार हो रही है।

ग्राम सभा कादीराबाद में भ्रष्टाचार के नए-नए मामले हो रहे उजागर

● शीतला प्रसाद पुत्र राजाराम का आवास शीतल प्रसाद पुत्र दूधनाथ को

स्वतंत्र प्रभात

कौशाम्बी। जनपद की मंझनपुर तहसील के अन्तर्गत ग्राम पंचायत कादिराबाद के भ्रष्टाचार से जुड़े मामले रोज हो रहे उजागर हो रहा है वर्ष 2015 में जब तारा देवी पत्नी रोशन लाल प्रधान बनी तो उन्होंने अपने लेटर पैड में शीतल प्रसाद पुत्र दूधनाथ के स्थान पर शीतल प्रसाद पुत्र राजाराम का नाम लेटर पैड में लिखा प्रधान के लेटर पैड को लगा करके तहसील से निवास प्रमाण पत्र लेखपाल के द्वारा जारी किया गया लेखपाल को सही गलत की रिपोर्ट प्रधान ने ही दी थी लाभार्थी का कहना है कि प्रधान ने चुनाव के समय हमसे वादा किया था हम आपको सही गलत करके आवास देंगे लाभार्थी का कहना है कि प्रधान कह रहे थे की खबर चाहे जितनी चले कुछ होने वाला नहीं ऐसी खबर 365 दिन मेरे खिलाफ 10 वर्षों में से चल रही है

जब हमारी टीम ने इस मामले की जांच किया तो जांच में शीतल प्रसाद पुत्र राजाराम के नाम से एक आधार प्राप्त हुआ और दूसरा आधार शीतल प्रसाद पुत्र दूधनाथ के नाम से प्राप्त हुआ दोनों आधार कार्ड में शीतल प्रसाद की फोटो लगी है दोनों का आधार नम्बर एक है और इसकी जांच जिला निर्वाचन अधिकारी के यहां से किया गया तो लोकसभा विधानसभा की निर्वाचन सूची में सीरियल नम्बर 651 व मकान नम्बर 112 में शीतल प्रसाद दूधनाथ का नाम अंकित है जब शीतल प्रसाद दूधनाथ की बैंक पासबुक को देखा गया तो बैंक ऑफ़ बड़ौदा मंझनपुर विकास भवन में इनका खाता संचालित है खाता संख्या-29758100006969 में शीतल प्रसाद नाम अंकित है दूसरी पासबुक में भी शीतल प्रसाद नाम अंकित है लेकिन दोनों का खाता नम्बर अलग-अलग है यही नहीं जब इसकी जांच किया गया तो शीतल प्रसाद के आवास में पेट के माध्यम से लिख पाया गया कि वर्ष 2018-19 में शीतल प्रसाद पुत्र दूधनाथ को आवास दिया गया है।

यदि जिला अधिकारी ने जांच कराया तो प्रधान सलाखों के पीछे होगा गरीब जनता को ईमानदार जिला अधिकारी से बहुत कुछ उम्मीद है कि कादीराबाद में हो रहे भ्रष्टाचार को रोकने के लिए ऐसे ईमानदार जिलाधिकारी मामले को संज्ञान में लेकर प्रधान के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते है कि नहीं की प्रधान के रसूख के आगे जिला अधिकारी कदम पीछे हट जायेंगे।

संक्षिप्त खबरें

नीलाम पत्र वाद की समीक्षा को लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

सुपौल। जिलाधिकारी कौशल कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को उनके कार्यालय कक्ष में नीलाम पत्र वाद से संबंधित समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में आगामी 19 अप्रैल 2025 को आयुक्त, कोशी प्रमंडल, सहरसा की अध्यक्षता में होने वाली राजस्व वाद एवं नीलाम वाद समीक्षा बैठक की तैयारियों पर चर्चा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने सुपौल जिला के सभी नीलाम पत्र पदाधिकारियों को निदेशित किया कि वे अपने-अपने लंबित नीलाम वादों की अद्यतन रिपोर्ट तैयार कर निर्धारित समय पर आयुक्त स्तरीय बैठक में भाग सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि रिपोर्ट संपूर्ण, तथ्यात्मक एवं अद्यतन होनी चाहिए ताकि प्रमंडलीय स्तर पर समीक्षा प्रभावी ढंग से की जा सके। बैठक में अपर समाहर्त्ता श्री राशिद कलीम अंसारी एवं जिला स्तर के सभी नीलाम पत्र पदाधिकारी भौतिक रूप से उपस्थित थे, जबकि अनुमंडल एवं अंचल स्तर के पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नीलाम पत्र वादों के निष्पादन में तेजी लाई जाए एवं अनावश्यक लंबित मामलों को शीघ्र निपटाया जाए, ताकि आमजन को शीघ्र न्याय मिल सके।

मैट्रिक और इंटर का मूल प्रमाण पत्र खो जाने पर थाने में कराया सन्हा दर्ज

बोरियो- साहेबगंज जिले के बोरियो प्रखंड अंतर्गत चशमा पंचायत स्थित धनेला गांव निवासी निखिल नीरज हेंब्रम ने 30 मार्च 2025 को बोरियो थाना में आवेदन दिया है। उन्होंने सन्हा दर्ज कराते हुए बताया कि साहेबगंज से बोरियो आने के क्रम में उसका मेट्रिक ओर इंटर का मूल प्रमाण पत्र कहीं खो गया है। उन्होंने आग्रह किया है कि अगर किसी को मेरा डॉक्यूमेंट्स मिल जाए तो कृपया करके वापस कर दे। साथ ही उन्होंने अपना मोबाइल नंबर 8102788250 साझा किया। कहा कि डॉक्यूमेंट्स मिलने के बाद इसी नंबर पर संपर्क करें।

कूद में शिव मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा को लेकर हुआ भूमि पूजन

हजारीबाग, झारखंड- कुद स्थित शिव मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा किया जाना है। भूमि पूजन करने के लिए मंदिर समिति की एक बैठक बुलाई गई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि शुक्रवार को भूमि पूजन का कार्यक्रम करना है। साथ ही 5 मई को भव्य शोभायात्रा कलश यात्रा पंचांग पूजन मंडप प्रवेश का कार्यक्रम किया जाएगा। 6 मई को गौरी गणेश पूजन हवन आरती एवं रात्रि में कथा प्रवचन किया जाएगा। सात मई को पाठ हमन आरती फलादिवस और रात्रि में प्रवचन किया जाएगा। 8 मई को नगर भ्रमण आरती तथा कथा प्रवचन किया जाएगा। अंतिम दिन 9 में को प्राण प्रतिष्ठा कन्या पूजन भंडारा एवं रात्रि में भव्य जागरण का आयोजन किया जाएगा। इस प्राण प्रतिष्ठा के लिए विशेष कथा वाचक दिगंबर शास्त्री को वाराणसी से बुलाया गया है। साथ ही विशेष पूजा हेतु पंडित अमित शास्त्री को आमंत्रित किया गया है। मंदिर समिति की बैठक में अवध किशोर साव, उमेश साव, सुदर्शन राणा, पंकज ठाकुर, उमेश राणा, उमेश साव, विजय साव एवं अन्य ग्रामीण लोग उपस्थित हुए।

मिशन होस्पिटल में आज निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर

ब्रेन, स्पाइन एवं नस रोग विशेषज्ञ डॉ. विराट हर्ष निशुल्क जांच एवं परामर्श में देंगे अपना योगदान

हजारीबाग, झारखंड- हजारीबाग रविन्द्र पथ बिजली ऑफिस के विपरीत स्थित संत कोलम्बस मिशन होस्पिटल में आज शनिवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर लगाया गया है। जिसमें ब्रेन, स्पाइन एवं नस रोग विशेषज्ञ डॉ. विराट हर्ष निशुल्क जांच एवं परामर्श में अपना योगदान देंगे। शिविर में ब्रेन स्ट्रोक/लकवा/ब्रेन हेमरेज, सर एवं रीढ़ में चोट, सिरदर्द या माइग्रेन, मिर्गी के दौरे/फरका, चेहरे के नसों में दर्द, चेहरे का लकवा, हैड्रोकिपहलस, पार्किंसन, अल्जामडर, स्पाइनल ट्यूमर, गर्दन, पीठ या कमर दर्द, साइटिका या स्लिप डिस्क, सिर और पैर का सुन्न होना, रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर, कार्पल टनल सिंड्रोम, न्यूरोपैथी, हाथ पैर कापना, हाथ पैर में सूनापन या झनझनाहट, ब्रेन या स्पाइन की जन्मजात विकृति एवं याददाश्त में कमी पर निशुल्क परामर्श प्रदान किया जाएगा। शिविर पूरी तरह से निशुल्क है। मिशन होस्पिटल में ब्रेन, स्पाइन एवं नस रोग विशेषज्ञ डॉ. विराट हर्ष प्रत्येक शनिवार को दोपहर 2:00 से 3:00 बजे तक बैठते हैं और मरीजों की सेवा में अपना योगदान देते आ रहें हैं।

आठ बर्षीय बच्ची के साथ 45 बर्षीय अधेड के द्वारा दुष्कर्म का प्रयास

स्वतंत्र प्रभात

वीरपुर भीमनगर थाना क्षेत्र मे आठ बर्षीय बच्ची के साथ 45 बर्षीय अधेड के द्वारा दुष्कर्म का प्रयास करने का मामला प्रकाश मे आया है। पुलिस नें त्वरित कारवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बच्ची गुरुवार को दिन के करीब साढ़े 12 बजे के आसपास स्कुल से अपनी 6 बर्षीय छोटी बहन के साथ लौट रही थी। इस क्रम मे बीएमपी के पास के चौक पर 45 बर्षीय सनोज कुमार नें बच्ची को चॉकलेट बिस्किट देकर दोनों बहन को अपने घर के भीतर ले गया, और बच्ची का हाथ पैर बांध एव मुँह पर टेप चिपका दिया और दुष्कर्म का प्रयास करने लगा। इस क्रम मे साथ आई 6 बर्ष की छोटी बच्ची जोर जोर से रोने लगी, शोर सुनकर आसपास के लोग पहुंच गए, इस क्रम मे सनोज कुमार भाग निकला और बच्ची के दुष्कर्म का प्रयास बीफल रहा।

बच्ची के परिजनों के द्वारा भीमनगर थाने मे मामले को लेकर लिखित आवेदन दिया गया है। भीमनगर थाना पुलिस नें त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी सनोज कुमार को गिरफ्तार कर लिया । इस संबंध मे भीमनगर पुलिस नें कांड संख्या 25/25 दर्ज कर मामले की तहकीकात शुरू कर दी है।

डीएसपी सुरेन्द्र कुमार नें भी भीमनगर पहुंच कर मामले की तहकीकात की और कहा की 8 बर्षीय बच्ची के साथ 45 बर्षीय अधेड के द्वारा बहला फुसलाकर दुष्कर्म का प्रयास करने का मामला सामने आया है। पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है, आरोपी पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत मे भेजा जा रहा है।

मामले को लेकर भीमनगर मे चर्चाओ का बाजार गर्म।

8 बर्षीय बच्ची के साथ 45 बर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म के प्रयास की चर्चा भीमनगर मे पुरे दिन होती रही। लोगो नें ज़ब इस घटना को सुनी तो पहले किसी नें विश्वास नहीं किया।आरोपी की स्टेशनरी की दुकान है। जिसमे कॉपी कलम, के साथ बच्चों के खाने पिने के सामान बिस्कुट, चॉकलेट, कुरकुरे आदि भी मिलती है। इसलिए स्कूली बच्चे अक्सर उनकी दुकान पर आते जाते रहते है। बच्चों से मिल रहे प्रेम का दुरूपयोग कर आरोपी नें इस घटना को अंजाम देने की असफल कोशिश की। समाज के लोगो के बिच यह घटना चर्चा का बिषय बना हुआ है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई नार्कोटिक्स समन्वय समिति की बैठक

● पुलिस अधीक्षक, एसडीएम व अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारी हुए शामिल

स्वतंत्र प्रभात

पाकुड़, झारखंड– समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में नार्कोटिक्स समन्वय समिति (हृष्टह्रञ्ज) की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नशीली दवाओं के खिलाफ की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की गई। एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामलों, नशीले पदार्थों के उत्पादन, प्रसंस्करण और तस्करी की रोकथाम पर चर्चा की गई। इसके अलावा, नगर क्षेत्र के युवा आबादी में नशे के खिलाफ जागरूकता लाने और दवा दुकानों में बिना प्रिस्क्रिप्शन के दवा देने तथा ड्रग पेडलर के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई को सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि बगैर चिकित्सक के परामर्श के बिक्री हेतु प्रतिबंधित दवाओं की सूची सभी मेडिकल संचालक अपने दुकानों में डिस्प्ले करेंगे।उन्होंने नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध व्यापार को समाप्त करने के लिए ठोस कार्रवाई के निर्देश दिए। अंतर्राज्यीय और अंतरजिला मार्गों पर तस्करी की प्रवृत्तियों के बारे में जानकारी एकत्र कर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात की गई। थाना स्तर पर सभी निजी व सरकारी स्कूल के प्राचार्य के साथ बैठक करने, पैरेंट्स टीचर मीटिंग में जागरूक करने, सभी स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में सघन जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश शिक्षा विभागीय पदाधिकारी को दिया गया।

रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार को तत्काल प्रभाव से हटाया गया, मंत्री डॉ. इरफान अंसारी का सख्त संदेश

स्वतंत्र प्रभात

रांची- राज्य की चरमराती स्वास्थ्य व्यवस्था पर अब सरकार ने सख्त रुख अपनाना शुरू कर दिया है। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने आज बड़ा प्रशासनिक फैसला लेते हुए रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार को तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया। इस कार्रवाई के पीछे लगातार लापरवाही, विभागीय आदेशों की अनदेखी और फाइलों को जानबूझकर लंबित रखना कारण बताया गया। मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने रिम्स और स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान कई गंभीर खामियों को उजागर किया। सूत्रों के मुताबिक, मंत्री परिषद और शासी परिषद द्वारा जारी निर्देशों को रिम्स निदेशक द्वारा न केवल नजरअंदाज किया गया, बल्कि जवाबदेही से भी बचने की कोशिश की गई। कार्रवाई के बाद मीडिया से बात करते हुए डॉ इरफान अंसारी ने सख्त लहजे में कहा कि अब जो भी गलती करेगा, बख्शा नहीं जाएगा। मैं मंत्री बनने नहीं, सिस्टम सुधारने आया हूं। जो काम करेगा, उसे इनाम मिलेगा, लेकिन जो अंधेरे में रखेगा, उस पर सीधा एक्शन लिया जाएगा। इस फैसले के बाद स्वास्थ्य विभाग में हलचल मच गई है।

विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने किया हिरणपुर प्रखंड क्भ्रमण

स्वतंत्र प्रभात

हिरणपुर, पाकुड़, झारखंड- उपायुक्त मनीष कुमारने कहा कि विगत रात जिला मुख्यालय में गलत अफवाह फैलाया गया था जिसपर प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है। कहीं कोई भी ऐसी सूचना नहीं है, जहां शांति भंग हुई हो। उपायुक्त ने जिलेवासियों से किसी भी प्रकार की अफवाह से सावधान रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी अफवाह या विवाद की स्थिति में तुरंत प्रशासन को सूचित करें। जो अफवाह फैला रहे हैं उनको चिन्हित करते हुए सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने बीडीओ, अंचलाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों को हरएक गतिविधियों पर पैनी नजर रखने एवं किसी भी अप्रिय घटना पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने बताया कि प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है। विगत रात कुछ अफवाह उड़ायी गई थी जिसे देखते हुए पुलिस प्रशासन नजर बनाए हुए है। जिला में किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं है, स्थिति पूरी तरह से सामान्य है। लोग अपने जीवन यापन सामान्य तरीके से कर रहे हैं। पूरे जिला प्रशासन के साथ पुलिस प्रशासन की टीम तैनात हैं। पुलिस अधीक्षक ने समस्त जिलावासियों से अपील किया कि कहीं भी किसी भी प्रकार के भ्रामक खबर मिलता है तो उसको आगे फॉरवर्ड नहीं करें पहले प्रशासन के किसी न किसी पदाधिकारी से सत्यापन जरूर करा लें। किसी भी परिस्थिति में कानून को अपने हाथ में न लें। कोई अगर अफवाह फैलता है तो सख्ती से कारवाई करेंगे। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी व अंचलाधिकारी एवं थाना प्रभारी उपस्थित थे।

दो समुदायों में तनाव, मंडरो बाजार बना पुलिस छावनी

स्वतंत्र प्रभात

मंडरो, साहिबगंज, झारखंड- गुरुवार को साहिबगंज और गोड्डा जिले की सीमा पर स्थित माल मंडरो बाजार में दो समुदायों के बीच तनाव फैलने के बाद क्षेत्र को कुछ घंटों के लिए पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। स्थिति को संभालने के लिए दोनों जिलों के आधा दर्जन से अधिक थाना क्षेत्रों की पुलिस मौके पर पहुंची और उच्च अधिकारियों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया।

घटना की शुरुआत सुबह उस वक्त हुई जब मिर्जाचौकी से फल लेकर बोआरीजोर की ओर जा रहा एक टोटो वाहन, मंडरो बाजार के पास एक बाइक से टकरा गया। मामूली टक्कर के बाद दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया जो जल्द ही बढ़ते-बढ़ते सामुदायिक तनाव में बदल गया। स्थिति बिगड़ते देख स्थानीय लोगों ने मुख्य सड़क पर कई स्थानों पर बांस-बल्लियों और अन्य सामानों से जाम लगा दिया, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। सूचना मिलते ही ठाकुरगंगटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अन्य थानों को भी बुलाया गया।मिर्जाचौकी, बोआरीजोर, मेहरमा, ठाकुरगंगटी, बलबड्डा, बोरियो समेत कई थानों की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला। वहीं, महागामा एसडीपीओ चंद्रशेखर आज़ाद, साहिबगंज एसडीपीओ किशोर तिर्की, मेहरमा के पुलिस निरीक्षक सोनी प्रताप, महागामा के अनुमंडल पदाधिकारी आलोक वरुण केसरी, मंडरो के बीडीओ मेघनाथ उरांव, ठाकुरगंगटी बीडीओ विजय कुमार मंडल और अंचलाधिकारी मदन महली सहित दर्जनों अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने मध्य विद्यालय माल मंडरो में दोनों समुदायों के लोगों के साथ बैठक कर तनाव को समाप्त करने का प्रयास किया और शांति बहाल की।

वीआईपी ग्रुप ने जरूरतमंद कन्या को दिया फ्रिज एवं दैनिक उपयोग की वस्तुएं

शाहजहांपुर/ शहर के चर्चित व्हाट्सएप वीआईपी ग्रुप विद हेल्पिंग हैंडस् के सदस्यों ने ग्रुप के 10 वर्ष पूर्ण होने पर शहर के एक होटल में मीटिंग कर ग्रुप द्वारा किये गए कार्यों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही आगे किये जाने वाले सेवाकार्यों की रणनीति तय की गयी । इस अवसर पर एक जरूरतमंद परिवार की कन्या को एक रेफ्रेजेटर व दैनिक उपयोगी बस्तुएँ उपहार स्वरूप भेंट की गई ।इस अवसर पर ग्रुप की अध्यक्ष दीपमाला रस्तोगी ने कहा कि वीआईपी ग्रुप का कार्यकाल वेहद शानदार रहा है विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी ग्रुप द्वारा कई सामाजिक कार्यक्रम व अनेकों जरूरतमंद लोगों की मदद की गई है । विगत वर्ष रोज़ा क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति का जब कारोबार फेल हो गया और वह कान्वेंट स्कूल में अपने बच्चों की फीस भरने में असमर्थ था । विषम परिस्थितियों में उसने अपनी किडनी बेचने की खबर जब शोशल मीडिया पर पोस्ट की जिस पर तत्काल ग्रुप के सदस्यों ने जाकर उनकी मदद की और ग्रुप के सदस्य योगेश गुप्ता ने उनकी बकाया फीस भी जमा की इस तरह के कार्य करते हुए मन को बहुत सुकून मिलता है।ग्रुप की कोषाध्यक्ष ज्योति गुप्ता ने बताया कि हम सब एक परिवार की तरह 10 वर्षों से सामाजिक कार्य कर रहे हैं हमेशा कुछ नया और अच्छा करने का हम सबका प्रयास रहता है कोरोना काल में जब आक्सीजन की किल्लत थी ग्रुप के सदस्यों ने आक्सीजन कन्सरटेटर खरीदा जो आज भी लोगों के काम आ रहा है।ग्रुप की संरक्षक डॉ.दीपा दीक्षित ने कहा कि इस ग्रुप में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से हरवर्ग के लोग जुड़े हुए हैं आगे भी इस ग्रुप के द्वारा सामाजिक कार्य होते रहेंगे। इस अवसर पर ग्रुप के ब्रांड एंबेसडर डॉ सुरेश चंद मिश्रा ,उपाध्यक्ष विनीत गुप्ता ,सचिन बाथम, मुकेश गुप्ता ,कुलदीप गुप्ता, रिद्धि बहल ,रंजना तिवारी, हेमा अग्रवाल , आदि ने अपने विचार भी व्यक्त किये इस दौरान ग्रुप की संरक्षक डॉ.दीपा सक्सेना , डॉ.रश्मि बहल व उपाध्यक्ष विनायक अग्रवाल आदि मौजूद रहे। अंत में ग्रुप क्रियेटर अभिनय गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, रामनगर में रोटरी क्लब द्वारा मेधावी विद्यार्थियों को साइकिल वितरण किया गया

हजारीबाग, झारखंड- सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, रामनगर में रोटरी क्लब हज़ारीबाग के सौजन्य से चार जरूरतमंद एवं मेधावी विद्यार्थियों को साइकिल वितरण किया गया। जिसमें कक्षा दशम की दीपिका कुमारी, कक्षा नवम के दिलखुश कुमार, कक्षा षष्ठ के सचिन तिवारी एवं पंचम की परी कुमारी को साइकिल प्रदान की गई। लाभुक विद्यार्थियों ने विद्यालय मैदान में साइकिल चलाकर उद्घाटन किया।कार्यक्रम में रोटरी क्लब अध्यक्ष श्रीमती मंदिरा गुप्ता, कोषाध्यक्ष श्री सुरेश प्रसाद, सदस्य श्री प्रमोद कुमार सिंहा, सदस्य श्रीमती पुष्पा प्रसाद एवं सदस्य श्री दिलीप कुमार गुप्ता उपस्थित रहे।विद्यालय समिति की ओर से अध्यक्ष डॉ. अमरदीप यादव, सचिव कौशल किशोर सिंह, उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंहा एवं प्राचार्य श्री राजकुमार नाग ने रोटरी क्लब के अधिकारियों और सदस्यों का अंग वस्त्र देकर अभिनंदन किया। रोटरी क्लब की इस पहल की विद्यालय प्रबंध समिति के अधिकारीगण एवं परिवार ने सराहना की और इसे विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायी कदम बताया। इस उत्साहवर्धक कार्यक्रम में श्रीमती सुधा राय, श्रीमती कविता सिंह, श्रीमती पुष्पा पाठक, श्रीमती सदन दफुवार, श्रीमती ऋषिका जानवी, नैन्सी कुमारी, दीपक कुमार, अभिषेक आनंद, श्रीमती सरिता कुमारी एवं श्रीमती शांति देवी समेत सैंकड़ों भैया-बहन उपस्थित रहे।

ननदोई ने यौन शोषण का विडियो किया वायरल

● पुलिस ने आरोपी को किया गिरफतार अब पिसेंगे जेल में चक्की

स्वतंत्र प्रभात

त्रिवेणीगंज, सुपौल ननदोई ने सामाजिक रिश्ते को तार तार करते हुए अपने साले की पत्नी से जबरन संबंध यौन शोषण किया और फिर बेशर्मी की हद पार करते हुए विडियो वायरल कर दिया ।जदिया - पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए विडियो वायरल करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी रंजीत साह राघोपुर थाना क्षेत्र के हुलास वार्ड 10 का निवासी बताया जाता है। जो रिश्ते में पीड़ित महिला का ननदोई बताया जाता है। थानाध्यक्ष राजीव कुमार ने बताया कि मधेपुरा जिला के शंकरपुर थाना क्षेत्र के बसंतपुर वार्ड 13 निवासी एक शादीशुदा 23 वर्षीय महिला ने बिगत 10 जनवरी 25 को जदिया थाना में एक केस दर्ज कराया था।

दर्ज केस में महिला ने आरोप लगाया था कि वह पांच महीने पहलेजदिया थाना क्षेत्र के कोरिया पट्टी के राजगांव स्थित अपने मायके आई थी। पिछले 30 अगस्त 24 को जब घर के सभी लोग खेत पर काम करने के लिए बहियार गए हुए थे। इसी दौरान मेरे ननदोई रंजीत साह चार चक्के वाहन से आया और मुझे बहला फुसलाकर शादी करने का झांसा देकर अनजान जगह पर ले गया और जबरन कई बार यौन शोषण किया तथा पहने हुए जेवर भी छीन लिया। इसी दौरान आरोपी ने यौन शोषण का विडियो बना डाला औरफिर मुझे अनजान जगह पर छोड़ दिया।बाद में किसी तरह अपने मायके वापस आयी। दर्ज केस में पीड़ित महिला ने कहा है कि ननदोई के यौन शोषण की बात जान दूसरे प्रदेश में कमाने गए मेरे पति भी अब अपने साथ मुझे रखने से इंकार कर रहे हैं। इस संबंध में थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी को गुरुवार की रात को छापामारी कर उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया है। आवश्यक पुछताछ के बाद उसे जेल भेजा जा रहा है।

यासीन खान बने झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के केन्द्रीय समिति सदस्य

स्वतंत्र प्रभात

हजारीबाग, झारखंड-यासीन खान को झारखण्ड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की केन्द्रीय समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। यह महत्वपूर्ण दायित्व उन्हें पाटयासीन खान बने झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के केन्द्रीय समिति सदर्स्यी के 13वें केन्द्रीय महाधिवेशन में राँची में सौंपा गया। इस अवसर पर उन्होंने पार्टी के संस्थापक संरक्षक दिशोम गुरु शिबू सोरेन, नवनिर्वाचित केन्द्रीय अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, विधायक कल्पना सोरेन, केबिनेट मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, मंत्री हफिजुल हसन, मंत्री योगेन्द्र महतो, दर्ज़ा प्राप्त मंत्री फागू बेसरा, वरीय नेता विनोद कुमार पाण्डेय, हजारीबाग जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बेदिया एवं जिला सचिव नीलकंठ महतो सहित सभी वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार प्रकट किया।

यासीन खान ने कहा कि यह नियुक्ति उनके लिए गर्व और जिम्मेदारी का विषय है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि संगठन की ओर से जो भरोसा जताया गया है, उसे वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और कर्मठता के साथ निभाएंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि पार्टी को जमीनी स्तर तक मजबूत करना और जनसमस्याओं को प्राथमिकता देना उनका प्रमुख उद्देश्य रहेगा। उन्होंने हेमन्त सोरेन के नेतृत्व को युवा और जनहितकारी बताया।

जैसे ही यासीन खास्न की नियुक्ति की खबर फैली, उन्हें बधाई देने वालों की भीड़ लग गई। पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों और समाज के विभिन्न वर्गों से उन्हें बधाइयाँ मिल रही हैं। सभी ने इस नियुक्ति को संगठन को और मजबूती प्रदान करने वाला कदम बताया है। यासीन खान की वर्षों की निष्ठा, समर्पण और संगठन के प्रति सक्रिय भागीदारी को देखते हुए पार्टी ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

उपायुक्त व पुलिस कप्तान का श्री श्री चैत्र रामनवमी स्वागत समिति ने किया सम्मान

स्वतंत्र प्रभात

● जिला पुलिस प्रशासन का व्यवहार काफी सकारात्मक रहा- टोनी जैन

हज़ारीबाग, झारखंड- श्री श्री चैत्र रामनवमी स्वागत समिति के अध्यक्ष टोनी जैन ने हजारीबाग उपायुक्त नैंसी सहाय को उनके कार्यालय में व पुलिस कप्तान अरविंद कुमार सिंह को एसपी कोठी निवास स्थान पर मोमेंटो एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। उपयुक्त नैंसी सहाय ने अपने वक्तव्य में कहा की हमारा हजारीबाग में यह चतुर्थ रामनवमी पर्व है, यहां के राम भक्तों का उत्साह हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बहुत अधिक था। इस बार प्रचंड गर्मी होने के बावजूद भी राम भक्तों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई और काफी धूमधाम के साथ उन्होंने यह पर्व का आनंद लिया। पुरुषों के साथ-साथ इस बार महिला विंग भी काफी सक्रिय दिखी और रामनवमी महापर्व की शोभा को बढ़ा रही थी, यह एक सकारात्मक पहल है। पुलिस कप्तान अरविंद कुमार सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि सारे समिति का सहयोग प्रशासन को भरपूर मिला। सभी ने पुलिस के साथ मिलकर व्यवस्थित झांकी आगे बढ़ाने का कार्य किया। मुस्लिम समुदाय के लोग भी प्रशासन का हर संभव मदद कर रहे थे और झांकी व राम भक्तों को कोई व्यवधान नहीं पड़े इसका हर संभव ध्यान रख रहे थे। इस रामनवमी महापर्व में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न नहीं हुई। पुलिस कप्तान ने कहा कि राम भक्त पूरे सौहार्दपूर्ण वातावरण में रामनवमी महापर्व का आनंद ले रहे थे, हम लोग सिर्फ सहयोगी की भूमिका में कार्य कर रहे थे। टोनी जैन ने दोनों अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप लोगों के दिशा निर्देश में यह रामनवमी महापर्व काफी अच्छी तरीके से संचालित हो पाई। पुलिस का सहयोग बहुत ही सकारात्मक था, पुलिस के जितने भी जवान अधिकारी महिला अधिकारी सभी की जितनी तारीफ की जाए कम है, एक सहयोगी के साथ-साथ दोस्त की भूमिका में भी पुलिस अधिकारी अपने फर्ज को निभा रहे थे। राम भक्तों के साथ-साथ आम जनमानस के प्रति भी पुलिस ने अच्छी मिसाल पेश की। हजारीबाग की जनता को आप जैसे अधिकारी से बहुत उम्मीद है। इस मौके पर स्वागत समिति के सोनू गुप्ता, अमित पांडेय, शेखर गुप्ता, निशिकांत सिंह उपस्थित थे।

ओरपरता में भव्य कलश यात्रा एवं प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन, विधायक मनोज यादव ने बढ़ाया भक्तों का उत्साह

● हायज्ञ जैसे धार्मिक कार्य से गांव समृद्ध होता है और खुशहाली आती है- मनोज यादव

स्वतंत्र प्रभात

बरही झारखंड- बरही प्रखंड अंतर्गत ओरपरता में नौ दिवसीय श्री श्री 1008 महारुद्र शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा एवं श्री विश्वकर्मा भगवान प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर भव्य यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कलश यात्रा के माध्यम से भक्तों ने पवित्र जल अर्पित कर धार्मिक वातावरण को और अधिक पावन बनाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बरही विधायक मनोज यादव शामिल हुए और यज्ञ में सम्मिलित होकर श्रद्धालुओं का हौसला बढ़ाया। विधायक मनोज यादव ने प्राण प्रतिष्ठा जैसे आध्यात्मिक आयोजन को सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने आयोजन समिति और ग्रामवासियों की सराहना की तथा भविष्य में ऐसे धार्मिक आयोजनों के निरंतर आयोजन की कामना की। बताते चलें कि पूरे ग्राम में धार्मिक उत्साह और भक्ति भाव का माहौल देखने को मिला। कलश यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं का जोश और आस्था देखने योग्य थी। मौक़े पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, अल्पसंख्यक कल्याण महासमिति के अध्यक्ष मो. कैयूम, भाजपा पूर्वी मण्डल अध्यक्ष विजय यादव, गुरुदेव गुप्ता, मुखिया प्रतिनिधि अर्जुन रविदास, भुनेश्वर यादव, उप मुखिया बलराज यादव, पंसस प्रतिनिधि बिहारी यादव, अध्यक्ष नंदलाल राणा, सचिव बालकिशोर यादव, कोषाध्यक्ष कैलाश यादव, उपाध्यक्ष मुकेश यादव, उपसचिव अशोक सिंह, पूर्व मुखिया दसरथ यादव, राजेश यादव, अशोक सिंह, रंजीत दवन, अंगेश यादव भाजपा ओबीसी, पिंटू राणा, त्रिलोकी राणा, नन्द लाल राणा, मुकेश यादव, कमलदेव सिंह, शिवाली सिंह, चन्द्रिक सिंह, महेश यादव, बालकिशोर यादव, सुदामा यादव, अनिल यादव, बसन्त यादव समेत अन्य श्रद्धालु शामिल थे।

आपात कालीन सेवाओं की जानकारी रखें जनपद वासी- जिलाधिकारी

हरदोई जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने सड़क सुरक्षा को लेकर जनपद वासियों से कहा है कि सभी जनपद वासी यातायात नियमों का पालन अवश्य करे। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें। चारपहिया वाहन चलाते समय सीटबेल्ट लगाएं। वाहन की गति को नियंत्रित रखें। वाहन की नियमित देखभाल करें, जैसे कि टायर की जांच, ब्रेक की जांच, आदि। वाहन चलाते समय सावधानी रखें।यातायात की जानकारी रखें और यातायात की स्थिति के अनुसार वाहन चलाएं। वाहन की सुरक्षा जांच करें और वाहन को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक उपाय करें। आपातकालीन सेवाओं की जानकारी रखें, जैसे कि पुलिस, एम्बुलेंस, आदि। सड़क सुरक्षा के प्रति स्वयं जागरूक बनें और अन्य लोगों को भी बतायें। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में हेलमेट आदि को लेकर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है ताकि जनपद में सड़क दुर्घटनाओं में कमी आ सके।

संक्षिप्त खबरें

कमरौली पुलिस द्वारा 01 अदद तमंचा व 01 जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ 01 अभियुक्त गिरफ्तार

जगदीशपुर अमेठी । पुलिस अधीक्षक अमेठी अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी हरेन्द्र कुमार के पर्यवेक्षण में जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना कमरौली पुलिस द्वारा देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त जय सिंह यादव पुत्र वेद प्रकाश निवासी सराय आलम मजरे नियांवा थाना कमरौली जनपद अमेठी उम्र करीब 35 वर्ष को बनभरिया मार्ग के पास से सुबह गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से 01 अदद तमंचा व 01 जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद हुआ । गिरफ्तारी एवं बरामदगी के संबंध में थाना कमरौली पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की गई।

विशेष सचिव द्वारा निर्माणाधीन नवीन पुलिस लाइन अमेठी का किया गया निरीक्षण

अमेठी । अभय कुमार, विशेष सचिव, गृह, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा निर्माणाधीन नवीन पुलिस लाइन गौरीगंज अमेठी का निरीक्षण कर निर्माणकार्यों का जायजा लिया गया एवं मानक के अनुरूप, गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निर्माणकार्य पूरा कराने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया । निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक अमेठी श्रीमती अर्पणा रजत कौशिक, मुख्य विकास अधिकारी अमेठी, अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी हरेन्द्र कुमार, क्षेत्राधिकारी गौरीगंज अखिलेश वर्मा, पुलिस उपाधीक्षक दिनेश कुमार मिश्रा व अन्य अधिकारी/कर्मचारी गण मौजूद रहे ।

अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी द्वारा सर्किल अमेठी का अर्दली रूम कर दिए गए आवश्यक आदेश निर्देश

अमेठी । अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी हरेन्द्र कुमार द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु थाना अमेठी पर सर्किल अमेठी के थानों का अर्दली रूम किया गया । जिसमें क्षेत्राधिकारी अमेठी मनोज कुमार मिश्र एवं सर्किल के प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष व सर्किल के थानों के विवेचकगण उपस्थित रहे । अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा विवेचको से विवेचनाओं के गुणवत्तापूर्वक निस्तारण व अपराधों पर अंकुश लगाने हेतु आवश्यक आदेश निर्देश दिए गए ।

चार बटुकों का हुआ सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के बेहटा चौराहा स्थित हनुमान मंदिर परिसर में शुक्रवार को सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में वैदिक विधि विधान के साथ चार बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार संपन्न कराया गया। संस्कार के दौरान कस्बे के राहुल शुक्ला, प्रशांत अग्निहोत्री, शिवम मिश्रा और शुभम शुक्ला ने आचार्य पंडित राहुल जी के मार्गदर्शन में उपनयन संस्कार ग्रहण किया। वैदिक मंत्रों की गूंज और हवन की आहुतियों से पूरा वातावरण भक्तिमय बन गया। इस अवसर पर आचार्य ने यज्ञोपवीत संस्कार का महत्व बताते हुए कहा कि यह 16 प्रमुख संस्कारों में से एक है। इस संस्कार के माध्यम से बालक जीवन के एक नए अध्याय में प्रवेश करता है। संस्कार के बाद व्यक्ति न केवल स्वयं को बल्कि समाज को भी सही दिशा में ले जाने का कार्य करता है। संस्कार में शामिल लोगों ने बटुकों को आशीर्वाद देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में चंद्र कुमार तिवारी, राधारमन पांडेय, प्रभाशंकर पांडेय, लक्ष्मी बाबा, रूपेश अग्निहोत्री, छोटू माली सहित मंदिर समिति के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में बटुकों के स्वजन मौजूद रहे।

भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी जयंती पर निकली भव्य झांकी यात्रा

●डीजे की धुन पर थिरके युवा, महिलाओं ने गाए गीत

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे प्रधान प्रतिनिधि राजेश फौजी

स्वतंत्र प्रभात

लालगंज रायबरेली। विकास खण्ड डलमऊ के अंतर्गत आदर्श ग्राम पंचायत ऐहार के बाल्हेमऊ गांव में संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर गांव वासियों द्वारा भव्य झांकी यात्रा निकाली गई, यात्रा पूरे कालिका बक्स से बाल्हेश्वर मंदिर, खरगपुर सौताना, ऐहार गांव होते-होते देर शाम को पूरे कालिका बक्स गांव में समाप्त हुई और विशाल भंडारा आयोजित किया गया जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया यात्रा में युवाओं और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा में डीजे और ढोल की गूंज के बीच बाबा साहब अमर रहें के नारों से माहौल गुंज उठा। जगह-जगह ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। बाबा साहब की आकर्षक प्रतिमा से सजी झांकी ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया।इस अवसर पर गांव की महिलाओं ने पारंपरिक गीत गाए और डीजे की धुन पर जमकर नृत्य किया। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ की गई ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राजेश फौजी ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने अपने संबोधन में बाबा साहब के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने न केवल दलित समाज के उत्थान के लिए कार्य किया, बल्कि शिक्षा, नारी सशक्तिकरण और जाति विहीन समाज की स्थापना हेतु देश को दिशा दी। कार्यक्रम में भोला यादव, जितेंद्र यादव सुमेर कुमार, राजू, लाला, सर्वेश, सर्वेश, नन्दू, आशीष, सोनू, सुसेन्द्र प्रताप, राजोल, रंजीत, मोहित. मोन्टी, दीपू1, प्रिंस, शुभम् पद्टू मिस्त्री, राजेश, काका, हिमांश, छोटू, अरविन्द, आलोक, रमेश, सुशील, बबल, सजीवन मिस्त्री सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं और पुरुष उपस्थित रहे।बाबा साहब की जयंती ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि उनका जीवन और विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं।

समाजसेवी ने अग्निपीड़ित परिवारों को बांटी सामग्री

चित्रकूट- समाजसेवी कपिल मिश्रा उर्फ रज्जू मिश्रा ने रैपुरा गांव के अग्निपीड़ित परिवारों को मदद उपलब्ध कराई। उन्होंने बताया कि विगत दिनों रैपुरा गांव में शिवशंकर पयासी, दशरथ पयासी, प्रतिमा देवी, सुजीत कुमार के घर में अचानक आग लग गई। जिससे घर में रखा गृहस्थी का सामान जल कर नष्ट हो गया था। जिसकी सूचना पाकर ग्राम पंचायत अरछा बरेठी के समाज सेवी कपिल मिश्रा अपनी नातिन श्रुति मिश्रा के साथ रैपुरा पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की तथा उन लोगों को राहत सामग्री उपलब्ध कराई। इस मौके पर सब इंस्पेक्टर रामप्रीत सिंह, समाजसेवी शिवमूरत द्विवेदी, ओमप्रकाश त्रिपाठी, रामबाबू शुक्ला, रज्जन द्विवेदी, रज्जू मिश्रा, राजू सिंह, प्रशांत पांडेय, केशव पंडित, जगदीश शुक्ला आदि मौजूद रहे।

एसपी ने अपराध समीक्षा बैठक में अधिकारियों व कर्मचारियों को दिए आवश्यक निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

चित्रकूट - पुलिस कार्यालय स्थित राघव प्रेक्षागार में अपराध समीक्षा गोष्ठी पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें एसपी ने उपस्थित सभी पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों के कार्यों की समीक्षा कर सम्बन्धितों को सुधार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। गोष्ठी में एसपी ने सैनिक सम्मेलन कर सभी पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों की समस्याओं को सुनकर सम्बन्धित को उचित निस्तारण के निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस अधीक्षक गोष्ठी में उपस्थित सभी थाना व चौकी प्रभारियों के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान एसपी ने उपस्थित सभी पुलिस अधिकारियों को लम्बित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण के सम्बन्ध में निर्देश दिये। कहा कि आईजीआरएस तथा अन्य माध्यमों से प्राप्त सभी प्रकार के प्रार्थना पत्रो का समय से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। ऑपरेशन कन्विक्शन एवं ऑपरेशन त्रिनेत्र के अन्तर्गत की जा रही कार्यवाही में प्रगति करते हुए कार्यवाही से अवगत कराए। हिस्ट्रीशीट खोलने व नष्ट करने को कहा तथा गुण्डा एक्ट के अन्तर्गत कार्यवाही करने के लिए निर्देश दिए। कहा कि लंबित आरोप पत्र एवं अंतिम रिपोर्ट न्यायालय में एक सप्ताह के अंदर दाखिल करें। हत्या, लूट व चोरी की घटनाओं के खुलासों के लिए आवश्यक निर्देश दिए। कहा कि सात वर्षों से अधिक सजा के अभियोगों के कार्यवाही के शेष आरोपियों की गिरफ्तारी की जाए। कहा कि समय से एनसीआर व एफआईआर के आरोप पत्र तथा अंतिम पत्र दाखिल करें। आईटीएसएसओ पोर्टल पर प्रदर्शित लम्बित अभियोगों का निस्तारण करें। कहा कि स्थानीय थानों में लम्बित चरित्र प्रमाण पत्रों का सत्यापन करें। दर्पण डैसबोर्ड की रैकिंग खराब न होने पाए। कहा कि जांच अभियान में बरामद माल का निस्तारण किया जाए। साथ ही महिलाओं से सम्बन्धित लम्बित विवेचनाओं का निस्तारण समय से किया जाए। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी नगर राजकमल, मऊ यामीन अहमद, राजापुर जयकरन सिंह, लाइन फ्हद अली, वाचक पुलिस अधीक्षक राजीव सिंह, प्रतिसार निरीक्षक शिवनारायण, प्रभारी मीडिया सेल निशीकान्त राय, पीआरओ प्रदीप पाल सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

वृद्धाश्रम में गंदगी पाए जाने पर सचिव डीएलएसए ने जताई कड़ी नाराजगी

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजीव कुमार के आदेशानुसार अतरौली तहसील के छर्रा कस्बा में स्थित आवासीय वृद्धाश्रम का सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं अपर जिला जज नितिन श्रीवास्तव, द्वारा निरीक्षण किया गया। आवासीय वृद्धाश्रम के निरीक्षण के दौरान आवासीय वृद्धाश्रम के संचालक अशर्फी लाल एवं आवासीय वृद्धाश्रम की अधीक्षिका गिरजेश यादव उपस्थित रहीं।

संतूर कंपनी ने जिले के व्यापारियों को किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात

चित्रकूट - मुख्यालय के व्यापारियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संतूर कंपनी द्वारा व्यापारिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कंपनी के एसओ विनोद कुमार सोनी, सुजल इंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर महेश केशरवानी व उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल आईटी मंच नगर उपाध्यक्ष यशु केशरवानी द्वारा जिले के व्यापारियों के बीच प्रतियोगिता का आयोजन भी कराया गया। जिसमें सभी विजेताओं को सम्मानित किया गया। कंपनी के एसओ विनोद कुमार सोनी ने कहा कि व्यापारियों को उत्पाद की गुणवत्ता व उनकी समस्याओं से रुबरु होने के लिए कंपनी द्वारा जिलों में ऐसे कार्यक्रम के आयोजन किए जा रहे हैं। सुजल इंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर महेश केशरवानी ने कहा कि व्यापारियों को प्रोत्साहित करने के साथ उनके मनोरंजन का भी ख्याल कंपनी द्वारा रखा गया। जिसमें एक प्रतियोगिता आयोजित कराकर सभी को सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता कार्यक्रम में मनोज वर्मा, राकेश कुमार, पुष्पराज कश्यप, रितेश केशरवानी, शंकर प्रसाद यादव, राजीव अग्रवाल, राजा, प्रमोद, प्रदीप कुमार गुप्ता, टोनी, दिव्यांश, प्रतीक केसरवानी, अमन आदि मौजूद रहे।

सत्संग से मिलता है जीवन का सार- पं. झिलमिल महाराज का संदेश

स्वतंत्र प्रभात

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के ऐहार गांव स्थित बाल्हेश्वर मंदिर के निकट ऋषि आश्रम परिसर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन कथा व्यास पं. झिलमिल महाराज ने पूतना उद्धार की कथा सुनाते हुए सत्संग के महत्व पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि सत्संग ही मानसिक और आध्यात्मिक उन्नति का प्रथम सोपान है। जब मनुष्य सत्संग से जुड़ता है, तो उसके अंतर्मन में विवेक और आत्मचिंतन की भावना जागृत होती है, जिससे जीवन के अच्छे-बुरे का निर्णय करना सरल हो जाता है। पंडित जी ने पूतना उद्धार के प्रसंग को विस्तार से बताते हुए कहा कि राक्षसी पूतना बालकृष्ण का वध करने के उद्देश्य से गोकुल पहुंची। प्रभु ने उसे भी मोक्ष प्रदान कर यह संदेश दिया कि यदि भाव में तनिक भी भक्ति हो, तो भगवान उसे व्यर्थ नहीं जाने देते। पूतना के उद्धार से यह स्पष्ट होता है कि प्रभु श्रद्धा और समर्पण रखने वाले हर जीव को उबारने के लिए तत्पर रहते हैं। कथा व्यास ने आगे कहा कि जब हम सत्संग में बैठते हैं, तो हमारे भीतर की नकारात्मकता स्वतः नष्ट होने लगती है और हृदय में भक्ति, करुणा और सेवा की भावना बढ़ने लगती है। उन्होंने पूतना प्रसंग के माध्यम से यह भी बताया कि भगवान की कृपा असीमित है। वह पापियों को भी गले लगा लेते हैं यदि उनमें थोड़ा भी प्रेम का भाव हो। कथा के दौरान उन्होंने बालकृष्ण की माखन लीला, गोवर्धन पूजा, इंद्र का मान मर्दन सहित अन्य प्रसंगों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस दौरान कथा के मुख्य यजमान रज्जन गुप्ता, रुक्मणी गुप्ता, अंकित, रामशरण सिंह, पप्पू सैनी, अनिल सैनी, राजा शुक्ला, शिवम शुक्ला, सोनू वर्मा, उमेश गुप्ता, सत्यम गुप्ता, मस्टराइन आदि श्रद्धालु मौजूद रहे।

किसानों से समय से की जाए गेहूं खरीद- एडीएम प्रशासन

अपर जिलाधिकारी (प्रशा)ने बैठक कर जिला स्तरीय अधिकारियों को दिए दिशा निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

रायबरेली- रबी विपणन वर्ष 2025-26 में न्यूनतम समर्थन मूल्य योजनान्तर्गत जनपद में किसानों से की जा रही गेहूँ खरीद की अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) / जिला खरीद अधिकारी सिद्धार्थ द्वारा समीक्षा की गयी। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/ जिला खरीद अधिकारी द्वारा किसानों से गेहूँ खरीद बढ़ाये जाने के दृष्टिगत दिशा निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक, सहकारित, कार्य योजना के अनुसार प्रत्येक दिवस सभी क्रय केन्द्रों पर गेहूँ खरीद सुनिश्चित करायें। निर्धारित क्रय लक्ष्य व साप्ताहिक लक्ष्य की प्राप्ति सभी केन्द्र प्रभारी प्रत्येक दशा में सुनिश्चित करेंगे।जनपद के किसी भी क्रय केन्द्र पर दैनिक खरीद शून्य नहीं होनी चाहिए। यह सभी अधिकारियों द्वारा सुनिश्चित कराया जायेगा।

उन्होंने कहा कि सहकारिता विभाग के ए0डी0ओ0/ए0डी0सी0ओ0 प्रतिदिन पी0सी0एफ0 पी0सी0 एवं यू0पी0एस0एस0 के गेहूँ क्रय केन्द्रों का निरीक्षण करेंगे। साथ ही यह भी सुनिश्चित करेंगे कि सभी केन्द्रों पर दैनिक खरीद हो रही है। यदि खरीद नहीं हो रही है, तो उस स्थिति में विभागीय उच्चाधिकारियों को वस्तुस्थिति से तुरन्त अवगत करायेंगे।

सहकारिता विभाग के ए0डी0ओ0 ए0डी0सी0ओ0 अपने क्षेत्र के अन्तर्गत ग्रामों में जाकर ग्राम प्रधानो से सम्पर्क / समन्वय स्थापित करते हुए गेहूँ खरीद योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करवाते हुए अधिक से अधिक किसानों को राजकीय केन्द्रों पर गेहूँ विक्रय हेतु प्रेरित करेंगे।सभी मण्डी सचिव एवं मण्डी निरीक्षक मण्डी के सचल दल के प्रर्वतनीय कार्य सघन कराकर मण्डी परिक्षेत्र/परिसर में कार्यरत विभिन्न आढ़तियों, फ्लोर मिलों, बड़े रजिस्टर्ड गेहूँ व्यापारियों के अवैध गेहूँ-कय, भण्डारण एवं संचरण कार्य व इससे सम्बन्धित अभिलेखों का निरीक्षण कराकर नियमानुसार मण्डी शुल्क अधिरोपण की कार्यवाही की जाए। कृत कार्यवाही की सूचना प्रतिदिन उच्चाधिकारियों को प्रेषित करेंगे। सभी एजेंसियों के जिला स्तरीय अधिकारी क्रय नीति में दिये गये निर्देशानुसार प्रतिदिन निर्धारित संख्या में क्रय केन्द्रों का निरीक्षण करेंगे और उसकी रिपोर्ट मय फोटोग्राफ्स सहित उपलब्ध करायेंगे। अपर जिला अधिकारी प्रशासन ने कहा कि शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता पर योजना किसानों से गेहूँ खरीद में लापरवाही / शिथिलता बरतने वाले केन्द्र प्रभारी का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुये उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही भी सुनिश्चित करायें।

सभी एजेंसियां उक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करते हुये किसानों से अधिक से अधिक गेहूँ खरीद करते हुये निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करेगी। समीक्षा बैठक में जिला खाद्य विपणन अधिकारी, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता, जिला प्रबन्धक, पी0सी0एफ0 पी0सी0यू0 व यू0पी0एस0एस0, सचिव, कृषि उत्पादन मण्डी समिति, क्षेत्रीय विपणन अधिकारी व सहकारिता विभाग के ए0डी0ओ0 ए0डी0सी0ओ0 रायबरेली द्वारा प्रतिभाग किया गया।

दुराचार के मामले में तांत्रिक को सजा

स्वतंत्र प्रभात

चित्रकूट- झाड़फूंक के बहाने नाबालिग लड़की को घर से ले जाकर दुराचार करने के मामले में दोष सिद्ध होने पर तांत्रिक को न्यायालय ने 10 वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 5,000 रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। विशेष लोक अभियोजक तेज प्रताप सिंह ने बताया कि बीती दो फरवरी 2020 को मऊ थाने में एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार मऊ क्षेत्र के चकवा गांव का निवासी पतवा रैदास तंत्र-मंत्र करता था। उनकी नाबालिग पुत्री को झाड़फूंक के बहाने पतवा घर से ले गया और दुष्कर्म किया। पुत्री द्वारा इसकी जानकारी दिए जाने पर पिता ने मऊ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करते हुए न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। बचाव और अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद शुक्रवार को पाक्सो एक्ट कोर्ट की स्पेशल जज रेनू मिश्रा ने इस मामले में निर्णय सुनाया। जिसमें दोष सिद्ध होने पर पतवा रैदास को 10 वर्ष कठोर कारावास और 5,000 रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई गई।

कलश यात्रा के साथ हुआ श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

राजापुर, चित्रकूट- नगर पंचायत के वार्ड नंबर 14 मानस नगर में शुक्रवार को श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया। कथा के पहले दिन माता यमुना व माता कालिन्दी की पूजा अर्चना कर 108 कलशों में जल भरकर शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा में महिलाओं ने अपने सिर पर कलश रखकर नगर भ्रमण किया। कथा के प्रथम दिन मोक्ष ज्योतिष संस्थान श्रीधाम वृंदावन के कथा व्यास पं रोहितानंद महराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा के अट्ठारह हजार श्लोकों में से प्रत्येक श्लोक सुरसरि के समान होता है, लेकिन शास्त्रों में मां सुरसरि को मां यमुना की दासी के रूप में माना जाता है। इस कारण श्रीमद्भागवत कथा के प्रथम दिन माता यमुना की पूजा अर्चना करने का प्राविधान है। साथ ही माता यमुना भगवान श्रीकृष्ण की चौथी पटरानी रवि तनया है, जिसके दर्शन, स्नान व स्पर्श मात्र से दैहिक, दैविक व भौतिक तीनों प्रकार के सन्ताप नष्ट हो जाते हैं। श्रीमद्भागवत कथा का महत्व बताते हुए कथा व्यास ने कहा कि आत्मदेव के पुत्र धुंधकारी व राजा परीक्षित ने सात दिवसीय कथा श्रवण करके मोक्ष प्राप्त किया था। श्रीमद्भागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीला व सुदामा चरित्र से लेकर द्वारिकापुरी तक की तमाम लीलाओं का वर्णन आता है। श्रीमद्भागवत कथा में हरि नाम शब्द की महिमा का वर्णन करते हुए कथा व्यास ने कहा कि हरि नाम लेने से बड़े-बड़े पापियों को मोक्ष प्राप्त हुआ है। कथा सत्संग को प्रथम भक्ति बताते हुए कहा कि सत्संग के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण, मातारानी राधिका के नामों का वर्णन होता है और उन्हीं नामों को सुनकर उनके चित्त स्वरूप का ध्यान करें तो निश्चित ही भगवान के दर्शन प्राप्त होते हैं। श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान वैराग्य को जागृत करने का एक बहुत बड़ा साधन है। यह कथा एक कल्पवृक्ष के समान है, इस कथा के श्रवण से सम्पूर्ण पापों का नाश होता है तथा मोक्ष की प्राप्ति होती है। कहा कि चारों युगों में कर्म ही प्रधान माना गया है। जिसमें सद्कर्म से देवता तथा कुकर्म से राक्षस जैसी योनियों की उत्पत्ति होती है, लेकिन सत्संग जैसी भक्ति से राक्षसों की बुद्धि शुद्ध हो जाती है। जैसे अहंकारी राजा कंस और रावण को मोक्ष प्राप्त हुआ था। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष संजीव मिश्रा, यजमान रामप्यारी द्विवेदी, राम नरेश द्विवेदी, सुनील मिश्रा, चंद्रिका प्रसाद मिश्रा, अमित तिवारी, शिव प्रकाश त्रिपाठी, अजय त्रिपाठी, कमलेश पांडेय, अनूप त्रिपाठी, भरतलाल पांडेय, गोकुल प्रसाद पांडेय, अनुज शुक्ला, नीरज पांडेय, प्रमोद पांडेय, सुंदरलाल द्विवेदी, शिव नरेश द्विवेदी, आदर्श तिवारी, शालिकराम द्विवेदी, सहवाग शर्मा, दीपक त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

एडीएम ने किया गेहूं खरीद केन्द्रों का निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात

चित्रकूट - अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने शुक्रवार को पीसीएफके गेंहू क्रय केंद्र चकौंध, पहाड़ी उत्तरी व पहाड़ी मंडी का निरीक्षण किया। जिसमें धीमी खरीद पाए जाने पर एडीएम ने तेजी लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान क्रय केंद्र चकौंध में मौके पर किसान शिवशंकर शुक्ला ग्राम के गेंहू की तौल होते पाई गई। साथ ही अन्य दो ट्राली गेंहू और तौल के लिए खड़े पाए गए। केंद्र प्रभारी ने बताया कि अब तक केंद्र पर आठ किसानों से 401 कुंतल गेंहू की खरीद की गई है। क्रय केन्द्र पहाड़ी उतरी में ग्राम तौरा के किसान कृष्णपाल सिंह से 21.50 कुंतल गेंहू की खरीद की गई। क्रय केंद्र पहाड़ी मंडी में मौके पर तौल नहीं होते पाई गई। इस पर केन्द्र प्रभारी को निर्देशित किया कि मोबाइल केंद्र सक्रिय कर तेजी से गांवों में खरीद करें। खरीद की धीमी गति पर नाराजगी जताते हुए एडीएम ने निर्देश दिए कि तीन के अंदर खरीद में तेजी लायें, अन्यथा कारवाई की जाएगी।

इस दौरान सभी केंद्रों पर उपस्थित किसानों से वार्ता की गई। इस पर किसानों ने बताया कि अभी कुछ हिस्सों में गेंहू की मड़ाई चल रही है। दो-चार दिनों मे तेजी से गेंहू क्रय केंद्रों पर आएगा। निर्देशित किया कि पंद्रह दिनों के अंदर सभी केंद्र प्रभारी मेहनत कर तीव्र गति से खरीद करें और निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करें। एडीएम ने केंद्रों पर किसानों के भुगतान की स्थिति और गेंहू डिलीवरी की जानकारी ली गई। कहा कि इस बात का ध्यान रखा जाए कि कोई भी किसान क्रय केंद्र से वापस न जाये और उसे ज्यादा इंतजार न करना पड़े। जिला प्रबंधक किसानों का भुगतान समय सीमा के अंतर्गत सुनिश्चित करें और भारतीय खाद्य निगम में डिलीवरी करवायें।

एडीएम ने बताया कि जनपद में संचालित 40 गेंहू क्रय केंद्रों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के अंतर्गत किसानों से गेंहू खरीद की जा रही है। जिसमें अब तक 332 किसानों से 1,128 मीट्रिक टन गेंहू खरीदा गया है। गेंहू का समर्थन मूल्य 2425 प्रति कुंतल है। इस बार सरकार ने किसानों को सुविधा देने के उद्देश्य से 15 मई तक कृषक पंजीकरण को सत्यापन से मुक्त कर दिया है। इसके अतिरिक्त किसानों के घरों से गेंहू खरीद करने की सुविधा देते हुए मोबाइल क्रय केंद्र की अनुमति दी है। बताया कि यदि किसी किसी किसान का गेंहू एक ट्रक भार क्षमता के बराबर है, तो वो मोबाइल क्रय केंद्र के माध्यम से गेंहू बेच सकते हैं। इस संबंध में किसान जनपद के गेंहू कंट्रोल रुम के नंबर 9452094347 एवं 8707219558 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके साथ ही गेंहू खरीद संबंधित किसी भी जानकारी या समस्या के निराकरण के लिए किसान इन कंट्रोल रुम नंबर और जिला खाद्य विपणन अधिकारी के नंबर 7839565017 पर संपर्क कर सकते हैं।

साइबर क्राइम के बारे में टोल फ्री नम्बर 1930 पर करें कॉल- जिलाधिकारी

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई - जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने साइबर क्राइम को लेकर कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। इन सुझावों का पालन करके, हम अपने ऑनलाइन अकाउंट्स और व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रख सकते हैं।उन्होंने बताया कि अपने ऑनलाइन अकाउंट्स के लिए सुरक्षित पासवर्ड का उपयोग करें। पासवर्ड को समय-समय पर बदलें और दो-कारक प्रमाणीकरण का उपयोग करें। अपने कंप्यूटर और मोबाइल डिवाइस पर फायरवॉल और एंटीवायरस सॉफ्टवेयर स्थापित करें। यह आपके डिवाइस को मैलवेयर और अन्य ऑनलाइन खतरों से बचाएगा। केवल सुरक्षित वेबसाइट्स पर जाएं जिनके यूआरएल में "https" होता है। अज्ञात लिंक्स पर क्लिक न करें और अज्ञात स्रोतों से डाउनलोड न करें।ऑनलाइन लेनदेन करते समय सुनिश्चित करें कि वेबसाइट सुरक्षित है और आपके व्यक्तिगत विवरण की सुरक्षा के लिए उचित उपाय किए गए हैं। सोशल मीडिया पर अपने व्यक्तिगत विवरण को साझा न करें और अज्ञात लोगों को अपने दोस्तों की सूची में न जोड़ें। साइबर क्राइम के विभिन्न प्रकारों के बारे में जानकारी रखें और अपने परिवार और दोस्तों को भी इसके बारे में बताएं। यदि आपके साथ साइबर क्राइम होता है, तो बिना संकोच तुरंत पुलिस को शिकायत करें और अपने बैंक और क्रेडिट कार्ड कंपनी को भी सूचित करें।

संक्षिप्त खबरें

जुम्मे की नमाज पर एलर्ट रहे डीसीपी साउथ जोन

कानपुर। आज दिनांक 18.04.2025 को जुमा की नमाज़ के दृष्टिगत कानून-व्यवस्था की स्थिति को मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से थाना क्षेत्र नौबस्ता के मछरिया में पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी के द्वारा नमाज़ के समय स्वयं उपस्थित रहकर नमाज़ को सकुशल संपन्न कराया तथा अधिकारियों/कर्मचारियों को निम्न दिशा निर्देश दिए। स्थानीय नागरिकों व व्यापारियों से संवाद करें जिससे शांति एवं सौहार्द बनाए रहे। संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क निगरानी रखने व त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए गए। शांति एवं कानून-व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने पर विशेष बल दिया गया। पुलिस बल को सतर्क एवं मुस्तैद रहने के सख्त निर्देश दिए गए। मौके पर सहायक पुलिस आयुक्त नौबस्ता, प्रभारी निरीक्षक नौबस्ता व भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

अनवरगंज पुलिस ने पाक्सो एक्ट के अभियुक्त को गिरफ्तार किया

कानपुर। थाना अनवरगंज पुलिस ने पाक्सो एक्ट के एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। थाना अनवरगंज पर पंजीकृत मुकदमा धारा 64/137(2) /87/ 352/351(3) बीएनएस व पाक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त मो0 फरदीन पुत्र एहसान खान निवासी घोड़ा नक्खास फर्रूखाबाद हाल पता 88/384 नाला रोड रूपम चौराहा थाना चमनगंज उम्र लगभग 26 वर्ष को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष भेजा है।

कानपुर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

कानपुर। आरोप है कि मोहित सिंह ने कानपुर एयरपोर्ट पर फोन कर यह झूठी सूचना दी थी कि एक 72 सीटर प्लेन में बम रखा गया है। इस फर्जी कॉल से हड़कंप मच गया और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गई। एयरपोर्ट की सुरक्षा जांच के बाद कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, इसके बाद चकेरी थाना पुलिस भी एयरपोर्ट पहुंची और पूरी जानकारी ली। जिसके बाद जांच में जुटी पुलिस ने कुछ ही घंटों में आरोपी की पहचान कर उसे हिरासत में ले लिया।

अवैध ई-रिक्शा पर कार्रवाई 2 सीज 257 के चालान

कानपुर। शासन के आदेश के क्रम में व उच्चाधिकारियों के निर्देशन में दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु शहर के प्रमुख चौराहों पर विशेष रुप से ई-रिक्शा वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाकर गलत दिशा में वाहन चलाने वालों, बिना ड्राइविंग लाइसेंस, गलत नंबर प्लेट एवं बिना फिटनेस के सम्बन्ध में चेकिंग की गयी और यातायात नियमों का पालन न करने वाले 03 ई-रिक्शा पर एमवी एक्ट के तहत सीज की कार्यवाही एवं 257 ई-रिक्शा का चालान किया गया ।

निजी भूमि में मत्स्य पालन करने वाले 62 मत्स्य पालकों को मिलेगा लाभ

प्रतापगढ़। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य पालक विकास अभिकरण विकास कुमार दीपांकर ने बताया है कि मत्स्य विभाग में संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजनान्तर्गत विभिन्न परियोजनाओं में निजी भूमि में मत्स्य पालन करने वाले इच्छुक आवेदक के लिये विभागीय पोर्टल पर आनलाईन आवेदन करने हेतु 01 फरवरी से 28 फरवरी तक खोला गया था, इस अवधि में कुल 84 आवेदन प्राप्त हुये थे,जिसके चयन हेतु जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक में कुल प्राप्त 84 आवेदनों में 62 आवेदनों को चयन तथा 22 आवेदनों को मानक के अनुसार अभिलेख विभागीय पोर्टल पर अपलोड न करने एवं कार्यालय में भी उपलब्ध न कराने के कारण अस्वीकृत किया गया। 62 आवेदकों को इस योजना के माध्यम से लाभ प्रदान किया जायेगा जिससे इनके आय में वृद्धि होगी।

रेलवे नहीं, सी एस ए ग्राउंड में होगी पीएम मोदी की सभा - अंतिम चरण में तैयारियां

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। अपने प्रस्तावित दौरे के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यहां अपनी सभा रेलवे ग्राउंड निराला नगर के बजाय अब सीएसए ग्राउंड में करेंगे ,जिसके लिए सारी तैयारियों को अंतिम रूप देना भी शुरू कर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह दौरा यहां 24 अप्रैल को प्रस्तावित है ,जिसको लेकर युद्धस्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं। वहीं तैयारियों की समीक्षा करने के लिए 20 को मुख्यमंत्री कानपुर दौरे पर आ सकते हैं। कुल मिलाकर कानपुर में पीएम की जनसभा स्थल अब चीफ सेक्रेटरी मनोज कुमार सिंह और डीजीपी प्रशांत कुमार के निरीक्षण के बाद सीएसए ग्राउंड में फाइनल कर दिया गया है। रेलवे ग्राउंड के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किया सभा सी एस ए ग्राउंड में कराने के पीछे सबसे बड़ी वजह पीएम की सिक्योरिटी, दूसरी बड़ी वजह रेलवे ग्राउंड में भीड़ जुटाना थी। अभी बताया गया कि तीसरी कि अगर रेलवे ग्राउंड में जनसभा होती तो बड़ा ट्रैफिक डायवर्स करना पड़ता। इसके साथ ही तमाम सारी मशक्कत से अफसरों को राहत मिल गई है।

अवगत कराते चलें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने कानपुर दौरे के दौरान 19 हजार करोड़ रुपए की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। वह अपने तीसरे कार्यकाल में पहली बार कानपुर आ रहे हैं। इस दौरान पीएम मोदी जिले की तीन बड़ी योजनाओं अंडरग्राउंड मेट्रो (सेंट्रल स्टेशन से चुन्नीगंज स्टेशन), नेयवेली पावर प्लांट और पनकी पावर हाउस का शुभारंभ करने के साथ लगभग 19,000 करोड़ की विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण भी करेंगे।

फरीदाबाद में डाक्टर क्रिकेट में कानपुर की टीम बनी विजेता

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। आज दिनांक 18 अप्रैल 2025, दिन शुक्रवार को, "आई.एम.ए डॉक्टर्स क्रिकेट लीग 2025-सीजन 5"में, विजेताओं और प्रतिभागियों का सम्मान समारोह, ऑडिटोरियम, आई.एम.ए. भवन (सेवा का मंदिर), परेड, कानपुर में किया गया। इस टूर्नामेंट का आयोजन, भारत क्रिकेट एकेडमी, गंगा बैराज में 'दिन-रात्रि प्रारूप 'में दूधिया रोशनी में किया गया साथ ही, फरीदाबाद में आयोजित, नेशनल डॉक्टर्स लीजेंड टूर्नामेंट, जिसमे 30 से 70 वर्ष की आयु के लगभग 70 डॉक्टर्स ने भाग लिया। इस टूर्नामेंट में जीत दर्ज करने वाली कानपुर के चिकित्सकों की टीम को भी, सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, कानपुर प्लास्टिपैक कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, मनोज अग्रवाल एवं उनकी धर्मपत्नी, ऊषा अग्रवाल थे। आई.एम.ए. कानपुर की अध्यक्ष, डॉ. नंदिनी रस्तोगी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की तथा आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम का संचालन, आई.एम.ए. कानपुर के सचिव, डॉ. विकास मिश्रा ने किया तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन, आई.एम.ए. कानपुर के वित्त सचिव, डॉ. दीपक श्रीवास्तव ने दिया। इस कार्यक्रम में, चैयरमेंन खेल उप-समिति, डॉ. बृजेन्द्र शुक्ला, उपाध्यक्ष एवं प्रभारी, डॉ. अमित सिंह गौर, खेल सचिव, डॉ. निशांत सौरभ सक्सेना एवं संयुक्त खेल सचिव, डॉ. मानव लूथरा, प्रमुख रूप से उपस्थित थे। टीम के - केयर (हॉस्पिटल) नाइट राइडर्स ने टूर्नामेंट जीता जबकि टीम एएमसी (अहाना हॉस्पिटल) अवेंजर्स रनर अप रही। टूर्नामेंट के खिलाड़ी - डॉ. चेतन सिंह, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज - इंजीनियर राघव रस्तोगी, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज - डॉ. चेतन सिंह, सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर - डॉ. विशाल अरोड़ा, सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक - डॉ. सौरभ सक्सेना, सर्वश्रेष्ठ वेटरन बल्लेबाज - डॉ. अनुराग मल्होत्रा, सर्वश्रेष्ठ वेटरन गेंदबाज - डॉ. आर.के. दवे, सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइकर - डॉ. प्रशांत सचान, सर्वश्रेष्ठ इकॉनमी - डॉ. संजय कुमार रहे।

दो परिवारों के बीच आपसी सुलह कराकर टूटने से बचाया

अलीगढ़। ऑपरेशन जागृति के अंतर्गत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के नेतृत्व में तथा तथा पुलिस अधीक्षक अपराध ममता कुरील की अध्यक्षता में परिवार परामर्श केंद्र पुलिस कार्यालय द्वारा काउंसलिंग कर दो परिवारों को टूटने से बचाया। जवां निवासी आरफा ने (बदला हुआ नाम) अपने पति आमिर(बदला हुआ नाम)के शराब पीने तथा तलाक देने की धमकी से परेशान होकर अपने पति के विरुद्ध शिकायती प्रार्थना पत्र दिया था जिस पर परिवार परामर्श केंद्र पुलिस कार्यालय अलीगढ़ द्वारा दोनों पक्षों को बुलाकर दोनों की काउंसलिंग की गई जिस पर दोनों पक्षों ने अपनी अपनी गलती के लिए एक दूसरे से क्षमा मांगी तथा भविष्य में दोबारा गलती ना दोहराने का विश्वास दिलाया। दोनों आपसी सहमति से साथ रहने को तैयार हुए।

समाजसेवी सर्वेश उपाध्याय के पिता के निधन पर जताया शोक

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। आसपुर देवसरा ब्लाक के सदहा ग्राम निवासी समाजसेवी सर्वेश उपाध्याय के पिता क्षेत्र पंचायत सदस्य मानिकचंद (62) का निधन इलाज के दौरान हो गया।समाजसेवी सर्वेश उपाध्याय के पिता के निधन पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह मोती सिंह, ब्लॉक प्रमुख राकेश कुमार सिंह पप्पू, बेलखरनाथ प्रमुख सुशील सिंह, प्रतिनिधि विनोद पाण्डेय, देवसरा ब्लॉक प्रमुख कमला कांत यादव, एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज बनारस अजय कुमार जायसवाल, एमपी एमएलए कोर्ट वाराणसी जज नीरज त्रिपाठी, सीआरपीएफ कमांडेंट बनारस राजेश त्रिपाठी, भाजपा नेता डॉ अजय शुक्ला, विद्यालय प्रबंधक सतीश सिंह, समाजसेवी राजेश पाण्डेय, सुरेन्द्र पाण्डेय उर्फ लल्लन पाण्डेय, पूर्व प्रधान अनिल तिवारी, पत्रकार रोहित जायसवाल, पत्रकार मनोज यादव पत्रकार अंकित पाण्डेय, संतोष उपाध्याय, राजा अर्जुन प्रताप सिंह आदि ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रख कर दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की।

जिलाधिकारी की नई पहल से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार मे जनपद के सेवारत,सेवानिवृत्त कार्मिकों की सेवा से सम्बन्धित प्रकरणों के निस्तारण हेतु गुरुवार को मेगा कैम्प का आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों के वेतन, भत्ते, अवकाश, चिकित्सीय अवकाश, चिकित्सीय देयक, वेतन वृद्धि, प्रमोशन, पेंशन एवं अन्य लम्बित देयकों की सुनवाई की गयी।मेगा कैम्प के दौरान 26 कर्मचारियों द्वारा अपनी विभिन्न समस्याओं के सम्बन्ध अवगत कराया गया, जिसमें पाया गया कि कई कार्मिकों के प्रकरण काफी वर्षो से लम्बित है जिन पर अब तक कोई भी कार्यवाही नही की गयी।डीएम ने सभी की शिकायतों को गम्भीरता से सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिये कि 15 दिवस के अन्दर कार्मिकों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाय,इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही एवं उदासीनता कदापि न बरती जाय अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित अधिकारी व पटल सहायक के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी। अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि पटल सहायकों व लिपिकों द्वारा सेवानिवृत्त कार्मिकों के देयकों के प्रकरणों को लम्बित कत्तई नहीं रखा जाय।बेसिक शिक्षा विभाग के सेवानिवृत्त कार्मिक भगवत प्रसाद शुक्ला,सेवानिवृत्त राजस्व निरीक्षक हरिलाल वर्मा, सेवानिवृत्त राजस्व निरीक्षक कल्पनाथ त्रिपाठी,ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग के सेवानिवृत्त जूनियर इंजीनियर राम निहोरे, स्वास्थ्य विभाग की सेवानिवृत्त स्वास्थ्य निरीक्षक कैलाशी, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक सुभाष चन्द्र त्रिपाठी व सेवानिवृत्त कार्मिक लालमति पाण्डेय, पंचायती राज विभाग के सेवानिवृत्त कार्मिक रामधन सरोज व सरयू प्रसाद मिश्रा, पशुपालन विभाग के सेवानिवृत्त वेटनरी फार्मासिस्ट सन्त प्रसाद आदि कार्मिकों द्वारा विभिन्न लम्बित देयकों के सम्बन्ध में अवगत कराया गया।इस अवसर पर सीडीओ डॉ दिव्या मिश्रा,पीडी डीआरडीए दयाराम यादव, डीसी मनरेगा अश्वनी कुमार सोनकर,डीपीआरओ श्रीकान्त दर्वे सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व पटल सहायक उपस्थित रहे।

प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी के बैठक में उपस्थित न रहने पर डीएम ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी की अध्यक्षता में गुरूवार को देर सायांकल कैम्प कार्यालय के सभागार में राजस्व प्रशासन एवं कर-करेत्तर राजस्व संग्रह की समीक्षा की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने पिछली बैठक में दिये गये निर्देशों के सम्बन्ध जानकारी प्राप्त की। बैठक में डीएम ने नई आबकारी दुकानों के सत्यापन के सम्बन्ध में जानकारी ली तो जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि दुकानों का सत्यापन करा लिया गया है और दुकाने निर्धारित स्थल पर स्थित है। परिवहन विभाग की समीक्षा में कामर्शियल बसों की परमिट के रूट के बारे में जानकारी ली गयी तो एआरटीओ द्वारा कोई स्पष्ट जवाब न देने पर डीएम ने एआरटीओ को कड़ी फटकार लगायी और निर्देशित किया कि अगली बैठक में मण्डलीय कार्यालय से सूची मंगाकर उपलब्ध करायें। वाणिज्य कर अधिकारी को निर्देशित किया गया कि मैरेज हाल, आरा मशीन, भट्ठों, कामर्शियल वाहन मालिकों की सूची, विद्युत विभाग से 10 किलोवाट ऊपर के कनेक्शन की सूची, श्रम विभाग से जिन संस्थानों में 20 लेबर कार्य कर रहे है उनकी सूची, उद्यान विभाग से कोल्ड स्टोरेज की सूची, कोचिंग सेन्टर आदि की सूची प्राप्त कर नियमानुसार जीएसटी की वसूली की जाये जिससे आय को बढ़ाया जा सके। वन विभाग की समीक्षा में प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी उपस्थित न रहने व उनके द्वारा अपने अधीनस्थ को भेजे जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और जनपद में संचालित आरा मशीनों के नाम व पता सहित सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये और अपर जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि सूची प्राप्त होने पर उपजिलाधिकारी से सत्यापन कराया जाय, सत्यापन में अनियमितता पाये जाने पर कठोर कार्रवाई की जायेगी। एआईजी स्टाम्प से स्टाम्प वाद के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी उनके द्वारा स्पष्ट जानकारी न देने पर अपर जिलाधिकारी को निर्देशित किया गया कि जिलाधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी कार्यालय में स्टाम्प वाद के जितने भी प्रकरण लम्बित है उसे निस्तारित कराया जाय। मण्डी सचिव से सभी दुकानों के नवीनीकरण की जानकारी ली।बताया गया कि सभी दुकानें संचालित हो रही है एवं नवीनीकरण करा लिये गये है। नगरीय निकाय से हाउस टैक्स और वाटर टैक्स के बारे में जानकारी प्राप्त की तो अवगत कराया गया कि 2011 के बाद कर में बढ़ोत्तरी नहीं की गई है। खनन विभाग की समीक्षा में निर्देशित किया कि अवैध खनन कदापि न होने पाये। उन्होने निर्देशित किया कि अवैध टैक्सी स्टैण्ड, अवैध बस स्टैण्ड एवं अवैध होर्डिंग को चिन्हित कर कार्रवाई की जाय। अन्त में जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों को निर्देशित किया कि अपने-अपने कार्यो एवं दायित्वों का सम्यक निर्वहन करें, लापरवाही कदापि न बरते अन्यथा की स्थिति में आवश्यक कार्रवाई की जायेगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) आदित्य प्रजापति, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय कुमार तिवारी, समस्त उपजिलाधिकारी सहित सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी, तहसीलदार व नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

अंडा व्यवसाई पर चाकू से हमला घायल, सूचना पर पहुंची कंधई पुलिस

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। पट्टी के अंडा व्यापारी पर युवकों ने चाकू से हमला बोल दिया, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद बाजार में मची अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही मौके पर डायल 112 पुलिस पहुंची। थानाध्यक्ष कंधई घटना को अंजाम देने के बाद दबंग मौके से भाग निकले।कंधई थाना क्षेत्र के बनी तेरहमील गांव के रहने वाले संजय यादव बाजार में अंडा का दुकान लगाता है।बृहस्पतिवार की देर शाम वह अपनी दुकान पर मौजूद था, उस दौरान उसकी दुकान पर बाइक से आये युवकों से किसी बात को लेकर बहस करने लगी। देखते ही देखते उसके ऊपर चाकू से हमला बोल दिया गया।आरोप है कि उसके जेब में रखें एक हजार रूपये निकाल लिए गए।यह सब देख आस-पास मौजूद लोगों ने किसी तरह अंडा व्यवसाय की जान बचाई। युवकों ने जान से मार देने की धमकी देते हुए भाग निकले। घायल व्यापारी ने डायल 112 पुलिस व कंधई थाने पर सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची मामले की जांच पड़ताल किया। पीड़ित ने नामजद आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। कंधई थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही मौके पर जांच पड़ताल की गई है, और घायल का मेडिकल परीक्षण कराया गया है।तहरीर के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

गोरखपुर- गोविंदपुर के पास दो बाइकों की भिड़ंत में तीन गंभीर रूप से घायल, बुलेट सवार युवक फरार

स्वतंत्र प्रभात

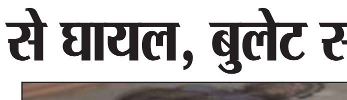

गोला बाजार /गोरखपुर - गोलाबाज़ार थाना क्षेत्र के गोला-कौड़ीराम मार्ग पर गुरुवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। गोविंदपुर गांव के पास दो बाइकों की आमने-सामने की भिड़ंत में एक महिला समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों में एक दंपत्ति को गंभीर हालत में सीएचसी गोला से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जबकि बुलेट सवार युवक इलाज से पहले ही मौके से फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, रामालखना थाना उरूवा निवासी पिंटू (45) अपनी पत्नी रंजू (43) के साथ प्लेटिना बाइक से अपनी ससुराल ग्राम भूपगढ़ थाना गोला जा रहे थे। जब वे गोविंदपुर के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रही बुलेट बाइक से उनकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बुलेट सवार युवक की उंगली कट गई और उसकी आंख में गंभीर चोट आई है। हादसे के बाद एक अज्ञात व्यक्ति घायल बुलेट सवार को अपनी बाइक से लेकर मौके से चला गया, जबकि दंपत्ति को स्थानीय लोगों की मदद से एम्बुलेंस के जरिए सीएचसी गोला पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने बताया कि पिंटू को गंभीर आंतरिक चोटें आई हैं, वहीं रंजू का दायां हाथ टूट गया है। दोनों की हालत नाजुक बताई जा रही है और उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। उधर, सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और बुलेट सवार की तलाश में जुट गई है। हादसे को लेकर स्थानीय लोगों में भी दहशत और आक्रोश का माहौल है।

सहकारिता विभाग की योजनाओं व कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

● सन्तोषजनक खरीद न करने वाले केन्द्र प्रभारियों एवं नोडल को दी गयी कड़ी चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात

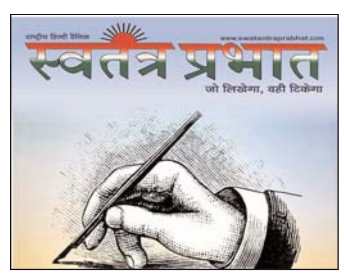

प्रतापगढ़। विकास भवन के सहकारिता अनुभाग में सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता देवेन्द्र बर्मन की अध्यक्षता में विभागीय योजनाओं व कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता द्वारा गेहूं खरीद की केन्द्रवार समीक्षा की गयी तथा सन्तोषजनक खरीद न करने वाले केन्द्र प्रभारियों एवं सम्बन्धित नोडल को कड़ी चेतावनी देते हुये निर्देशित किया गया कि क्षेत्रीय किसानों से डोर टू डोर सम्पर्क कर गेहूं खरीद करना सुनिश्चित करें। साथ ही सम्पर्क पंजिका बनाकर प्रतिदिन न्यूनतम 10 किसानों से गेहूं खरीद करना सुनिश्चित करें। जिला प्रबन्धक पीसीएफ को निर्देशित किया गया कि अवशेष धान का सीएमआर एफसीआई को सम्प्रदानित कराना सुनिश्चित करें। क्षेत्रीय प्रतिनिधि इफको को निर्देशित किया गया कि नैनो यूरिया, नैनो डीएपी को व्यापक प्रचार प्रसार करते हुये जनपद स्तरीय तथा विकास खण्डवार रोस्टर तैयार कर कार्यशाला व गोष्ठी का आयोजन किया जाय।सभी सहायक विकास अधिकारी (सह0), अपर जिला सहकारी अधिकारी व तहसील प्रभारी को निर्देशित किया गया कि पैक्स कम्प्यूटराईजेशन के कार्य को 30 अप्रैल से पूर्व पूर्ण कर लिया जाय।बैठक में समस्त सहायक विकास अधिकारी (सह0), अपर जिला सहकारी अधिकारी, तहसील प्रभारी, जिला प्रबन्धक पीसीएफ एवं पीसीयू तथा क्षेत्रीय प्रबन्धक इफको के प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहे।

भाजपा अखिलेश यादव के व्याख्यान शिविर में घुसकर और असंस्कार पैदा गुमराह कर रही- सपा महानगर

● जीवन रक्षक नकली दवाइयों के बढ़ते कारोबार को भाजपा सरकार रोकने में असफल हो गई - हाजी फजल महमूद

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर की पीडीए थिंक टीम की बैठक सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद की अध्यक्षता में भाजपा द्वारा सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की प्रेस व्याख्यान शिविर में घुसकर व्यवधान पैदा करने पर गंभीर चिंतन तथा नकली दवाओं को लेकर बैठक आरंभ हुई। बैठक का संचालन महानगर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने कहा कि भाजपा का गिरता जानदार के कारण भाजपा असंस्कारित ढंग से सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की प्रेस व्याख्यान में भाजपा कार्यकर्ता घुसकर जो व्यवधान पैदा करके जनता के हितों से ध्यान हटाकर अनर्गल व्यवधान कर रहे हैं इसे सपा पीडीए मिशन की थिंक टीम ने गंभीरता से लिया महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने अपने संबोधन में आगे कहा कि भाजपा जनता के हितों से ध्यान बाटकर अनर्गल कृत्यों को बढ़ावा दे रही है जबकि नकली दवाइयों से पेट गैस हार्ट किडनी शुगर के रोगी बढ़ रहे हैं उस पर भाजपा नकली दबाओ के कारोबार को रोकने में असफल हो गई है लेकिन राजनीतिक व्यवधानों में भाजपा को मजा आ रहा है। बैठक मे प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद, प्रदेश सचिव के के शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू, महासचिव संजय सिंह बंटी सेंगर, संजय निषाद,सलमान मंसूरी, नंदलाल जयसवाल,हाजी अयूब आलम, आंनद शुक्ला, महेन्द्र सिह, रजत मिश्रा, शबाब अबरार, इशरत इराकी, शादाब आलम, दीपक खोटे, अर्पित त्रिवेदी, अरमान खान, रमेश यादव, के के मिश्रा, दिनेश विश्वकर्मा, नवीन जय, शिवकुमार वाल्मिक आदि लोग मौजूद रहे।

डीएम की अध्यक्षता में जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी की अध्यक्षता में जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक कैम्प कार्यालय के सभागार में गुरुवार को संपन्न हुई जिसमें खेल से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई। खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक में जिम ट्रेनर विक्रम प्रताप सिंह की सेवा विस्तार तथा तनख्वाह बढ़ाने पर चर्चा हुई और प्रोत्साहन समिति के क्यूआर कोड बनवाने पर विचार हुआ। विभिन्न विभागों के विभाग अध्यक्षों से खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति के खाते में सहयोग धनराशि बढ़ाने व स्टेडियम परिसर में सीसीटीवी कैमरा लगवाने पर विचार किया गया। डीएम ने खेल प्रोत्साहन समिति के मेंबरशिप लेने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए उसका प्रचार प्रसार करने का निर्देश दिया। संयुक्त राष्ट्र की टिकट बनवाने, रसीद छपवाने व इंटर स्कूल खेलों की प्रतियोगिताएं करने पर भी विचार किया गया। डीएम ने स्टेडियम परिसर में वृहद वृक्षारोपण के तहत अशोक के वृक्षों का वृक्षारोपण करने पर विशेष बल दिया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, अपर जिलाधिकारी आदित्य प्रजापति, उप जिलाधिकारी सदर नैंसी सिंह, सीओ सिटी शिवनारायण, क्रीड़ाधिकारी पूनम लता राज सहित सदस्य गण मौजूद रहे।

एक किलो गांजा बरामद दो दबोचे

अलीगढ़। थाना क्वार्सी पुलिस टीम ने दो शातिर तस्कर अवैध नशीला पदार्थ गांजा सहित गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 500-500 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। थाना क्वार्सी पुलिस टीम द्वारा शातिर अभियुक्त इमरान पुत्र अब्दुल रशीद निवासी अट्टे वाली मस्जिद हमदर्द नगर सी जमालपुर थाना सिविल लाइन ,रेहान पुत्र दिलशाद निवासी बाबू लियाकत अली के किराये का मकान मौलाना आजाद नगर थाना क्वार्सी को 500-500 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ गांजा सहित रामगढ पंजीपुर की ओर से किला गेट थाना क्वार्सी से गिरफ्तार किया है । आरोपियों की गिरफ्तारी एवं बरामदगी के सम्बन्ध में थाना क्वार्सी पर एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

उसका बाजार गेहूं क्रय केंद्र पर लक्ष्य के सापेक्ष खरीद कम

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में गेहूं खरीद के न्यूनतम समर्थन मूल्य दो हजार चार सौ पच्चीस रुपया निर्धारित किया गया है। कस्बा में स्थित खाद्य विभाग की विपणन शाखा उसका बाजार पर सोलह हजार कुंतल गेहूं खरीद के लक्ष्य के सापेक्ष अभी तक सिर्फ 575 कुंतल गेहूं की खरीदारी हुई है। राजकीय गेहूं क्रय केंद्र उसका बाजार के प्रभारी विपणन निरीक्षक मायापति मिश्र ने बताया कि गेहूं खरीद इस समय चल रहा है। सुबह 8 बजे से शाम तक किसान अपना गेहूं क्रय केंद्र पर बिक्री के लिए ला सकते है। गेहूं का सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य किसान के खाते में पीएफएमएस द्वारा भेज दिया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि खरीद लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए गांवों में किसानों से सीधे संपर्क किया जा रहा है। ज्ञातव्य हो कि बाजार मूल्य गेहूं का, न्यूनतम समर्थन मूल्य से अधिक है। इसलिए सरकारी क्रय केंद्रों पर आवक कम है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार छठे हफ्ते बढ़ा

मुंबई। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 11 अप्रैल को समाप्त हुए हफ्ते में 1.57 बिलियन डॉलर बढ़कर 677.84 बिलियन डॉलर हो गया है। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से शुक्रवार को जारी किए गए आंकड़ों में दी गई। यह लगातार छठवां हफ्ता है, जब विदेशी मुद्रा भंडार में रिकॉर्ड बढ़त देखी गई है। इससे पहले 4 अप्रैल को समाप्त हुए हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार 10.8 बिलियन डॉलर बढ़कर 676.3 बिलियन डॉलर हो गया था। समीक्षा अवधि में विदेशी मुद्रा भंडार के प्रमुख घटकों में से एक विदेशी मुद्रा आस्तियों की वैल्यू 892 मिलियन डॉलर बढ़कर 574.98 बिलियन डॉलर हो गई। विदेशी मुद्रा आस्तियों में अमेरिकी डॉलर के साथ यूरो, पाउंड और येन को भी शामिल किया जाता है। विदेशी मुद्रा भंडार के एक अन्य अहम घटक गोल्ड की वैल्यू 638 मिलियन डॉलर बढ़कर 79.99 बिलियन डॉलर हो गई है। हफ्ते के दौरान, वैश्विक अनिश्चितता के चलते गोल्ड को बड़ी मात्रा में दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों की ओर से खरीदा गया है। आरबीआई ने बताया कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) की वैल्यू 6 मिलियन डॉलर घटकर 18.356 बिलियन डॉलर रह गई है। केंद्रीय बैंक के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की रिजर्व पॉजिशन की वैल्यू 43 मिलियन डॉलर बढ़कर 4.5 बिलियन डॉलर हो गई है। बीते वर्ष सितंबर में देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर ऑल-टाइम हाई 704.885 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़त से अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये को मजबूती मिलती है जो अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा है। विदेशी मुद्रा भंडार में हाल ही में हुई वृद्धि के कारण डॉलर के मुकाबले रुपये में तेजी देखी गई है। फिलहाल डॉलर के मुकाबले रुपये 85.39 पर है, जो कि फरवरी में 88 के करीब था। मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार से केंद्रीय बैंक को डॉलर के मुकाबले स्थिर रखने में मदद मिलती है।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने (शुक्रवार) को जुमा की नमाज के अवसर पर मस्जिदों एवं संवेदनशील स्थानों का भ्रमण कर शान्ति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था का लिया जायजा

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी एवं पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव के साथ (शुक्रवार) को जुमा की नमाज के अवसर पर जनपद की विभिन्न मस्जिदों में नमाज को सकुशल सम्पन्न कराए जाने एवं समसामयिक प्रकरणों के दृष्टिगत को देखते हुए जनपद के संवेदनशील स्थानों/मस्जिदों पर भ्रमण कर जनपद में शान्ति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था में नियुक्त पुलिसकर्मियों को चेक किया गया। एवं ड्यूटी पर नियुक्त पुलिस कर्मियों को मुस्तैद व सजग रहकर ड्यूटी करने हेतु मार्गदर्शन किया गया एवं नमाज को सकुशल सम्पन्न कराया गया। नमाज को सकुशल सम्पन्न कराने एवं संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने हेतु संवेदनशील स्थानों पर लागातार ड्रोन कैमरे से भी निगरानी की गयी।

समस्तीपुर में 'महिला संवाद' अभियान की शुरुआत, 27 प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर डीएम ने किया रवाना

स्वतंत्र प्रभात

समस्तीपुर में जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा ने शुक्रवार को 'महिला संवाद' अभियान की शुरुआत की। इस अभियान का उद्देश्य राज्य की महिलाओं को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना और उन्हें सामाजिक व आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इस दौरान डीएम रोशन कुशवाहा ने 27 प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर डीडीसी संदीप शेखर प्रियदर्शी, जिला परियोजना प्रबंधक जीविका विक्रांत शंकर सिंह, डीपीआरओ रजनीश कुमार राय समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

इस मौके पर डीएम रोशन कुशवाहा ने बताया कि महिला सशक्तिकरण से संबंधित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के विषय में जागरूकता के लिए स्मार्ट स्क्रीन युक्त 27 जागरूकता वाहन रवाना किया गया है। इसके माध्यम से फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें महिलाओं से जुड़े कार्य के बारे में लोगों को जानकारी दी जाएगी। लोगों को बताया जाएगा कि किस तरह से महिला सशक्तिकरण की दिशा में सरकार काम कर रही है। जिले के विभिन्न प्रखंडों में माइक्रो प्लांट के तहत काम होगा। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत जिले में प्रतिदिन 54 स्थानों पर महिला संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। अगले 60 दिनों में इस अभियान के तहत पूरे जिले में 3240 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। खास बात यह है कि ये प्रचार वाहन विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण करेंगे और वहां की महिलाओं से संवाद स्थापित करेंगे।

डीएम रोशन कुशवाहा ने बताया कि इस संवाद कार्यक्रम के तहत महिलाओं को अपने परिवार और गांव की समस्याओं पहचानने और उनके समाधान के लिए सरकार के प्रयास को जानने का मौका देगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के जरिए महिलाओं और सामुदायिक संस्थाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना है। बताया गया है कि महिला संवाद के तहत महिला सशक्तिकरण नीति 2015, शराबबंदी, आरक्षण, दहेज उन्मूलन, बाल विवाह निषेध, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, छात्रा पोशाक योजना, जीविका जैसी अनेक योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। यह अभियान न सिर्फ महिलाओं को जानकारी देने का माध्यम बनेगा, बल्कि उन्हें अपनी सामाजिक भूमिका और अधिकारों के प्रति जागरूक कर सशक्त समाज की नींव रखने में मदद करेगा।

सिलापथार दक्षिण भैरव पुर में भयंकर दूरसाहसिक क्रिया पदर्शन के साथ हरगौरी के चढ़क पूजा संपन्न

● निशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली। ललित कला अकादमी के स्वच्छ एवं मनोरम प्रकृति गोद में कालका गढ़ी गांव का 283 वाँ स्थापना दिवस आगंतुकों के आकर्षण एवं कौतूहलता का केंद्र रहा। कालका गढ़ी विकास परिषद के अध्यक्ष धर्मवीर सिंह का प्रकृति एवं अपने ऐतिहासिक धरोहरों के प्रति गहरे लगाव का यह एक अनुकरणीय उदाहरण है। वर्ष 2000 से वह लगातार कालका गढ़ी गांव का स्थापना दिवस हवन, वृक्षारोपण एवं प्रसाद वितरण के रूप में करते आ रहे हैं। इस अवसर पर नई दिल्ली की संसद बांसुरी स्वराज, कस्तूरबा नगर के विधायक नीरज बसोया,पूर्व विधायक मदनलाल,आईपीएस उदय सहाय आईएएस सुनीता बैसला के अलावा अनेक गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर इस स्थापना दिवस की शोभा बढ़ाई। लोगों ने परिषद के अध्यक्ष धर्मवीर सिंह की भूरि भूरि प्रशंसा की जिन्हें प्राकृतिक पर्यावरण एवं अपने गांव के इतिहास से इतना गहरा लगाव है। धर्मवीर सिंह का यह प्रयास सिर्फ कालका गढ़ी गांव की स्थापना की परिधि को पार कर उन गांव के लिए भी अनुकरणीय एवं प्रेरणादाई बन गया है जहां स्थापना दिवस नहीं मनाई जाते। यह विचार अपने आप में लोगों के लिए कोतुहलता का विषय बना रहा जिसमें धर्मवीर सिंह जैसे समाजसेवी,प्रकृति प्रेमी और अपने पौराणिक इतिहास के प्रति इतना अनुराग देखने को मिल रहा है। इस स्थापना दिवस पर कालका गढ़ी गांव एवं अन्य कई जगह से गणमान्य लोग उपस्थित हुए तथा इन्होंने इस कार्यक्रम में अपनी पूरी अभिरुचि दिखाई यह अपने आप में एक अलग तरह का अवसर था जिसमें लोगों ने धर्मवीर सिंह के प्रयासों को अन्य गांव में प्रचारित प्रसारित करने पर जोर दिया।

विधायक ने 110 किसानों को फसल क्षतिपूर्ति का चेक वितरित किया

सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ तहसील के बरैनिया में स्थित पंचायत भवन पर शुक्रवार को क्षेत्रीय विधायक विनय वर्मा ने 110 किसानों में फसल क्षतिपूर्ति का चेक वितरित किया।गत दिनों आग लगने से बरैनिया व नकाही गांव के 110 किसानों का गेहूं का फसल चल कर राख हो गया था। चेक मिलने पर किसानों ने राहत का सांस लिया।विधायक ने कहा कि आपदा से किसानों पर दोहरी मार पड़ती है। इसमें किसानों का पैदावार तो जाता ही है इसके अलावा पूंजी भी चली जाती है।प्रदेश सरकार किसानों के साथ खड़ी है। किसानों के नुकसान का जल्द से जल्द मुआवजा दिलाया जा रहा है।उन्होंने किसानों से कहा कि आपको चेक के लिए तहसील में बुला कर परेशान नहीं किया गया है। आपके गांव में ही चेक मिल रहा है। यही सरकार की मंशा है। इस दौरान एसडीएम राहुल सिंह, तहसीलदार अजय कुमार, मंडी समिति सचिव रामजी यादव आदि मौजूद रहे।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान से कहा, '1971 की ज्यादती के लिए मांगे सार्वजनिक माफी, दे मुआवजा'

स्वतंत्र प्रभात

ढाका। बांग्लादेश ने पाकिस्तान से 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तानी सेना द्वारा बंगालियों के खिलाफ किए गए अत्याचारों के लिए औपचारिक माफी मांगने को कहा है। इतना ही नहीं उसने पाकिस्तान की परिसंपत्तियों में अपना हिस्सा मांगते हुए इस्लामाबाद से बांग्लादेश को बकाया 4.5 अरब डॉलर का मुआवजा अदा करने को भी कहा है। इसमें 1971 के युद्ध के दौरान बांग्लादेश छोड़ने में असमर्थ फंसे हुए पाकिस्तानियों की वापसी और 1970 के चक्रवात भोला में मिली विदेशी मदद के पैसे की बात भी शामिल थी। 4.3 अरब डॉलर के मुआवजे में इसमें अविभाजित पाकिस्तान की 1971 से पहले की परिसंपत्तियों में से उसका हिस्सा शामिल है, जिसमें सहायता राशि, भविष्य निधि और बचत साधन शामिल हैं।

बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच विदेश सचिव स्तर की बैठक हुई में बांग्लादेश ने कई पुराने और संवेदनशील मुद्दे उठाए। ऑपरेशन सर्चलाइट का भी जिक्र था जिसमें, पाकिस्तानी सेना ने अनुमानित 30 लाख बंगालियों को मार डाला और दस लाख से अधिक महिलाओं के साथ बलात्कार किया।

पाकिस्तान के साथ खूनी युद्ध के बाद 1971 में बांग्लादेश को स्वतंत्रता मिली। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान ने 1970 के भोला चक्रवात के बाद बांग्लादेश को विदेशी सहायता में 200 मिलियन डॉलर का अपना हिस्सा आवंटित नहीं किया। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, 1970 का चक्रवात भोला दुनिया का सबसे घातक उष्णकटिबंधीय चक्रवात था, जिसने वर्तमान बांग्लादेश में पांच लाख लोगों की जान ले ली थी। बांग्लादेश के विदेश सचिव मोहम्मद जशीम उद्दीन के हवाले से एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है, "हमारे संबंधों की ठोस नींव रखने के लिए इन मुद्दों को हल करने की आवश्यकता है।"

बांग्लादेश और पाकिस्तान ने गुरुवार को पद्मा स्थित स्टेट गेस्ट हाउस में विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) आयोजित किया। बांग्लादेश के विदेश सचिव मोहम्मद जशीम उद्दीन और पाकिस्तान के समकक्ष आमना बलूच ने एफओसी में अपने-अपने प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

जशीम उद्दीन ने कहा कि पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार 27-28 अप्रैल को बांग्लादेश की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच सीधी उड़ानें जल्द ही शुरू की जाएंगी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बलूच ने बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस और विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन से भी अलग-अलग मुलाकात की और आपसी हितों के मुद्दों पर चर्चा की।

सड़क किनारे हो रहे अवैध कब्जे को तहसील प्रशासन ने हटवाया

सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत लेदवा में गांव के मुख्य सड़क किनारे कुछ लोग बुनियाद डाल रहे थे। किसी ने बुनियाद को सड़क से कुछ ही दूरी पर अवैध रूप से भरने की शिकायत तहसील प्रशासन से कर दिया। उपजिलाधिकारी के निर्देश पर तहसील राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच कर ग्राम लेदवा में नहर पुल के निकट सड़क के गाटे में बन रही नीव बुनियाद को कड़ी निर्देश देकर हटवा दिया। इसी तरह महमूदवा ग्रांट गांव के नाले की जमीन पर अस्थाई कब्जे को भी हटाया गया। एसडीएम राहुल सिंह ने कहा कि सरकारी भूमि पर किसी के द्वारा अवैध कब्जा पाये जाने पर वैधानिक कार्यवाही होगी। कब्जा को हटवा दिया गया है। इस दौरान लेखपाल जिज्ञासा पाण्डेय, मुस्ताक खान,अनिरुद्ध चौधरी, राजीव यादव आदि लोग मौजूद रहे।

वैदिक रीति रिवाज से कालका गढ़ी गांव का मना जन्मोत्सव,उपस्थित लोगों ने धर्मवीर सिंह को सराहा

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली। ललित कला अकादमी के स्वच्छ एवं मनोरम प्रकृति गोद में कालका गढ़ी गांव का 283 वाँ स्थापना दिवस आगंतुकों के आकर्षण एवं कौतूहलता का केंद्र रहा। कालका गढ़ी विकास परिषद के अध्यक्ष धर्मवीर सिंह का प्रकृति एवं अपने ऐतिहासिक धरोहरों के प्रति गहरे लगाव का यह एक अनुकरणीय उदाहरण है। वर्ष 2000 से वह लगातार कालका गढ़ी गांव का स्थापना दिवस हवन, वृक्षारोपण एवं प्रसाद वितरण के रूप में करते आ रहे हैं। इस अवसर पर नई दिल्ली की संसद बांसुरी स्वराज, कस्तूरबा नगर के विधायक नीरज बसोया,पूर्व विधायक मदनलाल,आईपीएस उदय सहाय आईएएस सुनीता बैसला के अलावा अनेक गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर इस स्थापना दिवस की शोभा बढ़ाई। लोगों ने परिषद के अध्यक्ष धर्मवीर सिंह की भूरि भूरि प्रशंसा की जिन्हें प्राकृतिक पर्यावरण एवं अपने गांव के इतिहास से इतना गहरा लगाव है। धर्मवीर सिंह का यह प्रयास सिर्फ कालका गढ़ी गांव की स्थापना की परिधि को पार कर उन गांव के लिए भी अनुकरणीय एवं प्रेरणादाई बन गया है जहां स्थापना दिवस नहीं मनाई जाते। यह विचार अपने आप में लोगों के लिए कोतुहलता का विषय बना रहा जिसमें धर्मवीर सिंह जैसे समाजसेवी,प्रकृति प्रेमी और अपने पौराणिक इतिहास के प्रति इतना अनुराग देखने को मिल रहा है। इस स्थापना दिवस पर कालका गढ़ी गांव एवं अन्य कई जगह से गणमान्य लोग उपस्थित हुए तथा इन्होंने इस कार्यक्रम में अपनी पूरी अभिरुचि दिखाई यह अपने आप में एक अलग तरह का अवसर था जिसमें लोगों ने धर्मवीर सिंह के प्रयासों को अन्य गांव में प्रचारित प्रसारित करने पर जोर दिया।

परीक्षा केंद्र बनाए जाने को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन से शिकायत

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्व विद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर से संबद्ध जिले के कल्लन डिग्री कॉलेज थुमुहवा भैया खुटहना पर परीक्षार्थियों को नकल कराने का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था हालांकि वॉयरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि स्वतंत्र प्रभात अखबार नहीं करता है, अखिलेश सिंह ने विश्व विद्यालय की कुलपति एवं कुलसचिव को प्रार्थना पत्र के साथ साक्ष्य में वीडियो क्लिप भी दिया गया। नकल कराने का वीडियो क्लिप 17,18,19 दिसंबर 2024 का बताया जा रहा है।जिसमे कक्ष निरीक्षक द्वारा अन्य जगह परीक्षा की कापी लिखवाई जा रही है।और केंद्र के सभी छात्रों को बोल कर लिखवाया जा रहा है। जिसका विश्व विद्यालय के संज्ञान में होने के बाद भी उसी महाविद्यालय को पुनः परीक्षा केंद्र बना दिया गया है।शिकायत कर्ता अखिलेश सिंह ने 12 अप्रैल 2025 को एक आवेदन विश्व विद्यालय को दिया।उन्होंने कहा सिद्धार्थ विश्व विद्यालय सभी संबद्ध महाविद्यालयों में बने परीक्षा केंद्र पर सूचितपूर्ण परीक्षा कराने की बात करता है। लेकिन किन कारणों से उसे पुनः परीक्षा केंद्र बनाया गया। जब की उसे नकल कराने पर कार्यवाही होनी चाहिए।

इस संबंध में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर के कुल सचिव अमरेंद्र कुमार सिंह का कहना है शिकायत पर विश्वविद्यालय की कुलपति द्वारा चार सदस्यीय जांच टीम गठित की गई थी जो कल्लन डिग्री कॉलेज के उस दिन के परीक्षा के दौरान लगे सीसी कैमरा के फुटेज का मिलान किया गया तो उससे भिन्न पाया गया। और जहां तक विश्वविद्यालय द्वारा संचालित परीक्षाओं में किसी भी प्रकार की किसी भी परीक्षा केंद्र पर परीक्षा के सुचिता पर सवाल होता है तो उस परीक्षा केंद्र के संबंधितों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

केंद्र सरकार देश में किफायती सीएनजी और पीएनजी उपलब्ध कराने के लिए उठा रही जरूरी कदम

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि उसने घरेलू प्राकृतिक गैस के लिए आवंटन ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से जरूरी कदम उठाए हैं, जो क्लीन एनर्जी तक पहुंच को बढ़ावा देने, शहरों में एयर क्वालिटी में सुधार और घरेलू उर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के केंद्र के विजन के अनुरूप है। सरकार ने कहा, वाहनों में उपयोग होने वाली सीएनजी और घरों में खाना बनाने के लिए उपयोग होने वाली पीएनजी की उपलब्धता बनाए रखने और उन्हें किफायती बनाने के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने घरेलू गैस आवंटन नीति को शुरू किया है।

वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में सीएनजी (टी) और पीएनजी (डी) सेगमेंट के लिए घरेलू प्राकृतिक गैस का आवंटन दो-तिमाही अग्रिम आधार पर किया जाएगा। आवंटन में अब ओएनजीसी और ओआईएल को दिए गए फील्ड से न्यू वेल गैस (एनडब्ल्यूजी) भी शामिल होगी। गेल और ओएनजीसी द्वारा किए गए अनुमानों से सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) कंपनियों को अग्रिम रूप से आपूर्ति की जानकारी सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी, जिससे योजना और वितरण दक्षता में वृद्धि होगी।

मंत्रालय ने आगे बताया, "समय पर और विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एनडब्ल्यूजी के लिए नीलामी आधारित आवंटन को तिमाही प्रो-राटा आवंटन के साथ बदल दिया गया है। गेल मौजूदा एमओपीएनजी दिशानिर्देशों के अनुसार, सीजीडी कंपनियों को उनकी आवश्यकताओं के अनुपात में एनडब्ल्यूजी आवंटित करेगा।"

घरेलू गैस आवंटन में वृद्धि परिवहन और घरेलू खाना पकाने जैसे सार्वजनिक क्षेत्रों को प्राथमिकता देने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। एपीएम गैस और न्यू वेल गैस दोनों की कीमतें भारतीय क्रूड बास्केट की कीमतों से जुड़ी हैं, जिनका कैलकुलेशन मासिक आधार पर किया जाता है, कच्चे तेल की कीमतों में हाल ही में आई गिरावट के साथ, घरेलू गैस का यह आवंटन सीएनजी (टी) और पीएनजी (डी) उपभोक्ताओं के लिए प्राकृतिक गैस को अधिक किफायती बना देगा। मंत्रालय ने कहा, "इन रणनीतिक उपायों से सीजीडी कंपनियों के लिए मांग का अनुमान लगाना आसान हो जाएगा। इससे आपूर्ति में दक्षता बढ़ेगी।"

समस्तीपुर में आवारा कुत्तों का आतंक ! स्कूल जा रहे दो बच्चों को कुत्ते ने काटा, एक बच्चे की मौत

स्वतंत्र प्रभात

समस्तीपुर जिले के विभूतिपुर में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को थाना क्षेत्र के बेलसंडी टाड़ा गांव में स्कूल जा रहे दो सगे भाइयों पर एक कुत्ते ने हमला कर दिया।जिससे दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने दोनों को विभूतिपुर पीएचसी में भर्ती कराया। जहां से दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टर ने सदर अस्पताल रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि दूसरे की हालत गंभीर है।

घटना के संबंध में लोगों ने बताया कि गांव के विजय शाह के पुत्र अभिषेक कुमार और विवेक कुमार शुक्रवार को स्कूल जा रहे थे। इसी दौरान गाछी के पास कुत्तों ने उन पर हमला कर दिया। जिससे दोनों बच्चे गंभीर रूप से जख्मी हो गए। हल्ला होने पर जुटे स्थानीय लोगों ने तत्काल दोनों को विभूतिपुर पीएचसी पहुंचाया। जहां से दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया। जिसके बाद परिजन दोनों बच्चों को लेकर समस्तीपुर सदर अस्पताल पहुंचे। जहां से अभिषेक की नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। अभी परिवार के लोग बच्चे को लेकर पीएमसीएच जा ही रहे थे। इसी दौरान रास्ते में अभिषेक की मौत हो गई। बच्चे की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

वहीं स्थानीय लोगों ने प्रशासन के प्रति आक्रोश व्यक्त करते हुए बताया कि आवारा कुत्ते अब लोगों के लिए खतरे का सबब बनते जा रहे हैंपिछले कुछ महीनों में विभूतिपुर में आवारा कुत्तों द्वारा कई लोगों को काटकर जख्मी किया गया है। कुछ दिन पहले भी इस क्षेत्र एक बच्चे की मौत कुत्तों के काटने सी हुई थी।

जीवन में सत्य का ध्यान करना ही सबसे महत्वपूर्ण है- पंडित उदय नारायण पाण्डेय

स्वतंत्र प्रभात

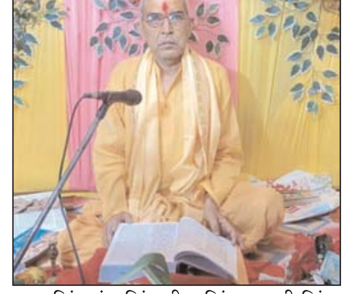

सिद्धार्थनगर। जिले के शोहरतगढ़ तहसील के बेलवा गांव में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के पहले दिन का सत्र भक्ति और ज्ञान से परिपूर्ण रहा। कथावाचक पंडित उदय नारायण पाण्डेय ने श्रोताओं को श्रीमद् भागवत महापुराण की महिमा का रसपान कराया। पंडित उदय नारायण पाण्डेय जी ने कहा कि श्रीमद् भागवत महापुराण भक्ति, ज्ञान, वैराग्य और तत्वबोध से भरा हुआ है। महापुराण के महात्म्य की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें तीन मुख्य संवाद, नारद और भक्ति संवाद, सनत कुमार और नारद संवाद व गोकर्ण और धुंधकारी संवाद के माध्यम से इसकी महिमा का विस्तार किया गया है। कथावाचक ने कहा कि पहले संवाद में अर्पण की कथा, दूसरे में समर्पण की कथा और तीसरे में तर्पण की कथा है। श्रीमद् भागवत महापुराण के अनुसार जो कार्य समाज के लिए किया जाए वह अर्पण है, जो भगवान के लिए किया जाए वह समर्पण है, और जो पितरों के लिए किया जाए वह तर्पण कहलाता है। उन्होंने कहा कि जीवन में सत्य का ध्यान करना ही सबसे महत्वपूर्ण है, और यही सत्य भगवान कृष्ण का स्वरूप है।

इस दौरान कथा आयोजक रोहित सिंह, कथा श्रोता पार्वती देवी,पूनम सिंह,रीता सिंह, राधा सिंह,मंजू सिंह, रीना सिंह, आरती सिंह, हर्षित सिंह,गगन सिंह, प्रदीप सिंह, महेश सिंह, अक्षत, विमान, काव्या, शालिनी, बलराम, गौतम, सुमेर आदि उपस्थित रहे।

पीएम और सीएम दौरे की तैयारियां तेज, जिलाधिकारी ने अधिकारियों संग लिया तैयारियों जायजा, दिए निर्देश

● अधिकारी अपने- अपने दायित्वों का बखूबी करें निर्वहन - डीएम

कानपुर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आज नवीन सभागार, सरसैया घाट में आगामी 24 अप्रैल को मा. प्रधानमंत्री के दौरे व विशाल जनसभा की दृष्टिगत अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने मा. प्रधानमंत्री जी की सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक कार्रवाई हेतु संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा, जिला प्रशासन के अधिकारी आपस में समन्वय स्थापित करके कार्यक्रम को सफल बनाएं। साथ ही, उन्होंने निर्देश दिए कि जिन अधिकारियों को, जो दायित्व दिए गए हैं, उसका बखूबी निर्वहन करें। इस दौरान किसी भी अधिकारी द्वारा की गई कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने आगामी रविवार को मुख्यमंत्री के जनपद दौरे के दृष्टिगत भी संबंधित अधिकारियों को दिशा- निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने आम जनमानस की भी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बेहतर इंतजाम के निर्देश दिए। साथ ही, किसी आगंतुक को किसी प्रकार की समस्या ना हो। इस संबंध में भी निर्देश दिए गए। इसके अलावा, उनके द्वारा अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों, प्रशासन व मीडिया के बीच परस्पर समन्वय स्थापित करने के भी निर्देश दिए, जिससे कार्यक्रम में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी के अलावा मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती दीक्षा जैन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर हरिदत्त नेमी, एडीएम सिटी डॉ राजेश कुमार, एडीएम न्यायिक चंद्रशेखर, एडीएम वित्त एवं राजस्व राजेश कुमार, ए सी एम प्रथम राजेश कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी शिल्पी सिंह, जिला युवा कल्याण अधिकारी आरती जयसवाल, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत कुमार सिंह, जिला पंचायती राज अधिकारी मनोज कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी जयदीप सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी दुर्गेश प्रताप सिंह, समस्त उप जिलाधिकारी समेत संबंधित विभागों के अन्य अधिकारी मौजूद रहें।